

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

PUBLISHED BY AUTHORITY

प्राधिकार से प्रकाशित

सं. 295] No. 295] नई दिल्ली, मंगलवार, दिसम्बर 17, 2013/अग्रहायण 26, 1935

NEW DELHI, TUESDAY, DECEMBER 17, 2013/AGRAHAYANA 26, 1935

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय (वाणिज्य विभाग) (पाटनरोधी एवं संबध्द शुल्क महानिदेशालय) अधिसूचना

नई दिल्ली, 17 दिसम्बर, 2013

अंतिम जांच परिणाम

विषय:- चीन. जन. गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित मेटा फिनायलीन डायामाइन (एमपीडीए) के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच।

फा. सं. 14/4/2012-डीजीएडी.—समय-समय पर यथासंशोधित सीमाशुल्क प्रशुल्क अधिनियम, 1975 (जिसे एतद्पश्चात अधिनियम कहा गया है) और उसके अंतर्गत बने समय-समय पर यथासंशोधित सीमाशुल्क प्रशुल्क (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली (जिसे एतद्पश्चात पाटनरोधी नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए।

क. प्रक्रिया

- 1. इसमें निम्नलिखित प्रक्रिया का अनुसरण किया गया:-
- (ii) निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें एतद्पश्चात प्राधिकारी कहा गया है) को चीन जन.गण. के चीन जनवादी गणराज्य (जिसे एतद्पश्चात चीन जन.गण. अथवा सम्बद्घ देश कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यात मेटा फिनायलीन डायामाइन (एमपीडीए) के पाटन का आरोप लगाते हुए घरेलू उद्योग की ओर से मैसर्स आरती इंडस्ट्रीज लिमिटेड, मुम्बई (जिसे एतद्पश्चात आवेदक कहा गया है) से, नियमों के अंतर्गत एक लिखित आवेदनपत्र प्राप्त हुआ है।
 - (iiii) इस आवेदनपत्र की प्रारंभिक संवीक्षा में कितपय किमयां व्यक्त हुई जिनका बाद में आवेदक द्वारा सुधार कर दिया गया। अत:, इस आवेदनपत्र को समुचित रूप से प्रलेखन युक्त के रूप में माना गया।

5261GI/2013 (1)

(iiiiii) प्राधिकारी ने, यह जांच प्रारंभ करने को न्यायोचित ठहराते हुए आवेदक द्वारा प्रस्तुत पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर सम्बद्ध देश से सम्बद्ध वस्तु के आयातों के संबंध में जांच प्रारंभ करने का निश्चय किया।

- (iviv) प्राधिकारी ने जांच प्रारंभ करने की प्रक्रिया से पहले पाटनरोधी नियमावली के उपनियम 5(5) के अनुसार पाटन होने के आरोप की प्राप्ति के बारे में भारत में सम्बद्ध देश के राजदूतावास को अधिसूचना द्वारा इसकी सूचना दी।
- (vv) प्राधिकारी ने सम्बद्घ वस्तु के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच प्रारंभ करते हुए भारत के राजपत्र, असाधारण में दिनांक 19 जून, 2012 को प्रकाशित एक सार्वजनिक नोटिस जारी किया।
- (vivi) प्राधिकारी ने इस सार्वजनिक नोटिस की एक प्रति सभी ज्ञात निर्यातकों (जिनका विवरण आवेदक द्वारा उपलब्ध कराया गया था) और उद्योग एसोसिएशनों को प्रेषित की गई तथा उन्हें पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(2) के अनुसार अपने विचारों से लिखित रूप में अवगत कराने का अवसर प्रदान किया गया।
- (viivii) प्राधिकारी ने इस सार्वजनिक नोटिस की एक प्रति भारत में संबद्घ वस्तु के सभी ज्ञात निर्यातकों को भी प्रेषित की और उन्हें इस पत्र की प्राप्ति से चालीस दिनों के अंदर अपने विचारों से लिखित रूप में अवगत कराने का सुझाव दिया।
- (viiiviii) प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(3) के अनुसार आवेदनपत्र के अगोपनीय पाठ की एक प्रति भारत में संबद्ध देश के ज्ञात निर्यातकों और राजदूतावास को प्रदान करायी। आवेदनपत्र की एक प्रति मांगे जाने पर अन्य हितबद्ध पक्षकारों को भी प्रदान करायी गई।
- (ixix) प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार संबद्ध देश के निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों को भी संगत सूचना प्रदान कराने के लिए प्रश्नावलियां भेजी।

संघाई अमीनो केम कंपनी लिमिटेड, 31/एफ किंग टावर नं.28 जिनजिन काओ रोड पुडांग संघाई (201206 पीआरसी) जैंगशु टियानजिआई केमिकल कंपनी लिमिटेड, नाजियाजियांग झोऊझुआंग जियांगजिन, जियांग्शु चीन 214423

(xx) जांच शुरुआत अधिसूचना के प्रत्युत्तर में चीन जन.गण. के निम्नलिखित निर्यातकों/ उत्पादकों ने प्रत्युत्तर प्रस्तुत किया।

| क्र सं | निर्यातक/ उत्पादक का नाम | निर्यातक/ उत्पादक |
|--------|--|----------------------|
| 1 | झेजियांग अमिनो कैम कंपनी लिमिटेड | उत्पादक एवं निर्यातक |
| 2 | चैंगशौन हाईचैंग केमिकल कंपनी लिमिटेड | निर्यातक |
| 3 | जियांग शू टियानजीआई केमिकल कंपनी लिमिटेड | उत्पादक |

(xixi) मैसर्स संघाई अमीनो केम कंपनी लिमिटेड ने अपना प्रत्युत्तर यह उल्लेख करते हुए यह दायर किया कि कंपनी ने संबद्ध वस्तु की केवल घरेलू बाजार में ही बिक्री की है और भारत को संबद्ध वस्तु का निर्यात नहीं किया है। (xiixii) भारत में संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं को पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मांगते हुए प्रश्नाविलयां भेजी गई थी।

| ऐश्वर्या केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड, 263/2, फेज-2, जीआईडीसी, वात्वा, अहमदाबाद-382445 |
|--|
| अंकुर केमिकल्स, जी-1-198, गुदली औद्योगिक क्षेत्र, उदयपुर |
| एरिज आर्गेनिक्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लाट नं. 441, फेज-2 जीआईडीसी, वात्वा, अहमदाबाद-382445 |
| कैमवर्ल्ड इंक, 409, ह्रास विजनेस सेंटर, निकट अंकुर स्कूल, फतेहनगर, पाल्डी, अहमदाबाद |
| हेक्सान इंटरकैम प्राइवेट लिमिटेड, कटवाड पातिया, एन.एच.सं.8 डालपुर, तालप्रांतिज, जिला सावरकाथा, 393002, |
| गुजरात |
| इंडो कोलकैम लिमिटेड, प्लाट नं.36, फेज-2 जीआईडीसी, वात्वा अहमदाबाद-382445 गुजरात |
| कृष्णा इंडस्ट्रीज, एल/30/46/1 और 2, फेज-3, जीआईडीसी, नरोदा, अहमदाबाद-382330 गुजरात |
| मैकसेन लेबोरेट्रीज, अम्बा माता की घाटी, गांव टिटेर्डी तहसील गिरवा, उदयपुर-313001 |
| नोबासिड प्राइवेट लिमिटेड, 263/ए-बी, जीआईडीसी, पंडेसरा, सूरत, गुजरात |

प्रशांत इडस्ट्रीज, प्लाट नं.3408/डी, चरण-4, जीआईडीसी एस्टेट वात्वा अहमदाबाद -382445 गुजरात श्री पुष्कर पेट्टो प्रोडक्ट्स लिमिटेड, बी-103 एमआईडीसी लोटे पशुराम, तालुका खेद, जिला-रत्नागिरी, महाराष्ट्र-415722 सोलर डाईज इंडस्ट्रीज, प्लाट सं. 8103, जीआईडीसी एस्टेट, साचिन, सूरत-394230 गुजरात हिंदप्रकाश इंटरनेशनल, ए-414, आत्मा हाऊस, पुरानी भारतीय रिजर्व बैंक के पीछे, अहमदाबाद यश कैमेक्स इंक, प्लाट सं.457, फेज-2, जीआईडीसी एस्टेट, वात्वा, अहमदाबाद-382445 अनिल कलर्स इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड, प्लाट सं. 125/1, जीआईडीसी एस्टेट, नंदेसरी, गुजरात एरिज डाई केम इंडस्ट्रीज सी-1/260 चरण-2 जीआईडीसी, वात्वा, अहमदाबाद-382445 गुजरात बादल केमिकल लिमिटेड यूनिट-1, प्लाट सं. 110, फेज-2,जीआईडीसी एस्टेट, वात्वा, अहमदाबाद-382445 गुजरात छटारिया डाई स्टफ प्राइवेट लिमिटेड, निकट जीआईडीसी एस्टेट, महुवा, भावनगर, 364290, गुजरात हेक्सान इंटर कैम प्राइवेट लिमिटेड, पालक, सहजानंद पार्क, जीवन धारा सोसाइटी, गायत्री मंदिर रोड, महावीरनगर, हिम्मत नगर-383001 जैनिक इंडस्ट्रीज 605-ए, फेज-4, जीआईडीसी, वात्वा, अहमदाबाद-382445 गुजरात लोक्सिम इंडस्ट्रीज लिमिटेड, प्लाट सं. 105/109-ए, ईसीपीएल रोड, गांव एकलवाड़ा, पाडरा जिला, वडोदरा-391440 मोनिका इंडस्ट्रीज, सी/1, 421,422 फेज-2 निकट विंजौल क्रासिंग जीआईडीसी, वात्वा अहमदाबाद-382445 गुजरात ओरजेट इंटरमीडिएट प्राइवेट लिमिटेड, सी-1/बी-13, फेज-2, जीआईडीसी, वात्वा, अहमदाबाद-382445 गुजरात रोहन डाईज एंड इंटरमीडिएट लिमिटेड प्लांट सं.115-117, 123 फेज-1 जीआईडीसी, वात्वा, अहमदाबाद-382445 श्रीजी आर्गेनिक्स, प्लांट नं.3421, फेज-4, जीआईडीसी, वात्वा अहमदाबाद-382445 संत प्रेरणा केमिकल्स, सी-1-220-221/3 फेज-2 जीआईडीसी, वात्वा अहमदाबाद-382445 केमैक्स केमिकल्स 107 उद्योग क्षेत्र, लिंक रोड, मुलुंड (पश्चिम) 400080, मुंबई

(xiiixiii) जांच शुरुआत अधिसूचना के प्रत्युत्तर में निम्नलिखित आयातकों/प्रयोक्ताओं और एसोसिएशनों ने प्रस्तुतिकरण किये है-

- 1. भारत डाई स्टफ्स, विनिर्माता एसोसिएशन
- 2. मैसर्स रवि डाईवेयर कंपनी लिमिटेड
- 3. मैसर्स लोनसेन किरि केमिकल इंडस्ट्रीज लिमिटेड
- 4. मैसर्स स्पेकट्म डाईज एंड केमिकल

(xivxiv) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के अगोपनीय पाठ को हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निरीक्षण के लिए खुली रखी गई एक सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध कराया। जांच प्रक्रिया के दौरान ऊपर उल्लिखित हितबद्ध पक्षकारों तथा घरेलू उद्योग ने जांच से संगत सूचना प्रस्तुत की और सभी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत सूचना को एकसमान ही माना गया और हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत विचारों को इस फाइल में दर्शाया गया है।

(xvxv) हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना की गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संबंध में जांच की गई। संतुष्ट होने पर, प्राधिकारी ने, यथावांछित, गोपनीयता के दावे को स्वीकार कर लिया और ऐसी सूचना को गोपनीय माना गया तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों को उसका प्रकटन नहीं किया गया। गोपनीय आधार पर सूचना प्रदान कराने वाले पक्षकारों को जहां कहीं संभव हुआ यह निदेश दिया गया कि वे गोपनीय आधार पर दायर की गई सूचना का पर्याप्त अगोपनीय पाठ भी प्रस्तुत करें।

(xvixvi) इसके अतिरिक्त आवेदक तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों से आवश्यक समझी गयी सीमा तक अतिरिक्त सूचना भी मांगी गई।

(xviixvii) भारत में संबद्ध वस्तु की उत्पादन लागत और बिक्री लागत के आधार पर भारत में गैर क्षितिकारित कीमत का निर्धारण सामान्यत: स्वीकृत लेखाकरण सिद्धांतों के आधार पर संगणित की गई जिससे कि यह निर्धारित किया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से न्यूनतर पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग की क्षिति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगा; यह जांच 1 अक्तूबर, 2010 से प्रारंभ करके 31 दिसम्बर, 2011 (पीओआई) तक के लिए

निर्धारित की गई थी। क्षति विश्लेषण के संदर्भ में प्रवृत्तियों की जांच के लिए वर्ष 2008-09, 2009-10, 2010-11 और जांच की अवधि को शामिल किया गया है।

(xviiixviii) जांच की अवधि के दौरान अमेरिकी डालर को रुपये में परिवर्तित करने के लिए विनिमय दर सीमा शुल्क आंकड़ों के अनुसार 46.58 रुपये हैं।

(xixxix) वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकीय महानिदेशक, कोलकाता से जांच की अवधि और विगत तीन वर्षों के लिए भारत में संबद्ध वस्तु के आयातों का दायरा उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया और उसे प्राप्त कर लिया गया।

(xx) घरेलू उद्योग तथा निर्यातकों की सूचना और आंकड़ों का सत्यापन जरुरी समझी गयी सीमा तक किया गया।

(xxixxi) प्राधिकारी ने अधिनियम और पाटनरोधी नियमावली को ध्यान में रखते हुए चीन जन.गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित एमपीडीए के आयातों से संबंधित अनंतिम पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण करने की सिफारिश प्राथमिक जांच परिणाम के तहत दिनांक 1 जनवरी, 2013 की अधिसूचना सं.14/4/2012-डीजीएडी के तहत की। निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा की गई सिफारिश को वित्त मंत्रालय द्वारा स्वीकार कर लिया गया और दिनांक 22 मार्च, 2013 के अधिसूचना सं.02/2013 के तहत अंतरिम शुल्क उद्गिहत किया गया।

(xxiixxii) पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(6) के अनुसार प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पक्षकारों को अपने विचार मौखिक रूप से प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान करने के लिए दिनांक 5 मार्च, 2013 को एक सार्वजनिक सुनवाई का आयोजन किया।

(xxiiixxiii) इस सार्वजनिक सुनवाई में जिन पक्षकारों ने अपने विचार प्रस्तुत किये उनसे मौखिक रूप से अभिव्यक्त अपने विचारों को लिखित रूप में दायर करने का अनुरोध किया गया। हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त लिखित प्रस्तुतिकरणों/ प्रति-प्रत्युत्तर में किये गये तर्कों पर प्राधिकारी द्वारा जारी किये जा रहे प्रकट विवरण में, जहां कहीं आवश्यक समझा गया, विचार किया गया।.

प्रमुख नियमों के नियम 16 के अनुसार इस जांच परिणाम के लिए आवश्यक समझे गए तथ्यों/आधारों का हितबद्ध पक्षकारों को प्रकटन किया गया और उन पर प्राप्त टिप्पणियों पर इस अंतिम जांच परिणाम में विचार किया गया। निम्नलिखित हितबद्ध पक्षकारों ने इस प्रकटन विवरण टिप्पणियां की-

- झेझियांग अमीनों कैम कंपनी लिमिटेड उत्पादक (निर्यातक)
- लोन्सेन क्षिरि चैमिकल इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आयातक)
- iii. डाईस्टक्स मैन्यूफैक्चरर्स एसोसिएशन आफ इंडिया(एसोसिएशन)
- iv. रवि डाई वेअर कंपनी लिमिटेड(आयातक)
- v. घरेलू उद्योग

(xxivxxiv) केन्द्रीय सरकार ने डीजीएडी के अनुरोध पर प्रस्तुत जांच पूरी करने और अंतिम जांच परिणाम अधिसुचित करने की तारीख 18 दिसम्बर, 2013 तक बढ़ा दी।

(xxvxxv) *** इस अंतिम जांच परिणाम में आवेदनकर्ताओं द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना का प्रतिनिधित्व करता है और प्राधिकारी द्वारा नियमों के अंतर्गत उसे वैसा ही माना गया।

ख. <u>विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु</u>

2. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद 'मेटा फिनायलीन डायामाइन (एमपीडीए)' है। वाणिज्यिक रूप से इसे एमपीडी अथवा एमपीडीए के नाम से जाना जाता है। सामान्य स्थितियों (कक्ष ताप पर) यह रंगहीन अथवा सफेद रंग का ठोस होता है जो भंडारण करने पर हवा के साथ मिलकर लाल, बैगनी (गहरे रंग का) हो जाता है। मेटा फिनायलीन डायामाइन के दो एमिनो ग्रुप होते है जो एक दूसरे के संबंध में मेटा पोजीशन पर बेन्जीन ग्रुप से जुड़े रहते हैं। यह ओ-फिनायलीन डायामाइन (आर्थो फिनायलीन डायामाइन) और पी-फिनायलीन डायामाइन (पैरा फिनायलीन डायामाइन) का आइजोमर होता है। मेटा फिनायलीन डायामाइन एक रसायनिक मध्यवर्ती के रूप में

कार्य करता है। एमपीडीए, एक रसायनिक मध्यवर्ती के रूप में रंग, इंजीनियरिंग पोलिमर, अरामिड फाइबर और फोटोग्राफी तथा चिकित्सा अनुप्रयोगों में प्रयोग किया जाता है।

3. 'मेटा फिनायलीन डायामाइन' को सीमाशुल्क प्रशुल्क अधिनियम के अध्याय-29 के अंतर्गत उपशीर्षक संख्या 29215120 के अंतर्गत वर्गीकृत किया जाता है। तथापि यह सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल संकेतक है और किसी भी रूप में वर्तमान जांच तथा प्रस्तावित साधनों के दायरे पर बाध्यकारी नहीं है।

ख.1 निर्यातकों, आयातकों, उपभोक्ताओं तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

- 4. झेझियांग अमिनोकैम के विचार निम्नलिखित हैं:
 - (क) कंपनी द्वारा चार प्रकार के एमपीडीए का उत्पादन किया जाता है-ग्रे पिघला हुआ (99.5 प्रतिशत), ग्रे फ्लेक (99.9 प्रतिशत), सफेद पिघला हुआ (99.9 प्रतिशत), और सफेद फ्लेक (99.9 प्रतिशत)।
 - (ख) कंपनी ने जांच की अवधि के दौरान ग्रे पिघला हुआ और सफेद फ्लेक का भारत को निर्यात किया है।
 - (ग) यद्यपि संबद्ध वस्तु का उत्पादन चार विभिन्न ग्रेडों में किया जाता है फिर भी ग्रे और सफेद दो प्रमुख वर्गीकरण है जहां सफेद ग्रेड रासायनिक विनिर्देशनों, विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी अंतिम प्रयोग अनुप्रयोग, अदल-बदलकर प्रयोग करने की क्षमता में बिल्कुल अलग है तथा इसकी लागत और बिक्री कीमत भी पृथक होती हैं।
 - (घ) इसके अतिरिक्त घरेलू उद्योग के पास न तो उत्पादन प्रौद्योगिकी है न ही यह सफेद पिघला हुआ/ फ्लेक एमपीडीए का उत्पादन करती है इसलिए इसका अपवर्जन कर दिया जाना चाहिए।
 - (ङ) प्रकटन पश्चात निर्यातक मैसर्स झेजियांग अमीनों कैम ने विचाराधीन उत्पाद एवं समान वस्तु के संबंध में अपने विचारों को पुन: दोहराया। यह प्रस्तीकरण किया गया कि उत्पाद के दायरे और समान वस्तु का निर्धारण करने में विस्तृत जांच की शुरुआत है क्योंकि ग्रे ग्रेड और सफेद ग्रेड एमपीडीए दोनों अलग उत्पाद है। यह दोहराया गया कि आरती इंडस्ट्रीज लिमिटेड के पास सफेद पिघला हुआ/सफेद फ्लेक एमपीडीए का उत्पादन करने की तकनीक और अपेक्षित उपकरण भी नहीं हैं। ग्रे मोल्टेन/ग्रे फ्लेक एमपीडीए और सफेद मोल्टेन/सफेद फ्लेक एमपीडीए अदल बदलकर प्रयोग नहीं किए जा सकते है और उनके विभिन्न प्रकार्य/प्रयोजन हैं। यह विभिन्न प्रकार के एमपीडीए के विभिन्न अंतिम प्रयोग होते है।

ख.2 <u>घरेलू उद्योग के विचार</u>

- 5. घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित विचार प्रस्तुत किये हैं:
 - (ii) वर्तमान याचिका में विचाराधीन उत्पाद 'मेटा फिनायलीन डायामाइन' जिसे इस याचिका में एमपीडीए के नाम से भी उल्लिखित किया गया है इस विचाराधीन उत्पाद के अन्य नाम हैं एम-फिनायलीन डायामाइन, 1, 3- डायमीनोबेन्जीन, 1, 3-बेन्जीनडायामाइन, एम- अमीनोएनीलाइन, एम-बेंजीनडायामाइन, एम-डायामीनोबेन्जीन, 1, 3 फिनायलीनडायामाइन, 3 एमीनोएनीलाइन एम-फिनायलीनडायामाइन, एम, एम —अमीनोएनीलाइन और फिनायलीन डायामाइन, मेटा। वाणिज्यिक रूप से इसे एमपीडी अथवा एमपीडीए भी कहा जाता है।
 - (iiii) सामान्य (कक्ष) स्थितियों में यह रंगहीन, अथवा सफेद रंग का ठोस होता है जो भंडारण करने पर हवा में लाल, बैगनी (गहरे रंग का) रंग में परिवर्तित हो जाता है।
 - (iiiiii) मेटा फिनायलीन डायामाइन के दो अमीनो ग्रुप होते है जो बेन्जीन रिंग से मेटा स्थिति पर एक दूसरे के संबंध में जुड़े होते है। यह एक ओ-फिनायलीन डायामाइन (आर्थो फिनायलीन डायामाइन) और पी- फिनायलीन डायामाइन (पैरा फिनायलीन डायामाइन) का आइजोमर होता है।
 - (iviv) प्रत्युत्तरदाता निर्यातक ने यह सिद्ध नहीं किया है कि क्या उसने विचाराधीन उत्पाद के दोनों ग्रेडो का निर्यात किया है।
 - (vv) सफेद रुप के एमपीडीए का भारत को निर्यात नहीं किया गया है।
 - (vivi) आवेदक वास्तव में दोनो तरह के एमपीडीए का उत्पादन और उसकी आपूर्तिकर्ता है।

- (viivii) निर्यातकों द्वारा केवल यह अभिकथन कि इसके विभिन्न उत्पाद ग्रेड होते है, समर्थनकारी के साक्ष्य के अभाव में अस्वीकार किया जा सकता है।
- (viiiviii) विचाराधीन उत्पाद के भारी आयातों को अन्य वर्गीकरणों में भी रिपोर्ट किया जा रहा है इसलिए आवेदनकर्ता ने प्राधिकारी से अनुरोध किया कि वह सीमाशुल्क वर्गीकरण के लिए डीजीसीआईएस से सीमाशुल्क वर्गीकरण 29215/190 के आकड़े मंगवाये।
- (ix) त्प्रकटन पश्चात, घरेलू उद्योग ने प्रस्तुत किया है कि वह सफेद और ग्रे ग्रेड के एमपीडीए दोनों का उत्पादन और बिक्री करता है और इसलिए विचाराधीन उत्पाद के दायरे से सफेद ग्रेड के एमपीडीए का अपवर्जन वांछित/न्यायोचित नहीं है।
- (xx) याचिकाकर्ता ने निर्दिष्ट प्राधिकारी से अनुरोध किया है कि वह विचाराधीन उत्पाद मेटा फिनायलीन डायामाइन (एमपीडीए) के सभी विवरणों का शुल्क तालिका में उत्पाद विवरण या पाद टिप्पणी के रूप में विनिर्दिष्ट करें अर्थात एम-पिफनायलीनडायामाइन 1, 3-डायामिनौबन्जीन 1, 3-बेन्जीन डायमाइन, एम-डायामिनोबेन्जीन, 1,3-फिनायलीन डायामाइन, एमएमिनोलाइन, 3 एमिनोएनिलीन एम-फिनायलीन डायामाइन, फिनायलीन डायामाइन और एम-अमीनोलाइन, फिनायलीन डायामाइन मेटा।

बी.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

- 6. प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किये गये तर्कों को नोट किया है। यह नोट किया जाता है कि इस उत्पाद के भौतिक रूप में अंतर का आशय यह नहीं है कि यह उत्पाद एक भिन्न उत्पाद है। यह दावा करते समय कि विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन विभिन्न रूपों में किया जाता है प्रत्युत्तरदाता निर्यातक ने यह सिद्ध करने के लिए कि यह विभिन्न ग्रेड उनसे जुड़ी लागत और कीमत के संबंध में एक दूसरे से काफी भिन्न है, कोई सूचना प्रदान नहीं की है। ना ही प्रत्युत्तर दाता निर्यातक ने कोई सत्यापन योग्य साक्ष्य प्रदान किया है और न ही किसी विशिष्ट उत्पाद प्रकार का अपवर्जन करने की जरूरत को सिद्ध किया है। सभी तरह के विचाराधीन उत्पाद वर्तमान जांच के दायरे के अंतर्गत आते हैं।
- 7. तद्दनुसार विचाराधीन उत्पाद को 'मेटा फिनायलीन डायामाइन' (एमपीडीए) के रूप में परिभाषित किया जाता है, इसे एम-फिनायलीन डायामाइन, 1,3-डायमीनोबेन्जीन, 1,3-बेन्जीनडायामाइन, एम- अमीनोएनीलाइन, एम-बेंजीनडायामाइन, एम-डायामीनोबेन्जीन,1,3 फिनायलीनडायामाइन,3 एमीनोएनीलाइन एम-फिनायलीन डायामाइन, एम, एम–अमीनोएनीलाइन और फिनायलीन डायामाइन, मेटा के नाम से भी जाना जाता है।
- 8. सम्बद्ध वस्तु को सीमाशुल्क प्रशुल्क के अंतर्गत प्रशुल्क मद 29215120 के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। तथापि यह सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल संकेतक है और किसी भी रूप में वर्तमान जांच तथा प्रस्तावित साधनों के दायरे पर बाध्यकारी नहीं है। आवेदनकर्ता द्वारा यह तर्क दिया गया है कि इस उत्पाद के आयातों को सीमाशुल्क वर्गीकरण 29215190 के अंतर्गत भी रिपोर्ट किया गया है। यह नोट किया जाता है कि इस उत्पाद की भारी मात्रा का निर्यात उपर्युक्त वर्गीकरण के अंतर्गत भी सूचित किया गया है। इसलिए सीमाशुल्क वर्गीकरण 29215190 के अंतर्गत रिपोर्ट किये गये इस उत्पाद के आयातों पर भी विचार किया गया है।

ख.4 समान वस्तु

9. पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(घ) में समान वस्तु को निम्नवत परिभाषित किया गया:

'कोई वस्तु, भारत में पाटित की जा रही जांचाधीन वस्तु के बारे में सभी तरह से समान या उसके अनुरुप अथवा ऐसी मद के अभाव में कोई अन्य वस्तु जो सभी रूपों में समान ना होने पर भी जिसके गुणधर्म निकट से जांचाधीन वस्तु के गुणधर्मों के अनुरूप हो"। 10. आवेदनकर्ता ने दावा किया है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु भारत में आयात किये जा रहे विचाराधीन उत्पाद के समान है। आवेदनकर्ता ने दावा किया है कि आवेदनकर्ता के उत्पाद और संबद्ध देश से निर्यात किये जा रहे विचाराधीन उत्पाद में कोई ज्ञात अंतर नहीं है और दोनों ही गुणधर्मों के रूप में तुलनीय है जैसे भौतिक एवं रासायनिक गुणधर्म, विनिर्माण प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी, प्रकार्यों और प्रयोगों, उत्पाद विनिर्देशनों, कीमत निर्धारण, वितरण, विपणन और प्रशुल्क वर्गीकरण। आवेदक द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु और संबद्ध देश से निर्यातित वस्तु के बीच कोई भारी अंतर नहीं है और दोनों ही तकनीकी एवं वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय है। अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा यह तर्क दिया गया है कि विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन और उसकी बिक्री दो प्रमुख ग्रेडोंग्रे और सफेद-में की जाती है। उन्होंने पुन: तर्क दिया है कि घरेलू उद्योग केवल ग्रे ग्रेड की वस्तु का ही उत्पादन करता है और सफेद ग्रेड को इसके भारी अंतर के कारण जांच से अपवर्जित कर दिया जाना चाहिए और आवेदक उद्योग उसका उत्पादन नहीं करता है। घरेलू उद्योग ने इस तथ्य के साक्ष्य उपलब्ध कराये है कि उन्होंने सफेद ग्रेड के उत्पाद का उत्पादन और उसकी आपूर्ति की है।

11. प्राधिकारी ने इस मामले की जांच की है और यह नोट किया है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु और संबद्ध देश से निर्यातित संबद्ध वस्तु में कोई ज्ञात अंतर नहीं है। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु और संबद्ध देश से आयातित संबद्ध वस्तु दोनों ही गुणधर्मों के रूप में तुलनीय है जैसे भौतिक एवं रासायनिक गुणधर्म, विनिर्माण प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी, प्रकार्यों और प्रयोगों, उत्पाद विनिर्देशनों, कीमत निर्धारण, वितरण, विपणन और प्रशुल्क वर्गीकरण। आवेदक द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु और संबद्ध देश से निर्यातित वस्तु के बीच कोई भारी अंतर नहीं है और दोनों ही तकनीकी एवं वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय है। उपभोक्तागण इनका प्रयोग एक दूसरे के स्थान पर कर रहे है। उपर्युक्त को देखते हुए आवेदक कंपनी द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु को पाटनरोधी नियमावली के अनुसार संबद्ध देश से आयातित विचाराधीन उत्पाद के समान वस्तु के रूप में माना जा रहा है।

ग. घरेलू उद्योग का दायरा एवं आधार

12.पाटनरोधी नियमावली के नियम 2 (ख) में घरेलू उद्योग को निम्नवत परिभाषित किया गया है:

"(ख) घरेलू उद्योग" का आशय समान वस्तु के विनिर्माण या उससे संबंधित किसी अन्य क्रियाकलाप में समग्र रूप से लगे उन सभी घरेलू उत्पादकों अथवा उन उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उस वस्तु के समस्त घरेलू उत्पादन का एक बड़ा अनुपात बनता हो, सिवाय इसके कि यदि ये उत्पादक कथित पाटित वस्तु के निर्यातकों अथवा आयातकों से संबंधित हों अथवा उसके स्वयं आयातक हों तो ऐसे मामलों में "घरेलू उद्योग" को केवल शेष उत्पादकों के रुप में माना जाएगा"।

13. यह आवेदनपत्र मैसर्स आरती इंडस्ट्रीज लिमिटेड मुंबई (आवेदक के रुप में उल्लिखित) द्वारा भारत में संबद्ध वस्तु के घरेलू उद्योग के रुप में दायर किया गया है। आवेदनकर्ता देश में एमपीडीए का एकमात्र उत्पादक है और इसलिए आवेदक का उत्पादन भारत में समान वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का 100 प्रतिशत उत्पादन होता है। किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने आवेदनकर्ता के घरेलू उद्योग के दर्जे और उसके आधार के संबंध में कोई आपत्ति नहीं उठाई है। इसको देखते हुए और उचित जांच के पश्चात यह धारित किया जाता है कि आवेदनकर्ता पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) और नियम 5(3) में उल्लिखित शर्तों के अनुसार घरेलू उद्योग के आधार की अपेक्षाओं को पूरा करता है और वह घरेलू उद्योग है।

घ. सामान्य मूल्य और पाटन मार्जिन

घ.1 <u>चीन जन.गण में सामान्य मूल्य</u>

घ.1.1 <u>चीन जन.गण के सभी उत्पादकों और निर्यातकों के लिए एमईटी परीक्षण तथा सामान्य मूल्य</u>

- 14. प्राधिकारी नोट करते हैं कि विगत तीन वर्षों में चीन जन.गण को डब्ल्यूटीओ सदस्यों द्वारा की गई पाटनरोधी जांच में गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रुप में माना गया है। इसलिए पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8(2) में उल्लिखित शर्तों के अनुसार वर्तमान निर्धारण के प्रयोजनार्थ नियमों के अंतर्गत निर्यातक देश व्यक्तिगत निर्यातकों द्वारा खंडन की पूर्व अवधारणा के अध्यधीन चीन जन.गण को गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रुप में माना गया है।
- 15. यथा संशोधित पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैराग्राफ 8 के अनुसार गैर बाजार अर्थव्यवस्था की पूर्व अवधारणा का खंडन किया जा सकता है यदि चीन जन. गण के निर्यातक पैराग्राफ 8 के उप पैराग्राफ (3) में निर्दिष्ट प्रक्रिया के आधार पर इसके विपरीत पर्याप्त साक्ष्य और सूचना प्रदान करते हैं। संबद्ध वस्तु के चीन के सहयोगकर्ता निर्यातकों/ उत्पादकों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे बाजार अर्थव्यवस्था दर्जा प्रश्नावली के प्रत्युत्तर में पैराग्राफ 8 के उप पैराग्राफ (3) में यथाउल्लिखित आवश्यक सूचना/ पर्याप्त साक्ष्य प्रदान करे ताकि निर्दिष्ट प्राधिकारी निम्नलिखित प्रक्रिया पर विचार कर सके कि क्या:-
- (क) चीन जन. गण में संबंधित फर्मों का कीमत, लागत और इनपुट, कच्चे माल, प्रौद्योगिकी और श्रम की लागत, आउटपुट, बिक्री और निवेश सहित, के संबंध में निर्णय आपूर्ति और मांग को प्रदर्शित करते हुए बाजार संकेतकों के प्रत्युत्तर में किया जाता हैं। और इस संबंध में देश का कोई भारी हस्तक्षेप नहीं होता है और क्या प्रमुख इनपुटों की लागत पर्याप्त रुप से बाजार मूल्यों को प्रदर्शित करती है।
- (ख) इन फर्मों की उत्पादन लागत और वित्तीय परिस्थिति पूर्ववर्ती गैर बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली में भारी विकृति, खासकर परिसंपत्तियों का मूल्य ह्रास, बट्टे खाते में डाले गये अन्य खर्चों, विनिमय व्यापार और ऋणों की क्षतिपूर्ति करके भुगतान के अध्यधीन होती है।
- (ग) ऐसी फर्मे दिवालियापन और संपत्ति विधियों के अध्यधीन होती हैं जो इन फर्मों के प्रचालने के लिए विधिक निश्चितता और स्थिरता की गारंटी प्रदान करती हैं।
- (घ) विनिमय दर परिवर्तन बाजार दरों पर किया जाता है।
- 16. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन जन. गण के संबद्ध वस्तु के प्रत्युत्तरदाता उत्पादकों/ निर्यातकों ने अपने प्रश्नावली प्रत्युत्तर और प्राधिकारी द्वारा जारी जांच शुरुआत नोटिस के परिणाम स्वरुप बाजार अर्थव्यस्था प्रणाली का प्रत्युत्तर प्रस्तुत कर दिया है और गैर बाजार अर्थव्यवस्था की पूर्व अवधारणा का खंडन करने की मांग की है। प्रत्युत्तरदाता निर्यातकों और उत्पादकों के प्रश्नावली प्रत्युत्तर तथा बाजार अर्थव्यवस्था प्रत्युत्तरों की संबद्ध देश की संबद्ध वस्तु के प्रत्युत्तरदाता उत्पादकों/निर्यातकों के लिए समान मूल्य का निर्धारण करने के लिए जांच कर ली है।

एमईटी दर्जा और पाटन के मुद्दे के संबंध में घरेलू उद्योग के विचार

घरेलू उद्योग के निम्नलिखित विचार हैं:

- (ii) पाटनरोधी नियमावली 1995 के अनुबंध-1 का पैरा 8 (2) यह पूर्वावधारणा करता है कि यदि किसी देश को प्राधिकारी द्वारा स्वयं अथवा इस जांच के पहले की तीन वर्षों की अविध के दौरान डब्लूटीओ के किसी सदस्य देश के सक्षम प्राधिकारी द्वारा पाटनरोधी जांच के प्रयोजनार्थ एनएमई देश के रुप में निर्धारित किया गया है अथवा माना गया है तो उसे एनएमई देश के रुप में माना जाएगा। प्राधिकारी ने स्वयं विगत तीन वर्षों में आयोजित जांच में चीन जन गण को गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रुप में माना है। यह सर्वविदित है कि यूरोपियन यूनियन और यूएसए को शामिल करते हुए डब्लूटीओ के लगभग प्रत्येक सदस्य देश ने चीन जन. गण को बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रुप में नहीं माना है।
- (iiii) पाटनरोधी नियमावली 1995 के अनुबंध-1 के पैराग्राफ 8(2) के परंतुक में यह प्रावधान है कि निर्यातकगण इस अवधारणा का खंडन ऐसी सूचना और साक्ष्य प्रदान करके कर सकते हैं जिनमें चीन जन. गण को गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रुप में मान्यता नहीं दी गई है।
- (iiiiii) पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 पैराग्राफ 8(3) में प्रावधान है कि व्यक्तिगत निर्यातक यह सिद्ध करने के लिए सूचना एवं साक्ष्य प्रदान कर सकते हैं कि बाजार अर्थव्यवस्था की शर्तें उनके लिए प्रचलित हैं। तथापि इस

पैराग्राफ के अंतर्गत सहयोगकर्ता निर्यातकों द्वारा किया गया दाबा विभिन्न कारणों से स्वीकार नहीं किया जा सकता है जिसका उल्लेख आगे के पैराग्राफ में किया गया है।

- (iviv) यह उल्लेख करना संगत है कि वे उत्तर जो अनुचित होते हैं और सूचना के रुप में अपर्याप्त होते हैं, भी प्राधिकारी द्वारा प्रदान कराये गये प्रपत्र की जरुरतों को पूरा नहीं करती है।
- (vv) यद्यपि किसी भी प्रत्युत्तर में किसी सूचना का कोई भाग अगोपनीय रूप में मुश्किल से ही प्रस्तुत किया गया है और अन्यत्र उपलब्ध कराई गई सूचना अपूर्ण है और नमूना प्रपत्र की या तो केवल प्रतिकृति है अथवा वह 'एक संदर्भ पुस्तक' के रुप में कार्य करती है। संगत सूचना के अभाव में इन प्रत्युत्तरों द्वारा घरेलू उद्योग को उद्देश्यपरक टिप्पणी करने के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान नहीं करते।
- (vivi) झेझियांग एमीनों द्वारा दावा किये गये बाजार अर्थव्यवस्था दर्जे के संबंध में यह प्रस्तुत किया जाता है कि उसे अस्वीकार किया जा सकता है और निर्यातक को निम्नलिखित आधार पर बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा नहीं दिया जा सकता है: धारा कंपनी लौंगशेंग ग्रुप कंपनी लिमिटेड के पूर्व अध्यक्ष श्री रुआन शूईलॉग चीन की कम्यूनिस्ट पार्टी के जाने माने सदस्य हैं। यह इस तथ्य के आलोक में है कि धारक कंपनी के वर्तमान अध्यक्ष श्री रुआन विछयांग श्री रुआन शूईलॉग के पुत्र हैं, इससे राज्य और निर्यातक के बीच गहन संबद्ध स्थापित होते हैं।
- (viivii) इसके अतिरिक्त इसकी सहबद्ध कंपनियों में से एक हांगझोऊ लॉगशेंन केमिकल कंपनी लिमिटेड कभी राज्य के स्वामित्व में एक सुविख्यात कंपनी हुआ करती थी और इस कंपनी ने अपने शेयर धारक पैटर्न में अभी हाल ही में परिवर्तन किया है। यही कंपनी निर्यातक को कच्चे माल की आपूर्ति करने वाली कंपनियों में एक प्रमुख कंपनी है। अत: राज्य के हस्तक्षेप से निर्यातक की स्वतंत्रता संदेहपूर्ण है।
- (viiiviii) झेजियांग अमिनो कैप कंपनी लिमिटेड ने अपनी संबद्ध कंपनियों, जो विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन और बिक्री करने में अंतर्ग्रस्त है, के लिए निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर और बाजार अर्थव्यवस्था दर्जा प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर नहीं किया है।
- (ixix) वाणिज्य मंत्रालय (चीन) के तत्वाधान चीन वस्तु जाल कीमत का निर्धारण करने में सहायता करने के लिए उद्योग परिसंघ के रुप में कार्य करता है और संघाई अमिनों कैम कंपनी लिमिटेड (सहबद्ध कंपनी) इस नेटवर्क की एक सदस्य है।
- (xx) उद्देश्यपरक साक्ष्य के अभाव में संबद्ध कंपनियों के कच्चे माल की आपूर्तिकर्ताओं द्वारा उचित बाजार कीमत पर व्यवसाय के सामान्य अनुक्रम में आपूर्ति करना स्वीकार नहीं किया जा सकता है। यह मना नहीं किया जा सकता है कि इन अधिप्रापणों में कुछ मध्यवर्तियों जैसे एमडीएनबी की मध्यस्थता अवश्यक रहेगी।
- (xixi) हांगझोऊ बे सांगयू इंडस्ट्रियल पार्क में निवेश नीति को देखते हुए जिसमें निवेश और निर्यात बिक्रियों (इसके साथ संलग्न साक्ष्य द्वारा समर्थित) के लिए विभिन्न प्रोत्साहन और रियायतें दी जाती हैं, में यह प्रावधान किया जाता है कि निर्यातकों को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा नहीं दिया जा सकता है। यही बात 17 प्रतिशत की निर्यात कर छूट पर भी लागू होती है जिसमें तथ्यों का समर्थन निर्यातक द्वारा इसके प्रत्युत्तर से किया गया है।
- (xiixii) इसके अतिरिक्त संघाई अमिनो कैम कंपनी लिमिटेड ने एक व्यापारी होने का दावा किया है परंतु साक्ष्यों से इसके विपरीत तथ्यों पर प्रकाश पड़ता है कि यद्यपि अमीनों कैम की क्षमता एमपीडीए के लिए 25000 मी. टन प्रति वर्ष है जबिक निर्यातक की अपनी निजी क्षमता 55000 मी. टन प्रति वर्ष है।
- (xiiixiii) झियांगशू तियानजीआई और चैंगशांग हैंचैंग द्वारा दावा किये गये एमईटी के दर्जे के संबंध में यह प्रस्तुत किया जाता है कि उसे अस्वीकार किया जा सकता है तथा निर्यात-उत्पादक संयोजन को बाजार अर्थव्यस्था का दर्जा नहीं दिया जा सकता है। शेयर धारक बोर्ड के सदस्यों और निदेशकों कच्चे माल की आपूर्तिकर्ताओं के संबंध में संगत सूचना के अभाव में तथा अन्य व्यवसाय सूचना के अभाव में उत्पादक एवं निर्यातक दोनों की स्वतंत्रता बहुत अधिक संदेहजनक है। इसके अतिरिक्त मैसर्स जियांगइन निजीयोंगजियांग केमिकल कंपनी लिमिटेड द्वारा उत्पादक द्वारा कच्चे माल का अभिप्रापण करने में अदा की गई भूमिका इस तरह का दर्जा प्रदान किये जाने के अपात्र बना देती है।

(xivxiv) बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा का दावा करने के लिए एक शर्त यह है कि क्या चीन के निर्यातक यह सिद्ध करने में सक्षम है कि उनकी बहियां अंतर्राष्ट्रीय लेखाकरण मानकों (आईएएस) के अनुरुप हैं। परंतु रिकार्ड में ऐसा कुछ भी प्रदान नहीं कराया गया है कि यह बहियां अंतर्राष्ट्रीय लेखाकरण मानकों के अनुरुप हैं।

(xvxv) ऐसे निर्धारण के मामलों की विशिष्ट प्रकृति तथा निर्यातक द्वारा उदधृत मामलों की संख्या पर विचार करते हुए निर्यातक को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा देने के लिए निर्यातक द्वारा उदधृत मामलों पर भरोसा नहीं किया जा सकता है।

(xvixvi) साक्षय के अभाव में, निर्यातक/उत्पादक ने बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्राप्त करने के लिए कोई स्पष्ट मामला प्रस्तुत नहीं किया है जबिक यह सिद्ध करने का उत्तरदायित्व कि चीन की कंपनियां बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा दिये जाने के लिए पात्र है घरेलू उद्योग अथवा निर्दिष्ट प्राधिकारी का ना होकर निर्यातकों/उत्पादकों की ही है। (xviixvii) प्रश्नावली प्रत्युत्तर के स्पष्ट मुद्दों को ध्यान में रखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी को प्रत्युत्तरदाता चीन के निर्यातकों और उत्पादकों के लिए व्यक्तिगत पाटन मार्जिन अस्वीकार कर देना चाहिए।

घ.1.2 एमईटी की मांग करने वाले प्रत्युत्तरदाता उत्पादकों/निर्यातकों के विचार

17. यह पुन: स्पष्ट किया जा सकता है कि बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा दिये जाने के संबंध में झेजियांग अमीनों कैम कंपनी लिमिटेड, चैंगशान हैचौंग केमिकल कंपनी लिमिटेड और जियांगशू टियांनजीआई केमिकल कंपनी लिमिटेड द्वारा किया गया है। संबद्ध वस्तु के इन सभी उत्पादकों और निर्यातकों ने एमईटी दर्जे की मांग की थी। प्रारंभिक जांच परिणाम में प्राधिकारी ने इनमें से किसी को भी बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा नहीं प्रदान किया क्योंकि प्रारंभिक जांच परिणाम में स्थल पर सत्यापन के दौरान रिकार्डों का सत्यापन लंबित रहा और पुन: यह नोट किया गया कि प्राधिकारी द्वारा इस संबंध में अंतिम मत चीन जन. गण के सभी प्रत्युत्तरदाता उत्पादकों और निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत सूचना का सत्यापन करने के बाद व्यक्त किया जाएगा। इन परिस्थितियों में प्राधिकारी ने इस जांच में प्रत्युत्तरदाता उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण करने हेतु नियमों के अनुबंध-1के पैरा-7 के उपबंधों के अनुसार प्रारंभिक जांच परिणाम की प्रक्रिया प्रारंभ की।

जियांगशू टियानजियाई केमिकल कंपनी लिमिटेड

18. जियांगशू टियानजियाई ने दावा किया है कि उसका *** प्रतिशत स्वामित्व जियांगशू टियानजियाई इनवेस्टमेंट कंपनी लिमिटेड और *** प्रतिशत स्वामित्व जियांगशू निजियांगजियांग ग्रुप कंपनी लिमिटेड का है। अपने प्रस्तुतिकरण में यह दावा किया है कि यह कंपनी पूर्णतया चीन की लिमिटेड उत्तरदायी कंपनी है और दोनों शेयर धारक चीन की नागरिकता प्राप्त हैं। हाइचेंग केमिकल द्वारा यह प्रस्तुत किया गया वह केवल पण्य वस्तु का उत्पादक है और उसने भारत को संबद्ध वस्तु का निर्यात कभी नहीं किया है। यह भी प्रस्तुत किया गया है कि संबद्ध वस्तु का उत्पादन, बिक्री और वितरण का कार्य देखने वाले कोई अन्य सहयोगी कंपनी भी नहीं है। यह प्रस्तुत किया गया है कि जियांगशू निजियांगजियांग ग्रुप कंपनी लिमिटेड उत्पादक की मूल कंपनी के रुप में कार्य करती है।

19. मैसर्स जियांगशू टियांगजियाई केमिकल कंपनी लिमिटेड के परिसर का सत्यापन करने के दौरान सत्यापन दल ने कंपनी से अनुरोध किया कि वे उनको एमईटी का दर्जा प्रदान किये जाने के अपने दावे का सत्यापन करने के लिए विभिन्न दस्तावेजों की मूल प्रतियां उपलब्ध कराये। इन संबंध में उत्पादक ने सत्यापन टीम को यह उल्लेख करते हुए एक पत्र प्रस्तुत किया कि समय और संसाधनों के अभाव के कारण वे उनको बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान करने के दावे के प्रमाण के रुप में मांगी गई अपेक्षित सूचना प्रदान कराने में अक्षम है। तदनुसार उन्होंने बाजार अर्थव्यवस्था की शर्तों के अंतर्गत प्रचालन करने के लिए उनके दावे को खो दिया।

चैंगशांग हाईचैंग केमिकल कंपनी लिमिटेड

20. मैसर्स हाईचैंग केमिकल ने दावा किया है कि उनका *** प्रतिशत स्वामित्व श्री जू गुईयांग का और *** प्रतिशत स्वामित्व श्री चेन जुन का है। अपने प्रस्तुतिकरण में कंपनी ने दावा किया है कि यह पूर्णतया चीन के लिमिटेड उत्तरदायित्व वाली कंपनी है। हाईचैंग केमिकल द्वारा यह दावा किया गया है कि यह कंपनी पण्य वस्तु की केवल एक निर्यातक कंपनी है और उसका उत्पादन में कोई रोल नहीं है। यह भी दावा किया गया है कि संबद्ध वस्तु का उत्पादन, बिक्री अथवा वितरण का कार्य देखने वाली कोई अन्य सहबद्ध कंपनी नहीं है। उत्तर से यह नोट किया जाता है कि मैसर्स हाईचैंग ने संबंधित उत्पाद की घरेलू बाजार में खरीद दो आपूर्तिकर्ताओं से की और तब उसका विश्व बाजार में निर्यात किया जिसमें भारत भी शामिल है। एक है संघाई अमीनों केमिकल कंपनी लिमिटेड जो मैसर्स झिझियांग अमीनों केमिकल कंपनी लिमिटेड से संबंधित एक व्यापारिक कंपनी है। मैसर्स संघाई अमीनों केम

कंपनी लिमिटेड ने यह दावा करते हुए एक प्रत्युत्तर दायर किया है कि उन्होंने संबद्ध वस्तु की बिक्री केवल घरेलू बाजार में की है उन्होंने संबद्ध वस्तु का भारत को निर्यात नहीं किया है। यह प्रत्युत्तर उत्पादक के रुप में मैसर्स टियांनजियाई द्वारा और निर्यातक के रुप में मैसर्स हाईचैंग द्वारा दायर किया गया है। मैसर्स चैंगशांन हाईचैंग केमिकल कंपनी लिमिटेड के परिसर का सत्यापन करते समय सत्यापन दल ने कंपनी से एमईटी के अपने दावे का सत्यापन करने के लिए विभिन्न दस्तावेज मूल रुप में उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। तथापि, स्थल पर सत्यापन प्रक्रिया के दौरान कंपनियों ने मांगे गये दस्तावेज प्रस्तुत करने में अपनी अक्षमता व्यक्त की और इसलिए उन्होंने एमईटी के अपने दावे को वापस लेने की इच्छा जताई। तदनुसार, उन्होंने उनको बाजार अर्थव्यवस्था की शर्त के अंतरगत प्रचालन करते हुए के रुप में माने जाने का अपना दावा खो दिया।

झेजियांग अमीनों केमिकल कंपनी लिमिटेड

21. मैसर्स झेजियांग अमीनों ने दावा किया है कि उनका *** प्रतिशत स्वामित्व झेजियांग लांगशेंग ग्रुप कंपनी लिमिटेड का और *** प्रतिशत स्वामित्व मेट्रोजेम होल्डिंग्स लिमिटेड का है। अपने प्रस्तुतिकरण में कंपनी दावा करती है कि यह झेजियांग लांगशेंग ग्रुप कंपनी लिमिटेड का एक विदेशी (सहकारी अथवा इक्विटी) संयुक्त उद्यम है जो संघाई स्टॉक एक्जेंज ने सार्वजनिक सूचीबद्ध कंपनी है और मेट्रोजैन होल्डिंग्स लिमिटेड हांगकांग में पंजीकृत एक निवेश कंपनी है। यह भी प्रस्तुत किया गया है कि मैसर्स संघाई अमीनों कैम कंपनी लिमिटेड (संबद्ध कंपनी) एक व्यपारिक कंपनी है और इसने जांच की अवधि के दौरान भारत को संबद्ध वस्त् का निर्यात नहीं किया है। यह दावा किया गया है कि झेजियांग हांगशेंग केमिकल कंपनी लिमिटेड एक संबद्ध कंपनी है जो एमपीडीए का उत्पादन भी करती है और संघाई अमीनों कैम कंपनी लिमिटेड एक संबद्ध कंपनी है जो संबद्ध वस्तु का व्यापार भी करती है। निर्यातक द्वारा यह भी प्रस्तुत किया गया है कि एक अन्य संबद्ध कंपनी हैंगझोऊ लांगशाइन केमिकल कंपनी लिमिटेड झेजियांग अमीनों के लिए कच्चे माल की आपूर्ति भी करती है। सत्यापन के दौरान मैसर्स झेझियांग अमीनों कैप कंपनी लिमिटेड के परिसर का सत्यापन करते समय सत्यापन दल ने कंपनी से अनुरोध किया कि वह एमईटी का दर्जा प्रदान किये जाने के अपने दावे का सत्यापन करने के लिए विभिन्न दस्तावेजों की प्रतियां मुल रुप में उपलब्ध कराये। इस संबंध में निर्यातक ने सत्यापन दल को यह उल्लेख करते हए एक पत्र प्रस्तुत किया कि समय और संसाधनों की कमी के कारण उत्पादक बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे के अपने दावे को प्रमाणित करने के लिए मांगी गई अपेक्षित सूचना प्रदान कराने में सक्षम नहीं हुआ। तदनुसार, उन्होंने उनको बाजार अर्थव्यवस्था की शर्त के अंतरगत प्रचालन करते हुए के रूप में माने जाने का अपना दावा खो दिया।

घ.1.4 प्राधिकारी द्वारा सामान्य मुल का निर्धारण और जांच

घ.1.4.1 चीन जन.गण के उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण

22. इस संबंध में नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 में निम्नलिखित प्रावधान है:

'गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयातों के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण बाजार अर्थव्यवस्था तृतीय देश में उसकी कीमत अथवा निर्मित मूल्य अथवा ऐसे तृतीय देश से किसी अन्य देश को जिसमें भारत भी शामिल है, कीमत के आधार पर अथवा जहां यह संभव न हो, अथवा किसी अन्य तर्क संगत आधार पर, जिसमें समान उत्पाद के लिए भारत में वास्तव में संदत्त अथवा देय कीमत शामिल है, यदि जरुरी हुआ तो उसका विधिवत समायोजन करके तर्क संगत लाभ मार्जिन को शामिल करके किया जाता है। निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा संबंधित देश के विकास के स्तर और प्रश्नाधीन उत्पाद को ध्यान में रखते हुए तर्कसंगत ढंग से एक समुचित अर्थव्यवस्था तृतीय देश का चयन करेंगे और ऐसे चयन के समय उपलब्ध कराई गई ऐसे भरोसेमंद सूचना का ध्यान भी रखेंगे। किसी अन्य बाजार अर्थव्यवस्था तृतीय देश के बारे में किसी समान मामले में की गई जांच में, जहां उपयुक्त हुआ, लिये गये निश्चित समय सीमा को भी ध्यान में रखा जाएगा। जांच के पक्षकारों को बाजार अर्थव्यवस्था तृतीय देश का चयन करने के संबंध में बिना किसी अतर्कसंगत ढंग से अविलम्ब सूचित करेंगे और उन्हें उसपर अपने टिप्पणियां प्रस्तुत करने के लिए तर्क संगत समय अविध प्रदान करेंगे।"

23. प्राधिकारी नोट करते है कि विगत तीन वर्षों में डब्लूटीओ सदस्यों द्वारा पाटनरोधी जांच में चीन जन.गण को गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रुप में माना गया है। इसलिए पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8 (2) में उल्लिखित शर्तों के अनुसार चीन जन.गण को गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रुप में माना गया है जबतक कि उपयुक्त अवधारणा का खंडन निर्यातक देश द्वारा अथवा वर्तमान निर्धारण के प्रयोजनार्थ उपर्युक्त नियम में उल्लिखित शर्तों के अनुसार व्यक्तिगत निर्यातकों द्वारा इसका खंडन नहीं कर दिया जाता है।

- 24. यथासंशोधित पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8 के अनुसार गैर बाजार अर्थव्यवस्था की अवधारणा का खंडन किया जा सकता है कि यदि चीन जन.गण के निर्यातक पैराग्राफ 8 के उपपैराग्राफ (3) में विहित प्रक्रिया के आधार पर पर्याप्त सूचना और साक्ष्य प्रदान करते है तथा अपने देश को बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रुप में सिद्ध करते है।
- 25. चीन जन.गण के संबद्ध वस्तु के सहयोगकर्ता उत्पादकों/ निर्यातकों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे बाजार अर्थव्यवस्था दर्जा प्रश्नावली के प्रत्युत्तर में पैराग्राफ 8 के उपपैराग्राफ (3) में यथाउल्लिखित आवश्यक सूचना/ पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करेंगे जिससे कि निर्दिष्ट प्राधिकारी उनमें परिगणित प्रक्रिया पर विचार कर सकें।
- 26. चीन जन गण के प्रत्युत्तरदाता उत्पादकों और निर्यातकों द्वारा एमईटी के दावे को वापस लिये जाने को ध्यान में रखते हुए यह निश्चय किया गया है कि उनके एमईटी के दावे पर और अधिक विचार नहीं किया जाएगा।

घ.1.4.4 <u>चीन जन.गण के सभी उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण</u> <u>घ.1.4.4.1 सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के संबंध में घरेलू उद्योग को छोड़कर अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किये गये प्रस्तुतिकरण</u>

- 27. इस संबंध में अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने निम्नलिखित प्रस्तुतिकरण किये है:-
- (ii) ग्रेडों में भिन्नता के कारण सामान्य मूल्य, पाटन मार्जिन और गैर क्षतिकारी कीमत में भिन्नता है।
- (iiii) सफेद पिघले हुए/ फ्लेग एमपीटीए का समावेशन करने के मामले में प्राधिकारी से अनुरोध किया जाता है कि वह इस तथ्य पर ध्यान देते हुए कि किसी अन्य स्रोत से कोई अन्य भरोसेमंद सूचना प्राप्त ना होने, कीमतों और ग्रे ग्रेड की लागत में भारी अंतर होने और घरेलू उद्योग द्वारा सफेद ग्रेड का उत्पादन अथवा बिक्री न किये जाने की स्थिति में निर्यातक द्वारा प्रदान कराई गयी कच्चे माल की खपत संबंधित सूचना के आधार पर सामान्य मूल्य परिकलन करे चाहिए।
- (iiiiii) इसके अतिरिक्त घरेलू खपत और परिवर्तन लागत पर भरोसा करने से सफेद ग्रेड के मामले में अविश्वसनीय परिकल्पना सृजित होगी और ग्रे गेड के लिए सामान्य मूल्य पर विचार करते समय इसमें घरेलू उद्योग की अक्षमता स्पष्ट होगी। यह स्थिति बेन्जीन की कीमतों के संबंध में अप्रकटित स्रोतों से ली गई सूचना से और अधिक जटिल हो जाएगी।
- (iviv) घरेलू उद्योग बेन्जीन की कीमतें अंतर्राष्ट्रीय कीमतों की प्रतिनिधि कीमतें नहीं है क्योंकि घरेलू उद्योग ने मौखिक सुनवाई के समय स्वयं यह स्वीकार किया था कि वर्ष 2008-09 के दौरान हुआ घाटा बेन्जीन के स्टॉक से संबंधित था।

घ.1.4.4.2 **घरेलू उद्योग द्वारा किये गये प्रस्तुतिकरण**

- 28. इस संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित प्रस्तुतिकरण किये गये है:
- (ii) झेझियांग अमीनों केम कंपनी लिमिटेड ने अपनी उन संबद्ध कंपनियों के लिए निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर और बाजार अर्थव्यवस्था दर्जा प्रत्युत्तर फाइल नहीं किया है क्योंकि वे विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन और बिक्री करने में संलिप्त है।

- (iiii) निर्यातकों ने स्वीकार किया है कि कच्चे माल तथा अन्य उपयोगी वस्तु का अधिप्रापण संबद्ध कंपनियों से किया गया है। ऐसा मामला होते हुए यह स्थापित करने की जरूरत है कि इनपुट की कीमतें पर्याप्त रूप से बाजार मूल्य को व्यक्त करती है। इस संबंध में कोई भी साक्ष्य प्रदान नहीं कराया गया है।
- (iiiiii) यद्यपि यह हो सकता है कि निर्यातक प्रत्यक्षत: राज्य स्वामित्व के अंतरर्गत न हो परंतु इसका आशय यह नहीं है कि कंपनी में राज्य का कोई विशेष हस्तक्षेप नहीं होता है।
- (iviv) आवेदक ने अनुरोध किया है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी घरेलू उद्योग की बेन्जीन की कीमतों को बेन्जीन की अंतर्राष्ट्रीय कीमतों की प्रतिनिधिक कीमत के रूप में माने।
- (vv) अन्य पक्षकारों के इस तर्क के संबंध में कि घरेलू उद्योग की परिवर्तन लागत उच्च है क्योंकि इसका क्षमता उपयोग न्यून है और इसे सामान्य मूल्य का निर्माण करने के लिए नहीं अपनाया जाना चाहिए, आवेदक ने दावा किया है कि वे एक ही स्थान पर भारी संख्या में उत्पादों का उत्पादन कर रहे है। इन सभी उत्पादों द्वारा निर्धारित लागत की भागीदारी की जा रही है और वे उत्पाद की गतिविधियों के स्तर के अनुपात में है। अत:, विचाराधीन उत्पाद के संबंध में इसकी निर्धारित लागत न्यून क्षमता उपयोग के कारण बहुत अधिक नहीं है।
- (vivi) निर्यातकों द्वारा रिपोर्ट किये गये खपत मानदंडों पर विचार नहीं किया जा सकता है क्योंकि, यद्यपि भारतीय लेखांकरण मानको में वित्तीय लेखाओं की परिमाणात्मक सूचना प्रस्तुत करने का प्रावधान है फिर भी चीन के मानको में ऐसी किसी रिपोटिंग का प्रावधान नहीं है। अत: इससे यह स्रोत अविश्वसनीय हो जाता है। इसके अतिरिक्त चूंकि घरेलू उद्योग विविध उत्पादों का उत्पादन कर रहा है। इसकी निर्धारित लागत बहुत अधिक नहीं है।
- (viivii) विभिन्न ग्रेडों की लागत और कीमतों में भिन्नता स्वीकार करने का इस संबंध में साक्ष्य के अभाव में कोई आधार नहीं है।

घ.1.4.4.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

- 29. इन परिस्थितियों में प्राधिकारी उपर्युक्त चीन की कंपनियों के संबंध में नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8 को लागू करने की स्थिति में नही है और प्राधिकारी को नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के अनुसार आगे बढ़ना पड़ा। इन नियमों के अनुसार चीन में सामान्य मूल्य का निर्धारण निम्नलिखित में से किसी एक आधार पर किया जा सकता है:
- (क) बाजार अर्थव्यवस्था तृतीय देश में कीमत के आधार पर, अथवा
- (ख) बाजार अर्थव्यवस्था तृतीय देश में विनिर्मित मूल्य के आधार पर, अथवा
- (ग) ऐसे तृतीय देश से अन्य देशों को, जिसमें भारत भी शामिल है, कीमत, और
- (घ) यदि ऊपर बताये गये विकल्पों के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण नहीं किया जा सकता है तो निर्दिष्ट प्राधिकारी किसी अन्य तर्क संगत आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण कर सकते है जिसमें सामान्य उत्पाद के लिए भारत में वास्तविक रूप से संदत्त अथवा देय कीमत, तर्क संगत लाभ मार्जिन सहित, शामिल है।
- 30. प्राधिकारी यह नोट करते है कि तृतीय देश की लागत और कीमत के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण के लिए घरेलू बिक्रियों अथवा तृतीय देश की निर्यात बिक्रियों तथा तृतीय देश में ऐसे उत्पादकों की उत्पादन लागत और उनके सहयोग संबंधी संपूर्ण एवं विस्तृत आंकड़े अपेक्षित होते है। किसी भी आवेदक अथवा प्रत्युत्तरदाता निर्यातक द्वारा इन बाजारों में प्रचलित कीमत और लागत के संबंध में कोई भी सूचना प्रदान नहीं कराई गई है और नहीं प्रचार के रूप में उपलब्ध किसी सूचना का सहारा लिया जा सकता है तथा नहीं चीन के कंपनियों ने किसी समुचित बाजार अर्थव्यवस्था तृतीय देश के संबंध में कोई दावा किया है। इसलिए सामान्य मूल्य का निर्धारण ''किसी अन्य तर्क संगत आधार पर'' किया गया है। तदनुसार सामान्य मूल्य का निर्माण प्रमुख इनपुटों की अंतर्राष्ट्रीय कीमतों तथा घरेलू उद्योग की परिवर्तन लागत, प्राधिकारी द्वारा यथा सत्यापित और तर्कसंगत लाभ मार्जिन शामिल करके किया गया है।

घ.2.1 घरेलू उद्योग द्वारा किये गये प्रस्तुतिकरण-

- 31. घरेलू उद्योग ने इस संबंध में निम्नलिखित प्रस्तुतिकरण किये है:-
 - (ii) प्रत्युत्तरदाता निर्यातकों द्वारा दावा की गई निर्यात कीमत भारतीय सीमाशुल्क द्वारा रिपोर्ट की गई कीमत से मेल नहीं खाती है। प्रत्युत्तरदाता निर्यातकों के परिसर पर आंकड़े का सत्यापन किये जाने के बावजूद निम्नलिखित कारणों से वास्तविक तथ्य परक स्थिति प्राप्त नहीं हो पाई है-
 - क. वैट वीजक में हो सकता है कि निर्यातों का केवल एफओबी मूल्य हो जबिक निर्यातकों द्वारा निर्यात सीआईएफ आधार पर किया जाता है।
 - ख. ऐसी संभावना है कि भारतीय सीमा शुल्क को प्रस्तुत किये गये वाणिज्यिक वीजक और चीन के सीमा शुल्क के प्रस्तुत किये गये वैट वीजक को न मिलाया गया हो।
 - ग. प्रति प्रत्युत्तरदाता निर्यातक और समनुरुपी आयातक के लेन-देनों की सीमित संख्या को ध्यान में रखते हुए यह पर्याप्त होगा कि निर्यातकों द्वारा किये गये दावों की समानता डीजीसीआईएस द्वारा संग्रहित और समेकित किये गये आंकड़ों से की जाए।
 - (iiii) इस समय निर्दिष्ट प्राधिकारी के समक्ष दावा की गई कीमतों तथा सीमा शुल्क प्राधिकारी को रिपोर्ट की गई कीमतों में भारी अंतर होने पर आवेदन ने सूचित किया है कि निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए केवल सीमा शुल्क को रिपोर्ट की गई कीमतों पर ही भरोसा किया जा सकता है।

मैसर्स जियांगशू टियांनजीआई केमिकल कंपनी लिमिटेड, चीन जन.गण (उत्पादक), चैंगशैंन हाईचैंग केमिकल कंपनी लिमिटेड (निर्यातक) के जरिए निर्यातित के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण

- 32. प्राधिकारी नोट करते है कि मैसर्स जियांगशू टियांनजीआई केमिकल कंपनी लिमिटेड, चीन जन गण ने संबद्ध वस्तु का निर्यात मैसर्स चैंगशैंन हाईचैंग केमिकल कंपनी लिमिटेड के जिरए किया है जिसने चीन की एक असंबद्ध व्यापारी होने का दावा किया है। प्रत्युत्तर से यह भी नोट किया जाता है कि मैसर्स चैंगशैंन हाईचैंग ने संबद्ध वस्तु को एक अन्य असंबद्ध व्यापारी मैसर्स अमीनों संघाई से प्राप्त किया है। वर्तमान प्रत्युत्तर मैसर्स टियानजियाई (उत्पादक) और और हाईचैंग (निर्यातक) द्वारा दायर किया गया है। मैसर्स जियांगशू टियांनजीआई केमिकल कंपनी लिमिटेड, चीन जन गण (उत्पादक) और मैसर्स चैंगशैंन हाईचैंग केमिकल कंपनी लिमिटेड (निर्यातक) का सत्यापन प्राधिकारी द्वारा किया गया है। प्राधिकारी नोट करते है कि कंपनी ने जांच की अवधि के दौरान भारत को *** मी.टन (*** अमेरिकी डालर) एमपीडीए का निर्यात करने की सूचना दी है। पुनः यह नोट किया गया कि इन *** लेनदेनों में से *** टियानजेई से प्राप्त वस्तु से संबंधित थी और शेष वस्तु अमीनों संघाई से प्राप्त की गई थी। मैसर्स अमीनों संघाई से प्राप्त *** मी.टन संबद्ध वस्तु का निर्यात सिंगापुर स्थित *** (व्यापारी) के जिरए किया गया था। तथापि मैसर्स *** द्वारा कोई प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर नहीं किया गया है।
- 33. यह नोट किया जाता है कि मैसर्स चैंगशैंन हाईचैंग ने अपने प्रत्युत्तर में भारत को निर्यात से संबंधित लेनदेनवार जानकारी विहित स्वरुप और ढंग से प्रदान करायी है। प्राधिकारी नोट करते है कि भारत को निर्यात विक्रियां सीआईएफ आधार पर की गई है। निर्यातक द्वारा विदेशी भाड़े, समुद्रपारीय बीमा, कमीशन, प्रहस्तन, बैंक प्रभार, अंतर्राष्ट्रीय भाड़ा और क्रेडिट लागत के बारे में समायोजन का दावा किया गया है। प्राधिकारी पुन: नोट करते है कि यद्यपि मैसर्स चैगशैंन हाईचैंग द्वारा संबद्ध वस्तु का अधिप्रापण उत्पादक से फैक्टरी बाह्रय स्तर पर किया गया है तथापि व्यापारी चैंगशैंन हाईचैंग द्वारा उससे जुड़े कुछ व्यय किये गये हैं। मैसर्स हाईचैंग के वित्तीय लेखाओं का विश्लेषण करने से यह संकेत मिलता है कि कंपनी को वित्तीय घाटा हुआ है। इसलिए, प्राधिकारी ने फैक्टरी बाह्रय निर्यात कीमत का निर्धारण करने में व्यापारी के लिए लाभ मार्जिन के कारण समुचित समायोजन पर विचार किया है। इसके अतिरिक्त मैसर्स संघाई अमीनों कैम कंपनी लिमिटेड द्वारा विस्तृत प्रत्युत्तर न मिलने और इस बात पर विचार करते हुए कि कंपनी ने जांच की अविध के दौरान भारत को संबद्ध वस्तु का निर्यात नहीं किया है इसलिए प्राधिकारी द्वारा मैसर्स संघाई अमीनों कैप कंपनी लिमिटेड के बारे में पृथक निर्यात कीमत का निर्धारण नहीं किया गया है। अत: जियांगशू टियांनजीआई केमिकल कंपनी लिमिटेड द्वारा उत्पादित और चैंगशैंन हाईचैंग केमिकल कंपनी लिमिटेड, चीन जन.गण द्वारा निर्यातित वस्तु के लिए निवल बिक्री कीमत अर्थात फैक्टरी बाह्रय स्तर पर निर्यात कीमत का निर्धरण किया गया है और उसका विवरण पाटन मार्जिन दर्शाते हुए तालिका में किया गया है।

[भाग I-खण्ड 1] भारत का राजपत्र : असाधारण 15

घ.2.3 मैसर्स झेझियांग अमीनों की निर्यात कीमत का निर्धारण

34.प्राधिकारी ने कंपनी प्रस्तुत किये गये आंकड़ों का सत्यापन किया है। यह नोट किया जाता है कि मैसर्स झेझियांग अमीनों ने जांच की अविध के दौरान भारत को *** मी.टन एमपीडीए का निर्यात करने की सूचना दी है। भारतीय ग्राहकों को इसकी बिक्री सीआईएफ शर्तो पर की गई है। निर्यातक ने फैक्टरी बाह्रय निर्यात कीमत पर पहुंचने के लिए घरेलू भाड़ा समुद्री भाड़ा, प्रहस्तन प्रभार, भारत में सामुद्रिक बीमा और क्रेडिट व्यय का समायोजन करने का दावा किया है। तथापि वैट का कोई समायोजन नहीं किया गया है। आंकड़ों के सत्यापन के आधार पर प्राधिकारी यह नोट करते है कि निर्यात बिक्रियों के संबंध में 17 प्रतिशत की दर से देय वेट की पूरी राशि वापस कर दी गई है। प्राधिकारी ने उपर्युक्त निर्यातक के बारे में निर्यात कीमत का निर्धारण पाटन मार्जिन को दर्शाने वाली की तालिका में किया है।

घ.2.4 चीन जन.गण के असहयोगकर्ता उत्पादकों और निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण

35. विचाराधीन उत्पाद के अन्य उत्पादकों और निर्यातकों के बारे में निर्यात कीमत का निर्धारण उपलब्ध तथ्यों के आधार पर किया गया है। इस उद्देश्य के लिए प्राधिकारी ने प्रत्युत्तरदाता निर्यातकों द्वारा दायर किये गये प्रश्नावली प्रत्युत्तर और भारत में विचाराधीन उत्पाद के आयातों से संबंधित भारतीय सीमा शुल्क आंकड़ों पर विचार किया है। उपलब्ध तथ्यों के आधार पर कीमत समायोजन की अनुमित दी गई है। भारत को निर्यात बिक्रियों (सभी समायोजनों का निवल) पर विचार फैक्ट्री बाह्रय निर्यात कीमत के रुप में किया गया है जिसकी तुलना पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के लिए विचाराधीन उत्पाद के सामान्य मूल्य से की गई है। आंकड़ों का विश्लेषण करने के पश्चात पाटन मार्जिन का संगणन तालिका में दर्शाये गये अनुसार किया गया है।

36. आंकड़ों का विश्लेषण करने के पश्चात पाटन मार्जिन का संगणन तालिका में दर्शाये गये अनुसार किया गया है:-

| | 144 4/24 4/12 4/4/1 | | 1 1 1 (1111/11/11/11/11/11/11/11/11/11/11/11/1 | <u> </u> | 1 |
|---------------------------|---------------------|------------|--|----------|---|
| | | | | पाटन | पाटन मार्जिन |
| उत्पादक | निर्यातक | निवल मूल्य | निर्यात कीमत | मार्जिन | % रेंज |
| जियांगशु टियानजियाई | छेंगशेंन हाईचैंग | • | | | |
| केमिकल कंपनी लिमिटेड | कैमिकल कंपनी | | | | |
| | लिमिटेड | | | | |
| | | *** | *** | *** | 30-40 |
| झेजियांग अमीनों कैम कंपनी | झेजियांग अमीनों | | | | |
| लिमिटेड | कैम कंपनी लिमिटेड | | | | |
| | | | | | |
| | | *** | *** | *** | 20-30 |
| | चीन जन.गण का | | | | |
| | कोई अन्य उत्पादक/ | | | | |
| चीन जन गण का कोई अन्य | निर्यातक | | | | |
| उत्पादक/ निर्यातक | | *** | *** | *** | 35-45 |

ड. क्षति

ड.1. घरेलू उद्योग द्वारा किया गया प्रस्तुतिकरण

- 37. इस संबंध में घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित प्रस्तुतिकरण किये हैं:-
- (क) संबद्ध देशों से आयात संपूर्ण रुप से और भारत में खपत एवं उत्पादन के संबंध में महत्वपूर्ण बने रहे हैं।

- (ख) संबद्ध देशों से आयात घरेलू उद्योग की कीमत का काफी हद तक अधोरदन कर रहे हैं। घरेलू उद्योग द्वारा पहले से ही प्रस्तुत न्यून कीमतों के बावजूद आयात कीमत घरेलू उद्योग का कीमत अधोरदन कर रही हैं।
- (ग) यद्यपि उत्पादन लागत में बढ़ोतरी हो रही है परंतु बिक्री कीमत कम हुई है। इसके अतिरिक्त, उत्पादन लागत में (विगत वर्षों में) गिरावट आने के बावजूद कीमत में गिरावट उत्पादन लागत में गिरावट की तुलना से बहुत अधिक थी। समग्र रुप से आयात घरेलू कीमतों का निग्रहण एवं अवमंदन कर रहे है।
- (घ) घरेलू उद्योग के उत्पादन, बिक्री और क्षमता उपयोग में 2010-11 तक सुधार हुआ फिर जांच की अवधि के दौरान इसमें गिरावट आ गयी। घरेल उद्योग के बाजार हिस्से में कमी आयी है।
- (इ.) मांग में कमी- डीजीसीआईएंडएस आंकड़ों में रिपोर्ट की जा रही आयात की मात्रा का बहुत अधिक कम करके उल्लेख किया जा रहा है क्योंकि विचाराधीन उत्पाद के भारी आयातों का उल्लेख अन्य वर्गीकरण 29215190 में भी किया जा रहा है। पहले आकलित मांग में गिरावट और प्रारंभिक जांच परिणामों में इसको कम बताया गया है क्योंकि विचाराधीन उत्पाद के भारी आयातों को अन्य वर्गीकरणों के अंतर्गत रिपोर्ट किया गया है।
- (च) एक ऐसी स्थिति में आयात की मात्रा में समग्र रुप से वृद्धि जहां उत्पाद की मांग में अधिकतम गिरावट आयी है इससे यह स्पष्ट होता है कि पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग के क्षेत्र में बढ़ोतरी हुई।
- (छ) घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आयी है और जांच की अवधि के दौरान पाटित आयातों में बढ़ोतरी हुई है। यह स्पष्टतत: पाटन के कारण हुआ है। इसके अतिरिक्त, घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट इस तथ्य के बावजूद आई कि आवेदक की भारी क्षमताओं का उपयोग नहीं हो पाया।
- (ज) घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा में गिरावट इसके उत्पादन में आयी गिरावट से कहीं ज्यादा है, जो यदि बनी रहती तो उसका घरेलू उद्योग के उत्पादन और क्षमता उपयोग पर विपरीत प्रभाव पड़ता इसके कारण घरेलू उद्योग को या तो अपने उत्पादन में कमी करनी पड़ी अथवा उसे अपनी बिक्री कीमत घटानी पड़ी।
- (झ) घरेलू उद्योग की लाभप्रदायकता में भारी गिरावट आयी है जिसके कारण उसे घाटा सहन करना पड़ा। घरेलू उद्योग को यह घाटा कच्चे माल की कीमतों में भारी वृद्धि और कम कीमत वाले आयातों की मौजूदगी में घरेलू उद्योग द्वारा अपनी कीमतों में बढ़ोतरी के कारण हुआ है। कर और ब्याज पूर्व लाभ, नकद लाभ और लगाई गई पूंजी पर आवक में गिरावट की प्रवृति प्रदर्शित होती है।
- (ञ) जहां तक लगाई गई पूंजी पर अर्जन का संबंध है प्राधिकारी द्वारा किया जाना वाला आदेश विगत के निष्पादन पर आधारित नहीं हो सकता है क्योंकि उद्योग ने अपना उत्पादन वर्ष 2007 से ही प्रारंभ किया है। इसके अतिरिक्त प्रदत्त लाभ इसके प्रचालन लाभ से कम है।
- (ट) आवेदनकर्ता देश में विचाराधीन उत्पाद का एकमात्र उत्पादक है। अत: पाटन के अभाव में घरेलू उद्योग उत्पादन और क्षमता उपयोग में भारी सुधार कर सकता था। परंतु इसके विपरीत कार्य हुआ है।
- (ठ) रोजगार आंकड़े वर्ष 2010 तक वेतन में बढ़ने की प्रवृत्ति के साथ-साथ रोजगार में भी वृद्धि की प्रवृत्ति प्रदर्शित करते है। तथापि जांच की अवधि के दौरान वेतन में गिरावट आयी है।
- (ड) उत्पादकता में वर्ष 2011 तक बढ़ोतरी हुई है और जांच की अवधि के दौरान इसमें गिरावट आयी है।
- (ढ) मालसूची का औसत स्तर वर्ष 2010-11 में बढ़ा है और फिर जांच की अवधि के दौरान थोड़ी सी कमी आयी। तथापि जांच की अवधि के दौरान माल सूची बहुत अधिक थी। जो इस तथ्य के आलोक में विपरीत है कि घरेलू उद्योग ने निर्यात भी किये और इसके उत्पादन में कमी भी आयी।
- (ण) बिक्री, उत्पादन, क्षमता उपयोग, लाभ, निवेश पर अर्जन और नकद लाभ के रूप में घरेलू उद्योग के विकास पर विपरीत प्रभाव पड़ा है।
- (त) वर्तमान स्थिति यह सिद्ध करती है कि यदि संबद्ध देश से आयातों में और अधिक बढ़ोतरी होती है तो इससे संबद्ध वस्तु का पाटन और अधिक बढ़ेगा जिससे घरेलू उद्योग को क्षति होगी।
- (थ) कीमत अधोरदन का निर्धारण करने के लिए कोई चुनिंदा आधार नहीं हो सकता है और उसकी कोई नकारात्मक प्रवृत्ति क्षति के कारक को कम नहीं कर सकती है।
- (द) एक ओर 100 प्रतिशत क्षमता उपयोग को अपनाना इस बात पर बल देता है कि घरेलू उद्योग को क्षति हुई है और दूसरी ओर यह अंगीकरण वृद्धि के विपरीत है। क्योंकि कारणात्मक संबंध विधिवत स्थापित नहीं है।
- (ध) यद्यपि उपभोक्ताओं को संबद्ध वस्तु की आपूर्ति करने में घरेलू उद्योग की ओर से या तो कोई मनाही हुई और न ही कोई विलम्ब हुआ, उपभोक्ताओं की ओर से भुगतान में कुछ विलम्ब के अवसर अवश्य हो सकते है जो सामान्य व्यवसाय के आलोक में अच्छी तरह से विचारित होगा।
- (न) चूंकि कोई असाधारण/ असमान्य संयंत्र बंदी/ ब्रेक डाउन नहीं हुआ इस लिए इन खातों पर लागत का समायोजन किये जाने का प्रश्न ही नहीं है।

- (प) लाभ, निवेश पर अर्जन और नकद लाभ के संबंध में घरेलू उद्योग के निष्पादन में गिरावट आ रही थी और यह जांच की अविध में नकारात्मक हो गया।
- (फ) पाटन के विस्तार के साधन के रुप में पाटन मार्जिन बहुत अधिक है।
- (भ) प्रकटन पश्चात यह प्रस्तुत किया गया कि पाटन मार्जिन, पाटन के मापन के रूप में, बहुत अधिक है।
- (म) याचिकाकर्ता ने सत्यापन रिपोर्ट की अगोपनीय प्रति की एक प्रति निर्यातक को प्रस्तुत की। याचिकाकर्ता प्रत्युत्तरदाता निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत व्यक्तिगत पाटन मार्जिन का दावें की उपयुक्तता अथवा अन्यथा के संबंध में टिप्पणी करने में असमर्थ रहा। प्राधिकारी ने एमईटी के दावे को ठीक ही अस्वीकार कर दिया है क्योंकि प्राधिकारी अपेक्षित सूचना उपलब्ध नहीं कराई है और अपने एमईटी दावे को खो दिया है।
- (य) निर्धारित की गई पाटन मार्जिन की प्रमात्रा बहुत अधिक है। विचाराधीन उत्पाद का चीन से आयात बढ़ा है। घरेलू उद्योग द्वारा पहले से प्रस्तुत की गई कीमत के बावजूद आयात कीमत घरेलू कीमत का अधोरदन कर रही है। इसके अतिरिक्त, आयात घरेलू कीमतों का निग्रहण एवं अवमंदन कर रहे है। लाभ, निवेश पर अर्जन और नकद लाभ के संबंध में घरेलू उद्योग के निष्पादन में गिरावट आ रही थी और यह पीओई में नकारात्मक थी। घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है। कच्चे माल की कीमतों में परिवर्तन होने और इनपुट लागत में वृद्धि के कारण लागत ढांचे में परिवर्तन होने के मद्देनजर पाटनरोधी शुल्क की निर्धारित मात्रा को यूएस डालर में अभिव्यक्त करना अपेक्षित है।

ड.2 घरेलू उद्योग के क्षति पैरामीटरों के संबंध में निर्यातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित प्रस्तुतिकरण किये गये है:

38. याचिका का अगोपनीय पाठ पूर्णतया त्रुटि पूर्ण और अपर्याप्त है जिसके कारण अन्य पक्षकार अपनी टिप्पणियां नहीं दे पा रहे है। यह सार्थक खंडन प्रदान करने के अधिकार को पर्याप्त और आवश्यक प्रस्तुतिकरणों के जिरए प्राधिकारों को एक पक्षपातपूर्ण निर्णय पर पहुंचने में सहयोग करती है।

क. मांग और बाजार हिस्सा

- (ii) विचाराधीन उत्पाद की मांग में वर्ष 2009-10 तक बढ़ोतरी हुई। तथापि वर्ष 2010-11 और जांच की अविध के दौरान इसमें गिरावट आयी। इसलिए वर्ष 2009-10 और 2010-11 की तुलना में जांच की अविध के दौरान बाजार हिस्से में गिरावट को मांग में गिरावट के आलोक में देखा जाना चाहिए।
- (iiii) स्पेक्ट्रम डाईज ने एक मुद्दा यह उठाया कि घरेलू उद्योग ने संबद्ध वस्तु की मांग को कभी भी पूरा नहीं कर पाया है। इसकी संबद्ध वस्तु की मासिक मांग लगभग 20 से 25 एम.टी है। तथापि घरेलू उद्योग को 10 मी.टन संबद्ध वस्तु की पेशकश की गई थी।
- (iiiiii) न्यून क्षमता उपयोग के बावजूद घरेलू उद्योग आयातकों की संबद्ध वस्तु की मांग को पूरा करने में अक्षम रहा।
- (iv) प्रकटन पश्चात, यह प्रस्तुत किया गया कि अन्य शीर्षों के अंतर्गत रिपोर्ट किए गए आयातों को अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकटन नहीं किया गया।

ख. क्षमता, उत्पादन और क्षमता उपयोग

- (ii) आवेदनकर्ता का वर्ष 2008-09 के दौरान उत्पादन 684 मी.टन था। जो जांच की अवधि के दौरान बढ़कर 1151 मी.टन हो गया। इसके परिणाम स्वरुप क्षमता उपयोग जो वर्ष 2008-09 में केवल 19 प्रतिशत था बढ़कर जांच की अवधि के दौरान 32 प्रतिशत हो गया। इसके अतिरिक्त यह भी नोट किया जा सकता है कि भारत में संबद्ध वस्तु की मांग में वर्ष 2009-10 और 2010-11 की तुलना में जांच की अवधि के दौरान गिरावट आयी है। इसलिए वर्ष 2009-10 और 2010-11 की तुलना में जांच की अवधि के दौरान उत्पादन और क्षमता उपयोग में किसी गिरावट को मांग में गिरावट के आलोक में देखा जाना चाहिए।
- (iiii) वर्ष 2008-09 के दौरान नकारात्मक कीमत अधोरदन के बावजूद आवेदनकर्ता संबद्ध वस्तु के संयंत्र को 19 प्रतिशत तक चलाता रहा। अत: संबद्ध देश से कथित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हुई।
- (iiiiii) क्षिति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के उप इष्टतम क्षमता उपयोग को देखते हुए प्राधिकारी एनआईपी परिकलनों के लिए काल्पनिक 100 प्रतिशत क्षमता उपयोग पर विचार कर सकती है। जैसाकि यूरोपियन यूनियन के मूल के अथवा वहां से निर्यातित एनीलाइन के मामले में अपनाया गया था।
- (ग) घरेलू बाजार में आवेदक की बिक्री मात्रा में आधार वर्ष की तुलना में 19 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है। वर्ष 2008-09 के दौरान नकारात्मक कीमत अधोरदन के बावजूद आवेदनकर्ता की घरेलू बाजार में बिक्री की मात्रा न्यूनतम स्तर पर थी जबकि

यह सर्वोच्च स्तर पर होनी चाहिए थी। तब एक स्पष्ट प्रश्न यह उठेगा कि आवेदक को वर्ष 2008-09 के दौरान अपनी मात्रा में वृद्धि करने के लिए किसने रोका था। जब अधोरदन बिल्कुल नकारात्मक था। इसके अतिरिक्त, यह भी नोट किया जा सकता है कि संबद्ध वस्तु के लिए भारत में मांग में वर्ष 2009-10 और 2010-11 की तुलना में जांच की अवधि के दौरान भारी गिरावट आयी है। ऐसा मुख्यत: मांग में गिरावट के कारण हुआ है। अत: संबद्ध देश से कथित पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को क्षित नहीं हुई है।

घ. **उत्पादन लागत**

- (ii) यह प्रस्तुत किया जाता है कि आवेदक की उत्पादन लागत विदेशी उत्पादकों की उत्पादन लागत की तुलना में असामान्य रुप से अधिक है। संपूर्ण क्षित अविध के दौरान आवेदनकर्ता का क्षमता उपयोग 19 प्रतिशत से 44 प्रतिशत की रंज में बना रहा। न्यूनतर संयंत्र उपयोग के परिणाम स्वरुप आवेदनकर्ता की उत्पादन लागत निर्धारित लागत की तुलना में बहुत अधिक थी। यद्यपि आधार वर्ष के दौरान नकारात्मक कीमत अधोरदन रहा है फिर भी आवेदनकर्ता अपने क्षमता उपयोग में सुधार नहीं कर सका। वास्तव में उस समय क्षमता उपयोग अपने न्यूनतम स्तर पर अर्थात 19 प्रतिशत था। इसलिए प्राधिकारी को आवेदनकर्ता के सम्पूर्ण लागत ढांचे की जांच करनी चाहिए और जांच के दौरान क्षति परीक्षण करते समय अकार्यकुशलता के कारण कारित उच्चतर उत्पादन लागत पर विचार नहीं करना चाहिए।
- (iiii) प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तु के संयंत्रों में ब्रेक डाउन के संबंध में घरेलू उद्योग को कथित क्षति का विश्लेषण करते समय प्राधिकारी द्वारा क्षति आंकड़ों में कोई समायोजन नहीं किया गया है।

(ड.) लाभप्रदायकता

आवेदनकर्ता को वर्ष 2010-11 और जांच की अवधि के बीच घाटा हुआ जब पाटित आयातों की मात्रा वर्ष 2009-10 में हुई 1264 मी.टन की वृद्धि की तुलना में केवल 545 मी.टन की वृद्धि हुई थी और आवेदनकर्ता उस समय भी लाभ कमा रहा था। इसके अतिरिक्त घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तु की मांग में गिरावट ने इसकी लाभप्रदायकता पर पतनकारी प्रभाव सृजित किया होना चाहिए था। अत: घरेलू उद्योग को होने वाला घाटा उच्चतर लागत के कारण हुआ है क्योंकि आवेदनकर्ता अकुशल था और इसके लिए संबद्ध देश के पाटित आयातों को दोषी नहीं माना जा सकता है।

(च) **कीमत अधोरदन**

- (ii) आवेदनकर्ता अपनी बिक्री मात्रा जो वर्ष 2008-09 में 614 मी.टन थी बढ़ाकर वर्ष 2010-11 में 1228 मी.टन करने में सक्षम रहा और जांच की अवधि के दौरान यह 730 मी.टन रह गयी। यदि ऐसा कीमत अधोरदन वास्तविक रुप में मौजूद था, जैसाकि आवेदनकर्ता ने निर्धारण किया है तो घरेलू उद्योग अपनी बिक्री मात्रा अनुरक्षित रख पाना मुश्किल समझता जबिक बिक्री मात्रा में वृद्धि करने का तो प्रश्न ही नहीं उठता है। अत: निवल बिक्री प्रापण और संबद्ध वस्तु की उतराई कीमत के बीच कोई सह-संबंध नहीं है।
- (iiii) चूंकि निर्यातकों से अभी भी पूर्ण सहयोग मिल रहा है। इसलिए कीमत प्रभाव का निर्धारण करने में भारित औसत निर्यात कीमत निर्धारित होनी चाहिए। जो इस मामले में नकारात्मक कीमत अधोरदन दर्शाती है। और जांच की अविध के दौरान घरेलू उद्योग की कीमतों में कमी संबंधी प्रश्न को उठाती है। यह नकारात्मक अधोरदन यह दर्शाता है कि घरेलू उद्योग को क्षित अन्य कारकों (विशेषकर 2008-09 के दौरान) के कारण हुई है जिसके लिए जांच किया जाना अपेक्षित है।

छ. गैरक्षतिकारी कीमत

- (ii) प्राधिकारी द्वारा परिकलित गैर क्षतिकारी कीमत बहुत अधिक है। ब्याज, कारपोरेट कर और लाभ की वसूली के लिए इस उत्पाद के लिए लगाई गई औसत पूंजी पर एक तर्कसंगत आवक (करपूर्व) की अनुमित दी जा सकती है। ब्याज लागत की तर्कसंगतता की जांच की जानी चाहिए।
- (iiii) लगाई गई पूंजी पर (सभी संघटकों पर) 22 प्रतिशत आवक अतर्कसंगत एवं काल्पनिक है और यह बहुत अधिक है। सीईएसटीएटी (सिस्टेट) निर्णय (ब्रिजस्टोन टायर मैन्यूफैक्चिरिंग बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी) के आलोक में 22 प्रतिशत आरओसीई क्षित निर्धारण को प्रभावित कर सकता है। इसके अतिरिक्त 22 प्रतिशत आरओसीई की तर्कसंगतता पर हेयोसंग एंड कंपनी बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी में प्रश्न पूछा गया था। इस कारण प्राधिकारी को उद्योग के विगत के निष्पादन के आधार पर अर्जित आवक पर विचार करना चाहिए।
- (iiiiii) आवेदनकर्ता वाणिज्यिक उत्पादन प्रारंभ होने के बाद एक वर्ष का समय बीत जाने पर अकुशल ही बना रहा। घरेलू उद्योग के प्रस्तुतिकरण पुन: दर्शाते है कि आवेदनकर्ता कच्चे माल और परिवर्तन लागत के रुप में भी अकुशल था। प्राधिकारी को क्षति विश्लेषण और गैर क्षतिकारी कीमत के लिए कच्चे माल और परिवर्तन लागत का समायोजन करना अपेक्षित होता है।
- (iviv) प्रकटन पश्चात, यह प्रस्तुत किया गया कि घरेलू उद्योग ने स्वयं के कारणों से उच्च लागत के कारण स्पष्टत: आधार वर्ष में केवल 19 प्रतिशत क्षमता उपयोग ही प्राप्त कर सका। और यह जांच की अवधि में केवल 32 प्रतिशत था सर्वोत्तम

संभव उपयोग जो घरेलू उद्योग कभी भी उपलब्ध कर सका केवल 44 प्रतिशत था। हम प्राधिकारी से पुन: अनुरोध करते है कि यह घरेलू उद्योग के क्षमता उपयोग को सामान्य तर्कसंगत स्तर पर बढ़ाने पर घरेलू उद्योग के लिए एनआईपी का निर्धारण करने के लिए विचार करें।

क) अन्य

(vi) यह प्रस्तुत किया गया है कि प्राधिकारी, शुल्क की सिफारिश भारतीय रुपयों में ही करें न कि अमेरिकी डालर में क्योंकि प्रयोक्ता अधिकांशत: एसएमई हैं और यूएसडी के रूप में शुल्क का अधिरोपण स्थिति को एवं अवस्थिति को चिंतनीय बना देगी।

(ज) वर्ष 2008-09 असमान्य वर्ष था

- (ii) प्रारंभिक जांच परिणाम में वर्ष 2008-09 के संबंध में ऐसा कुछ भी उल्लेख नहीं किया गया है जो यह दर्शाता हो वह वर्ष असामान्य वर्ष था। इसके अतिरिक्त घरेलू उद्योग ने अपनी याचिका में भी इस मुद्दे को नहीं उठाया है।
- (iiii) यह समझ में नहीं आता है कि प्राधिकारी को वर्ष 2009-10 को असामान्य वर्ष के रूप में क्यों मानना चाहिए जबिक संबद्ध वस्तु की निर्यात कीमत बढ़ोतरी बेन्जीन की कीमतों में हुई बढ़ोतरी की तुलना में अधिक थी। यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग ने अपनी याचिका में इस तरह के किसी भी कारक का प्रकटन नहीं किया है और घरेलू उद्योग द्वारा स्वयं वर्ष 2008-09 के दौरान नकारात्मक कीमत अधोरदन परिकलित किया था। अतः घरेलू उद्योग का यह प्रस्तुतिकरण वर्ष 2008-09 में संबद्ध वस्तु की कीमत में असामान्य वृद्धि हुई है। इसलिए उससे यह अपेक्षा की जाती है कि वह इनको अस्वीकार कर देंगे क्योंकि उनके प्रस्तुतिकरण में कोई दम नहीं है
- (iiiiii) सार्वजिनक सुनवाई के समय घरेलू उद्योग के अधिवक्ता ने जवाब दिया कि वर्ष 2008-09 के दौरान कोई नुकसान का कारण बेन्जीन भंडार के कारण हुआ है। तथापि, लिखित प्रस्तुतिकरणों में उन्होंने इसमें बदलाव कर लिया जो यह दर्शाता है कि वर्ष 2008-09 के दौरान हुए घाटे का कारण स्थापित करने के प्रयास में घरेलू उद्योग संभ्रम और पक्षपातों स्थिति में है। इसके अतिरिक्त यह भी प्रस्तुत किया जाता है कि घरेलू उद्योग ने तर्क दिया है कि कुछ महीनों के दौरान संबद्ध वस्तु की कीमतों में वृद्धि बेन्जीन की कीमतों में हुई वृद्धि से अधिक थी। इसलिए वर्ष 2008-09 को असामान्य वर्ष के रुप में माना गया और वर्ष 2008-09 के दौरान हुआ घाटा कच्चे माल की अधिक खपत के कारण हुआ था। एक बार पुन: यह स्पष्टत: दर्शाता है कि घरेलू उद्योग वर्ष 2008-09 के दौरान हुए घाटे के कारणों को सिद्ध करने में असफल रहा है। अत: वर्ष 2008-09 के दौरान नकारात्मक कीमत अधोरदन और वर्ष 2008-09 के दौरान क्षित को न्यायोचित ठहराते समय घरेलू उद्योग द्वारा यह एक दूसरे के विपरीत और स्पष्ट नीति है। जिसका परीक्षण किये जाने की आवश्कता है।

ड.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

- 39. अनुबंध-2 के साथ पठित पाटनरोधी नियमावली का नियम 11 यह प्रावधान करता है कि क्षित का निर्धारण करने के लिए उन सब कारणों की जांच किया जाना अपेक्षित होगा जिनसे घरेलू उद्योग को क्षित का संकेत मिलता हो। '..... सभी संगत कारकों पर ध्यान दिया जाता है जिनमें पाटित आयातों की मात्रा, घरेलू बाजार में समान वस्तु के लिए उनके कीमत प्रभाव सिहत अनेक तथ्य शामिल होते है......' कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय यह परीक्षण करना आवश्यक समझा जाता है कि क्या भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा भारी कीमत अधोरदन किया गया है अथवा इन आयातों के प्रभाव अन्यथा कीमतों का भारी हद तक निग्रहण करना है अथवा कीमतों को बढ़ने से रोकना है जो अन्यथा भारी मात्रा में घटित हुआ होता।
- 40. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-2 में (क) घरेलू बाजार में समान वस्तु के लिए पाटित आयातों की मात्रा और कीमतों पर पाटित आयातों का प्रभाव; तथा (ख) इन वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव की उद्देश्य परक जांच किये जाने का प्रावधान है। पाटित आयातों के मात्रा प्रभाव के संबंध में प्राधिकारी को यह जांच करना अपेक्षित होता है कि क्या पाटित आयातों में भारी मात्रा में वृद्धि समग्र रूप से अथवा उत्पादन और भारत में खपत के संगत रुप से हुई है। पाटित आयातों के कीमत प्रभाव के संबंध में प्राधिकारी को यह जांच करना अपेक्षित होता है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमतों की तुलना में पाटित आयातों द्वारा भारी कीमत अधोरदन हुआ है अथवा क्या इन आयातों का प्रभाव कीमतों का भारी मात्रा में निग्रह करने का रहा है अथवा यह कीमतों में वृद्धि होने से रोक रहे है जो अन्यथा भारी मात्रा में घटित हुई होती।
- 41. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों के विचारों पर विचार किया है और उनका उपर्युक्त निराकरण कर दिया है। हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किये गये विशिष्ट प्रस्तुतिकरणों का प्राधिकारी द्वारा घरेलू उद्योग को क्षति पैरामीटरों की जांच करते समय इन जांच परिणामों में उचित स्थानों पर निराकरण कर दिया है।

- 42. प्राधिकारी ने क्षति पैरामीटरों का विश्लेषण नियम के अनुरूप किया है। हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदान कराई गयी सूचना की जांच गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संबंध में की गई। संतुष्ट होने पर प्राधिकारी ने उसे गोपनीयता, जहां कहीं आवश्यक हुआ, प्रदान कर दी और ऐसी सूचना को गोपनीय के रूप में माना गया तथा उसका अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकटन नहीं किया गया। जहां कहीं आवश्यक हुआ वहां गोपनीय आधार पर सूचना प्रदान कराने वालो से यह अनुरोध किया गया वे गोपनीय आधार पर प्रदान कराई गई सूचना का अगोपनीय पाठ भी प्रस्तुत करेगा।
- जहां तक घरेलू उद्योग का क्षमता उपयोग कम होने का प्रश्न है प्राधिकारी ने क्षति अवधि और जांच की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा जांच की अवधि के दौरान प्राप्त सर्वोत्तम क्षति उपयोग पर विचार किया है। जिससे की घरेलू उद्योग की गैरक्षतिकारित कीमत का निर्धारण करने के लिए प्रचालनों में घरेलू उद्योग का एक मिला जुला उद्यम है जो कई रसायनों का उत्पादन करता है। घरेलू उद्योग ग्राही रुप से एक प्रमुख इनपुट अर्थात एमडीएनबी का उत्पादन भी करता है जिसका प्रयोग एमपीडीए का उत्पादन करने के लिए किया जाता है। एमडीएनबी और एमपीडीए दोनों का विनिर्माण करने के लिए पथक क्षमताएं हैं। प्राधिकारी ने अकार्यकशलता योगो के कारण उच्चतर लागत का उपशमन करने के उद्देश्य से प्राधिकारी ने अधिकतम उपयोग क्षमता पर विचार करना उपर्युक्त समझा है। जहां तक संबद्ध वस्तु के लिए क्षति अवधि के दौरान मांग में किये जाने का संबंध है। घरेल उद्योग द्वारा यह दावा किया गया है कि संबद्ध वस्तु के आयात अन्य वर्गीकरण के अंतर्गत भी किया जाता है। प्राधिकारी ने प्रत्युत्तर की जांच की और वे यह नोट करते हैं कि जहां एक ओर संबद्ध वस्तु के लिए मांग में कमी आयी है वहीं संबद्ध देश से आयातों की मात्रा में गिरावट घरेलू उद्योग की बिक्रियों से हुई नुकसान की तुलना में बहुत अधिक है। इस तथ्य के संबंध में कि यह याचिका त्रुटिपूर्ण है, यह नोट किया जाता है कि यह आवेदन पत्र प्राधिकारी द्वारा जांच शुरुआत के लिए एक विधिवत दस्तावेज है इसके अतिरिक्त जांच के दौरान यह नोट किया गया कि घरेलू उद्योग की बेन्जीन की अधिप्रापण कीमत बेन्जीन की प्रचलित अंतर्राष्ट्रीय कीमतों के अनुरूप थी। प्रकटन पश्चात, घरेलु उद्योग ने प्रस्तुत किया है कि प्राधिकारी द्वारा निर्धारित एन आई पी बहुत कम एवं घरेलू उद्योग के हितों की रक्षा करने के लिए अपर्याप्त है। इस मामले की जांच की गई और यह नोट किया गया कि प्राधिकारी द्वारा एन आई पी निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-2 के अंतर्गत निर्धारित सिद्धांतों के अनुरूप किया गया है। इसके अतिरिक्त, प्राधिकारी ने इन सभी मामलों में परम्परा के संगत 22 प्रतिशत की दर से अवक की अनमति दी है।

ड.3.1 पाटित आयातों का मात्रा प्रभाव और घरेलू उद्योग पर उनका प्रभाव

(क) <u>मांग और बाजार हिस्से का आकलन</u>

44. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने मांग को घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्रियों और भारत में संबद्ध वस्तु के सभी स्रोतों से आयातों के योग के रूप में निर्धारित किया है। इस तरह आकलित की गई मांग को निम्नलिखित तालिका में दर्शाया गया है। यह देखा जाता है कि संबद्ध वस्तु के लिए मांग में वर्ष 2010-11 तक भारी वृद्धि हुई और फिर जांच की अवधि में इसमें गिरावट आयी। तथापि यह नोट किया जाता है कि जांच की अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु की मांग आधार वर्ष 2008-09 की तुलना में बहुत अधिक थी। प्राधिकारी पुन: यह नोट करते है कि यद्यपि जांच की अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु की मांग में मामूली सी गिरावट आयी। वही घरेलू उद्योग के हिस्से में गिरावट संबद्ध देश से आयातों की मात्रा में आयी कमी से बहुत अधिक थी। यह देखा जाता है कि गिरावट वाली बाजार में आयातों में अपना हिस्सा बना लिया और घरेलू उद्योग ने अपना हिस्सा खो दिया।

| मांग | इकाई | 2008-09 | 2009-10 | 2010-11 | पीओआई | पीओआई वार्षिकृत |
|---------------------------|-------|---------|---------|---------|-------|--------------------|
| घरेलू उद्योग की बिक्रियां | मी.टन | 614 | 1,006 | 1,228 | 913 | 730 |
| संबद्ध देश आयात | मी.टन | 1,919 | 3,377 | 3,743 | 3,836 | 3,069 |
| अन्य देश आयात | मी.टन | 1 | 0 | 117 | 232 | 186 |
| कुल मांग | मी.टन | 2,534 | 4,383 | 5,088 | 4,982 | 3,985 |
| प्रवृत्ति | | 100 | 173 | 201 | 157 | 157 |
| मांग में बाजार हिस्सा | | | | | | |

| | Ī | Ī | | Ì | Ī | İ |
|---------------------------|---|-----|-----|-----|-----|-----|
| घरेलू उद्योग की बिक्रियां | % | 24% | 23% | 24% | 18% | 18% |
| संबद्ध देश आयात | % | 76% | 77% | 74% | 77% | 77% |
| अन्य देश आयात | % | 0% | 0% | 2% | 5% | 5% |

45. यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देश से आयात तथा घरेलू उद्योग की बिक्रियों दोनों में वर्ष 2010-11 तक भारी वृद्धि हुई थी और उसके पश्चात जांच की अविध में इसमें गिरावट आयी। यह भी नोट किया जाता है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु की आयातों का बाजार हिस्सा क्षित अविध के दौरान काफी महत्वपूर्ण बना रहा और इसमें विगत वर्ष की तुलना में जांच की अविध में वही वृद्धि हुई थी। यह भी नोट किया जाता है कि यद्यपि वर्ष 2010-11 तक विचाराधीन उत्पाद की मांग बढ़ रही थी वहीं घरेलू उद्योग का हिस्सा ज्यों का त्यों बना रहा। तथापि जांच की अविध के दौरान जब इस उत्पाद की मांग में कुछ हद तक गिरावट आ रही थी वहीं घरेलू उद्योग के हिस्से में भी गिरावट संपूर्ण क्षित अविध के दौरान हिस्से की तुलना में गिरावट आयी। इसके अतिरिक्त घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा जांच की अविध के दौरान सबसे कम था।

ख आयात मात्रा तथा संबद्ध देश का हिस्सा

46. घरेलू उद्योग द्वारा यह तर्क दिया गया था कि इन उत्पादों के आयात को सीमा शुल्क वर्गीकरण 29, 21, 51, 90 में भी भारी मात्रा में संग्रहण किया जा रहा है. प्राधिकारी ने इस आयात सूचना का विश्लेषण किया गया और यह नोट किया कि इस उत्पाद के आयातों की सूचना की रिपोर्ट 29215190 के अंतर्गत भी दी जाती है। इसलिए प्राधिकारी ने 29215120 और 29215190 के तहत रिपोर्ट किये गये आयातों पर भी विचार किया है। यह नोट किया जाता है कि दो निर्यातकों द्वारा दायर प्रश्नावली में जांच की अवधि के दौरान संयुक्त निर्यात *** मी.टन थे जबिक डीजीसीआईएंडएस द्वारा रिपोर्ट किये गये आयात 3836 मी.टन थे। निर्यातक के इस तर्क के संबंध में कि उन्हें संशोधित आयात आंकड़ों के संबंध में सूचना की उन्हें जानकारी नहीं है। यह उल्लेख किया गया कि घरेलू उद्योग ने दोनों शीर्षों से सम्बद्ध वस्तु के आयातों युक्त संशोधित प्रपत्र-4क की एक प्रति प्रस्तुत की है और उसे सभी संबंधितों के लिए सार्वजनिक फाइल में रख दिया गया था।

47. विचाराधीन उत्पाद के चीन जन गण से आयातों में जांच की अवधि के दौरान समग्र रूप में भारी वृद्धि रिकार्ड की गई अर्थात वर्ष 2008-09 में यह आयात 1919 मी.टन थे वही जांच की अवधि के दौरान यह आयात 3836 मी.टन हो गये (वार्षिकीकृत आधार पर 3069 मी.टन)। इसके अतिरिक्त यह आयात समग्र रुप से तथा देश में उत्पादन और खपत के संबंध में बहुत अधिक थे। यद्यपि अन्य देशों से आयातों में भी उसी समय के दौरान वृद्धि हुई थी परंतु इन आयातों की मात्रा बहुत अधिक नहीं है।

| विवरण | इकाई | 2008-09 | 2009-10 | 2010-11 | पीओआई | पीओआई- |
|-------------------------|-------|---------|---------|---------|--------|-------------|
| | | 2000 00 | 2000 10 | 2010 11 | | वार्षिकीकृत |
| आयात - | | | | | | |
| चीन जन गण | मी.टन | 1,919 | 3,377 | 3,743 | 3,836 | 3,069 |
| अन्य देश | मी.टन | 1 | 0 | 117 | 232 | 186 |
| कुल आयात | मी.टन | 1,920 | 3,377 | 3,860 | 4,068 | 3,255 |
| निम्नलिखित के संबंध में | | | | | | |
| आयात | | | | | | |
| आयात | % | 99.95% | 100% | 96.97% | 94.29% | 94.29% |
| खपत | % | 76% | 77% | 74% | 77% | 77% |
| उत्पादन | % | 281% | 254% | 235% | 267% | 267% |

ड.3.2 घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का प्रभाव

क. कीमत अधोरदन

- 48. कीमतों पर पाटित आयातों पर प्रभाव के संबंध में नियमावली के अनुबंध-2 (ii) में निम्नलिखित प्रावधान है:"नियम 18 के उप नियम (2) में यथाउल्लिखित कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में निर्दिष्ट
 प्राधिकारी इस तथ्य पर विचार करेंगे कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमतों की तुलना में पाटित आयातों
 द्वारा भारी कीमत अधोरदन किया गया है अथवा इन आयातों का प्रवाह अन्यथा कीमतों का भारी मात्रा में निग्रह
 करना अथवा कीमतों को बढ़ने से रोकना है। जो अन्यथा भारी मात्रा में घटित हुई होती'।
 - 49. पाटित आयातों का कीमतों पर प्रभाव के संबंध में यह जांच की गई है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमतों की तुलना में पाटित आयातों द्वारा भारी कीमत अधोरदन किया गया है अथवा इन आयातों का प्रवाह अन्यथा कीमतों का भारी मात्रा में निग्रह करना अथवा कीमतों को बढ़ने से रोकना है। जो अन्यथा भारी मात्रा में घटित हुई होती। इस संबंध में संबंधित उत्पाद के उतराई मूल्य तथा व्यापार के समान स्तर पर सभी करो और छूटो का निवल के रुप में घरेलू उद्योग की औसत बिक्री कीमत तथा संबंधित उत्पाद के उतराई मूल्य से की गई। घरेलू उद्योग की कीमतों का निर्धारण फैक्ट्री बाह्रय स्तर पर किया गया। यह तुलना दर्शाती है कि जांच की अविध के दौरान संबद्ध देश के मूल की संबद्ध वस्तु का भारतीय बाजार में ऐसी कीमतों पर निर्यात किया गया जो घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतों से कम थी। अत: यह नोट किया जाता है कि संबद्ध वस्तु के आयात घरेलू कीमतों का अधोरदन कर रहे थे और चीन जन गण से आयातों के संबंध में यह अधोरदन बहुत अधिक माना गया है।

50. कीमत अधोरदन मार्जिन निम्नवत निर्धारित किया गया है:-

| विवरण | यूनिट | 2008-09 | 2009-10 | 2010-11 | जांच की अवधि |
|----------------------|---------------|----------|---------|---------|--------------|
| निवल बिक्री कीमत | रुपये/कि.ग्रा | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | | 100 | 104 | 92 | 87 |
| आयातों की उतराई कीमत | रुपये/कि.ग्रा | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | | 100 | 78 | 80 | 73 |
| कीमत अधोरदन | रुपये/कि.ग्रा | *** | *** | *** | *** |
| कीमत अधोरदन | % | *** | *** | *** | *** |
| कीमत अधोरदन | रेंज | (-15)-0% | 10-20% | 0-10% | 0- 10 % |

- 51. उपर्युक्त से यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग की निवल बिक्री कीमत और चीन जन.गण से आयातों की उतराई कीमत दोनों में क्षित अवधि के दौरान कमी आई है। तथापि उतराई कीमत में गिरावट निवल बिक्री कीमत की गिरावट की तुलना में बहुत अधिक थी। अत: संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयात घरेलू उद्योग की कीमतों का कीमत अधोरदन कर रहे थे जो जांच की अवधि के दौरान 5-15 प्रतिशत था।
- 52. हितबद्ध पक्षकारों ने तर्क दिया है कि वर्ष 2008-09 में कीमत अधोरदन नकारात्मक था और नकारात्मक कीमत अधोरदन के बावजूद भी घरेलू उद्योग को वित्तीय घाटा उठाना पड़ा। प्राधिकारी यह नोट करते है कि इस संबंध में संबद्ध वस्तु के विनिर्माण में प्रयोग होने वाले कुछ इनपुटों की वास्तविक खपत को असामान्य और बहुत अधिक के रुप में नोट कर लिया गया। उत्तरवर्ती अवधि में इन इनपुटों की खपत प्रणाली में नोटिस करने योग्य परिवर्तन देखा गया। घरेलू उद्योग के लिए गैर क्षतिकारी कीमत का निर्धारण करने में, प्राधिकारी की संगत प्रक्रिया के अनुसार, सर्वाधिक कुशल खपत कारक पर प्राधिकारी द्वारा विचार किया गया है।

ख. **कीमत निग्रहण और अवमंदन**

53. घरेलू उद्योग की लागत और कीमत में उतार चढ़ाव तथा संबद्ध देश से आयातों के उतराई मूल्य की तुलना क्षिति अविध से यह जानने के लिए की गई की क्या पाटित अयातों का प्रभाव कीमतों का निग्रह अधिक मात्रा में करना है और कीमतों को बढ़ने से रोकना है जो अन्यथा भारी मात्रा में घटित हआ होता।

| विवरण | इकाई | 2008-09 | 2009-10 | 2010-11 | पीओआई |
|----------------------|-------------|---------|---------|---------|-----------|
| आयातों की उतराई कीमत | रुपया/कि.गा | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | | 100 | 78 | 80 | <i>73</i> |
| निवल बिक्री कीमत | रुपया/कि.गा | *** | *** | *** | *** |

| प्रवृत्ति | | 100 | 104 | 92 | 87 |
|-------------|-------------|-----|-----|-----|-----|
| बिक्री लागत | रुपया/कि.गा | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | | 100 | 87 | 76 | 95 |

54. उपर्युक्त से प्राधिकारी यह नोट करते है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु में क्षिति अविध के दौरान 13 प्रतिशत तक गिरावट आयी है जबिक घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु की बिक्री लागत में उसी अविध के दौरान 5 प्रतिशत तक गिरावट आयी है। इसके अतिरिक्त, विगत वर्ष की तुलना में जांच की अविध के दौरान बिक्री लागत में भारी वृद्धि हुई वहीं उतराई कीमत और उसके परिणामस्वरुप घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में गिरावट आयी है। अत: यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों के कारण कीमत निग्रहण हुआ है। इसके अतिरिक्त, चूंकि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु की बिक्री कीमत में गिरावट आयी है। इसलिए यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग को क्षित अविध के दौरान घाटा सहन करना पड़ा है। प्राधिकारी यह नोट करते है कि जांच की अविध के दौरान पिछले वर्ष की तुलना में संबद्ध वस्तु की इनपुट लागत में भारी बढ़ोतरी हुई है। इसके परिणामस्वरुप घरेलू उद्योग के उत्पादन लागत में भारी वृद्धि हुई। दूसरी ओर आधारभूत कच्चे माल की कीमतों में बढ़ोतरी होने के बावजूद संबद्ध वस्तु के आयातों के उतराई मूल्य में उसी अविध के दौरान गिरावट आयी है। इसके परिणामस्वरुप घरेलू उद्योग लागत में वृद्धि हो जाने पर भी अपनी बिक्री कीमत बढ़ाने में सक्षम नहीं हुआ इसके परिणामस्वरुप जांच की अविध के दौरान घरेलू उद्योग की लाभप्रदायकता में कमी आयी है।

ग. कीमत अधोबिक्रयण मार्जिन

55. प्राधिकारी ने संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग द्वारा सहन किये जा रहे कीमत अधोबिक्रयण, यदि कोई हो तो उसकी भी जांच की है। जांच के पश्चात यह निर्धारित किया गया कि घरेलू उद्योग को जांच की अविध के दौरान भारी कीमत अधोबिक्रयण का सामना करना पड़ा है।

| विवरण | इकाई | पीओआई |
|--------------------|----------------|-------|
| गैर क्षतिकारी कीमत | रुपया/कि.ग्रा. | *** |
| उतराई कीमत | रुपया/कि.ग्रा. | *** |
| कीमत अधोबिक्रयण | रुपया/कि.ग्रा. | *** |
| कीमत अधोबिक्रयण | (%) | *** |
| कीमत अधोबिक्रयण | रेंज | 20-30 |

ड.3.3. घरेलू उद्योग के आर्थिक पैरामीटर

56. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-2 में यह अपेक्षा की जाती है कि क्षित के निर्धारण में इन आयातों के परिणामी प्रभाव की जांच अंतर्ग्रस्त होती है। इन उत्पादों के उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव के संबंध में नियमों में पुन: यह प्रावधान है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में सभी आर्थिक संगत कारकों और देशनांकों का उद्देश्यपरक एवं पक्षपात रहित मूल्यांकन शामिल होता है जिनका घरेलू उद्योग की स्थिति पर प्रभाव पड़ता है जैसे बिक्री, लाभ, आउटपुट, बाजार हिस्सा, उत्पादकता, निवेश पर अर्जन अथवा क्षमता उपयोग में वास्तविक एवं संभावित गिरावट; घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक पाटन की मात्रा, नकदी प्रवाह, मालसूची, रोजगार, वेतन, वृद्धि तथा पूंजी निवेश उगाहने की क्षमता संबंधी वास्तविक एवं संभावित नकारात्मक प्रवाह शामिल है। घरेलू उद्योग के कार्यनिष्पादन की एक जांच यह व्यक्त करती है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है। घरेलू उद्योग से संबंधित विविध क्षति पैरामीटरों का वर्णन निम्नलिखित है:-

(क) क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिक्रियां

57. घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिक्री मात्रा के संबंध में सूचना निम्नलिखित है:-

| | | | | | | पीओआई/वार्षिकीकृत |
|--------|-------|---------|---------|-------|-------|-------------------|
| विवरण | यूनिट | 2008-09 | 2009-10 | 2010- | पीओआई | |
| क्षमता | मी.टन | 3,600 | 3,600 | 3,600 | 4,500 | 3,600 |

| उत्पादन | मी.टन | 68 | 1,327 | 1,592 | 1,439 | 1,151 |
|-----------------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|
| क्षमता उपयोग | % | 19% | 37% | 44% | 32% | 32% |
| घरेलू बिक्रियां | मी.टन | 61 | 1,006 | 1,228 | 913 | 730 |
| मांग | मी.टन | 2,534 | 4,383 | 5,088 | 4,982 | 3,985 |

58. यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग के उत्पादन, बिक्रियों और क्षमता उपयोग में वर्ष 2010-11 तक बढ़ोतरी हुई और फिर जांच की अवधि में इसमें गिरावट आयी। इसके अतिरिक्त यह नोट किया जाता है कि यद्यपि आधार वर्ष और पीओआई के बीच इस उत्पाद की मांग में 57 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है; परंतु घरेलू उद्योग जांच की अवधि में अपनी कुल क्षमता का केवल 32 प्रतिशत उपयोग कर सका। यह भी नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग ने संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के कारण भारी मात्रा में बिक्रियों को खोया है।

(ख) लाभ, लगाई गई पूंजी पर अर्जन और नकदी प्रवाह

59. घरेलू उद्योग के लाभ, निवेश पर अर्जन और नकदी प्रवाह की निम्नवत जांच की गई है:-

| विवरण | इकाई | 2008-09 | 2009-10 | 2010-11 | पीओआई | पीओआई- |
|------------------------|----------------|---------|---------|---------|-------|-------------|
| | | | | | | वार्षिकीकृत |
| बिक्री लागत | रुपया/कि.ग्रा. | *** | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | | 100 | 87 | 76 | 95 | 95 |
| बिक्री कीमत | रुपया/कि.ग्रा. | *** | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | | 100 | 104 | 92 | 87 | 87 |
| लाभ/हानि प्रतियूनिट | रुपया/कि.ग्रा. | *** | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | | -100 | 33 | 35 | -153 | -153 |
| लाभ/हानि | लाख रुपये | *** | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | | -100 | 54 | 69 | -182 | -182 |
| ब्याज एवं कर पूर्व लाभ | लाख रुपये | *** | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | | -100 | 183 | 211 | -272 | -272 |
| ब्याज एवं कर पूर्व लाभ | रुपया/कि.गा. | *** | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | | -100 | 112 | 106 | -229 | -229 |
| लगाई गई पूंजी पर अर्जन | % | *** | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | | -100 | 159 | 181 | -266 | -266 |
| नकद लाभ | लाख रुपये | *** | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | | -100 | 119 | 146 | -222 | -222 |
| नकद लाभ प्रति यूनिट | रुपये/कि.ग्रा. | *** | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | | -100 | 73 | 73 | -187 | -187 |

- 60. संबद्ध वस्तु की घरेलू बिक्रियों के संबंध में घरेलू उद्योग की लाभप्रदायकता की जांच की गई। प्राधिकारी नोट करते है कि-
- (ii) घरेलू उद्योग को 2008-2009 में घाटा हुआ। उसके पश्चात संबद्ध वस्तु के लिए घरेलू उद्योग की लाभप्रदायकता में सुधार हुआ। घरेलू उद्योग की लाभप्रदायकता में सुधार इसकी बिक्री मात्रा में बढ़ोतरी लागत में कमी और इनपुटों का कार्यकुशल उपयोग तथा बेहतर बिक्री प्रापण से नोट किया गया। तथापि लाभप्रदायकता में जांच की अविध के दौरान भारी गिरावट आयी। घरेलू उद्योग की लाभप्रदायकता में या गिरावट नोट की गई क्योंकि घरेलू उद्योग अपना बिक्री प्रापण जांच की अविध के दौरान उत्पादन लागत

में हुई वृद्धि के अनुरुप बढ़ाने में सक्षम नहीं था। इसके विपरित इनपुट लागत में बढ़ोतरी होने के बावजूद आयातों के उतराई मूल्य में गिरावट आयी थी जिससे घरेलू उद्योग को अपनी बिक्री कीमत कम करने के लिए मजबूर होना पड़ा।

- (iiii) यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग के नकद लाभ की प्रवृत्ति भी लाभप्रदायकता की प्रवृत्ति के अनुरुप ही रही।
- (iiiiii) लगाई गई पूंजी पर आवक का निर्धारण कर पूर्व लाभ और संबंधित उत्पाद के लिए नियोजित पूंजी पर विचार करते हुए किया गया। यह नोट किया जाता है कि जांच की अवधि में नियोजित पूंजी पर अर्जन में बहुत अधिक गिरावट आयी है।
- (iviv) यह देखा गया कि घरेलू उद्योग को वर्ष 2008-09 में वित्तीय घाटा हुआ। याचिकाकर्ताओं ने प्रस्तुत किया कि इस वित्तीय घाटे का कारण इस वर्ष कच्चे माल की उच्च खपत और कच्चे माल तथा इसके उत्पाद में वैश्विक मंदी के कारण कीमत में अचानक और बहुत अधिक गिरावट है। यह नोट किया जाता है कि वर्ष 2008-09 में घरेलू उद्योग की कच्चे माल की खपत बहुत अधिक थी। घरेलू उद्योग अपनी लाभप्रदायकता में वर्ष 2009-10 में सुधार करने और लाभ अर्जित करने में सक्षम रहा और कच्चे माल की खपत स्थिर बनी रही। तथापि घरेलू उद्योग को जांच की अवधि में कीमतों में गिरावट के कारण भारी वित्तीय घाटा हुआ जब उत्पादन लागत में भारी बढ़ोतरी हो गई। वास्तव में जांच की अवधि में जहां एक ओर लागत में बढ़ोतरी हुई वही आयात कीमत तथा घरेलू उद्योग की बिक्री में गिरावट आयी। अत: यह देखा जाता है कि घरेलू उद्योग के निष्पादन में लाभ, निवेश पर अर्जन और नकद लाभ में जांच की अवधि के दौरान गिरावट देश में इस उत्पाद के पाटन के कारण हुई है।

ग. <u>रोजगार और वेतन</u>

61. घरेलू उद्योग के रोजगार स्तर और वेतन की स्थिति को निम्नलिखित तालिका में दर्शाया गया है:-

| विवरण | Γ, , | | | | | |
|-----------|-----------|---------|---------|---------|---------|---------------|
| ।ववरण | इकाई | 2008-09 | 2009-10 | 2010-11 | जांच की | जांच की अवधि- |
| | | | | | अवधि | वार्षिकीकृत |
| वेतन | लाभ रुपये | *** | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | | 100 | 223 | 291 | 224 | 224 |
| रोजगार | सं. | *** | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | | 100 | 105 | 105 | 110 | 110 |

62. प्राधिकारी नोट करते है कि घरेलू उद्योग का रोजगार स्तर लगभग स्थिर बना रहा जबकि वर्ष 2010-11 में वेतन में वृद्धि हुई और जांच की अवधि के दौरान इसमें गिरावट आयी।

(घ) <u>उत्पादकता</u>

63. घरेल उद्योग की उत्पादकता निम्नलिखित तालिका में दी गई है:-

| विवरण | इकाई | 2008-09 | 2009-10 | 2010-11 | जांच की अवधि | जांच की अवधि- वार्षिकीकृत |
|----------------|-------|---------|---------|---------|--------------|------------------------------|
| प्रति दिन | मी.टन | *** | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | | 100 | 194 | 233 | 168 | 168 |
| प्रति कर्मचारी | मी.टन | *** | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | | 100 | 185 | 222 | 153 | <i>153</i> |

64. यह नोट किया जाता है कि वर्ष 2010-11 तक उत्पादकता में वृद्धि हुई और फिर जांच की अवधि के दौरान इसमें गिरावट आयी क्योंकि घरेलू उद्योग के उत्पादन में गिरावट आयी थी।

(ड.) <u>मालस्</u>ची

65. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के मालसूची स्तर की जांच की है जो निम्नलिखित तालिका में दी गई है।

| स्टॉक (मात्रा) | इकाई | 2008-09 | 2009-10 | 2010-11 | जांच की अवधि |
|----------------|------|---------|---------|---------|-----------------|
|----------------|------|---------|---------|---------|-----------------|

| औसत | मी.टन | *** | *** | *** | *** |
|-----------|-------|-----|-----|-----|-----|
| प्रवृत्ति | | 100 | 39 | 817 | 522 |

66. यह नोट किया जाता है कि जांच की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की माल सूची में भारी वृद्धि हुई है।

च. घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

67. संबद्ध देश तथा अन्य देशों से आयात कीमत, लागत ढांचे में परिवर्तन, घरेलू बाजार में प्रतिस्पर्धा, घरेलू बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों पर प्रभाव डालने वाले पाटित आयातों के अलावा अन्य कारकों पर विचार करने से यह स्पष्ट होता है कि संबद्ध देश से आयातित माल का उतराई मूल्य घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से बहुत कम है। जिससे भारतीय बाजार में भारी कीमत अधोरदन हुआ है। पुन: यह नोट किया जाता है कि अन्य देशों से संबद्ध वस्तु का आयात काफी उच्चतर कीमतों पर हुआ है। इस उत्पाद का कोई अर्थक्षम स्थानापन्न नहीं है। यह भी नोट किया जाता है कि संबद्ध वस्तु की मांग में क्षति अविध के दौरान भारी बढ़ोतरी हुई है और यह घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाला एक प्रमुख कारक संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु का उतराई मूल्य और कच्चे माल की लागत है।

(छ) <u>पूंजी उगाहने की क्षमता</u>

- 68. निवेश उगाहने की क्षमता के संबंध में यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग क्षति अविध के दौरान मौजूदा उपयोग करने में सक्षम नहीं रहा है। पुन: यह नोट किया जाता है कि मौजूदा क्षमता देश में इस उत्पाद की मांग को पुरा करने के लिए पर्याप्त है।
- 69. आवेदनकर्ता ने तर्क दिया है कि स्थिति के वर्तमान हालात को ध्यान में रखते हुए जहां उत्पाद लगातार सही ढंग से निष्पादन नहीं कर रहा है क्योंकि लगातार पाटन के कारण नये निवेश की परिकल्पना नहीं की जा सकती है।

(ज) **वृद्धि**

70. घरेलू उद्योग के विभिन्न आर्थिक पैरामीटरों की जांच करने पर प्राधिकारी यह नोट करते है कि मात्रा पैरामीटर जैसे उत्पादन और बिक्री तथा घरेलू उद्योग के कीमत पैरामीटर वर्ष 2010-11 तक सुधार दर्शाते है और फिर जांच की अविध में गिरावट प्रदर्शित करते है। अतः घरेलू उद्योग का विकास मात्रा पैरामीटर तथा कीमत पैरामीटर दोनों के संबंध में विपरीत रहा है। घरेलू उद्योग ने विगत वर्ष 2010-11 की तुलना में जांच की अविध में मात्रा रुप और वित्तीय रुप दोनों में नकारात्मक वृद्धि रिकार्ड की है। इसके अतिरिक्त घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा देश में क्षमता मौजूद होने के बावजूद भी नकारात्मक वृद्धि प्रदर्शित करता है। अतः घरेलू उद्योग की समग्र वृद्धि विपरीत रही है।

| वृद्धि (वर्ष दर वर्ष) | इकाई | 2008-09 | 2009-10 | 2010-11 | जांच की अवधि- वार्षिकीकृत |
|------------------------|------|---------|---------|---------|------------------------------|
| उत्पादन | % | - | 93.94 | 19.98 | -27.68 |
| बिक्री मात्रा | % | - | 63.81 | 22.11 | -40.52 |
| लाभ/हानि प्रति यूनिट | % | - | -133.21 | 4.29 | -542.34 |
| निवेश पर अर्जन | % | - | 13 | 1 | -22 |
| बाजार हिस्सा | % | - | -1.28 | 1.19 | -5.81 |

(झ) पाटन का मार्जिन और विस्तार

71. यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देश से भारत को आने वाले आयात पाटन मार्जिन के न्यूनतम स्तर से अधिक है। संबद्ध देश से निर्धारित पाटन मार्जिन बहुत अधिक है।

ड.4. कारणात्मक संबंध

ड.4.1 अन्य हितबद्ध पक्षकारों के प्रस्तुतिकरण

- 72. अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने इस संबंध में निम्नलिखित प्रस्तुतिकरण किये है:-
- (ii) संबद्ध वस्तु की मांग में गिरावट घरेलू उद्योग की क्षिति का निर्धारण करने के लिए एक संगत कारक है और इस पर उस स्थिति में पर्याप्त विचार किये जाने की जरुरत है जब वर्ष 2009-10 की तुलना में जांच की अविध के दौरान चीन से आयातों में भी गिरावट आने लगी थी और जब किसी अन्य शीर्षक के अंतर्गत आयातों का दावा नहीं किया गया।

- (iiii) आयात और क्षति के बीच कोई कारणात्मक संबंध नहीं है जिसके लिए अकार्यकुशलता और मांग में गिरावट जैसे अन्य कारकों को उत्तरदायी ठराया जा सकता है।
- (iiiiii) घरेलू उद्योग को एकाधिकार पूर्ण, अकार्यकुशल और पुरानी प्रौद्योगिकी का प्रयोग करने वाली के रुप में चित्रित किया जा सकता है जिसके कारण चीन के आयातों के समक्ष इसकी प्रतिस्पर्धात्मकता धूमिल पड़ गयी।

ड 4.2 घरेलू उद्योग का प्रस्तुतिकरण

- 73. घरेलू उद्योग ने इस संबंध में निम्नलिखित प्रस्तुतिकरण किये है:-
- (ii) यह प्रस्तुत किया जाता है कि उन आयातों की मात्रा और कीमत जिनकी बिक्री पाटित कीमतों पर नहीं की गई, मांग में संकुचन या खपत की प्रणाली में परिवर्तन, या व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रक्रियाएं तथा घरेलू और विदेशी उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा, प्रौद्योगिकी में विकास, घरेलू उद्योगक की उत्पादकता अथवा निर्यात निष्पादन घरेलू उद्योग की क्षति का कारण नहीं है जैसा कि निम्नलिखित पैराग्राफों में प्रस्तुत किया गया है।
- (iiii) घरेलू उद्योग को क्षति पाटित आयातों के कारण हुई है क्योंकि:-
- क. संबद्ध आयात घरेलू उद्योग की कीमत से न्यूनतर कीमत पर उपलब्ध है इसके परिणामस्वरुप उपभोक्ताओं ने आयात को अधिक पसंद किया जिससे घरेलू उद्योग को उप-इष्टतम कीमतें प्रस्तुत करनी पड़ी।
- ख. जांच लागत में वृद्धि हुई वही उप-इष्टतम बिक्रियों के कारण बिक्री कीमत में गिरावट आयी है।
- ग. न्यून और पाटित कीमतों पर होने वाले आयात घरेलू उद्योग की कीमतों का अधोरदन कर रहे है। जिसके परिणामस्वरुप घरेलू उद्योग को लाभ, निवेश पर अर्जन और नकदी प्रवाह के रुप में क्षति हुई है।
- घ. घरेलू कीमतों के अधोरदन के कारण घरेलू उद्योग को बाजार में कीमत निग्रहण और कीमत अवमंदन का सामना करना पड़ा।
- ड. जहां तक मांग में कमी का संबंध हैं, प्रारंभिक जांच परिणाम में अपनाये गये आयात आंकड़ों को कम करके दर्शाया गया है और आयातों में यह गिरावट मांग में गिरावट से कम है जो क्षति और कारणात्मक संबंध को स्पष्ट रुप से दर्शाती है।
- च. किसी अन्य कारक से क्षति होने और किसी अन्य साक्ष्य के आधार पर स्थापित अकार्यकुशलता क्षति के लिए एक विश्वसनिय साक्ष्य नहीं है।
- छ. एकाधिकारिता, अकार्यकुशलता और पुरानी प्रौद्योगिकी के नाम पर कई अवधारणा की गई है। जो भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास के लक्ष्य पर प्रकाश डालती है।

ड.4.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

- 74. पाटनरोधी नियमावली के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी को अन्य बातों के साथ-साथ पाटित आयातों के अलावा उन सभी ज्ञात कारकों की जांच करना अपेक्षित होता है जो घरेलू उद्योग को क्षित पहुंचा रहे होते है। तािक अन्य कारकों द्वारा की जारी क्षिति के लिए पाटित आयातों को उतरदायी नहीं ठहराया जा सके। इस संबद्ध में जो कारक संगत हो सकते है उनमें अन्य बातों के साथ-साथ, निम्निलिखित शािमल है, पाटित कीमतों पर बिक्री न किये जाने वाले आयातों की मात्रा और उनका मूल्य, मांग में संकुचन अथवा खपत के प्रणाली में परिवर्तन, व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रक्रियाएं और घरेलू तथा विदेशी उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा, प्रौद्योगिकी में विकास और घरेलू उद्योग का निर्यात निष्पादन और उत्पादकता। प्राधिकारी ने यह जांच की है कि क्या पाटनरोधी नियमावली के अंतर्गत ऊपर सूचीबद्ध कारकों को घरेलू उद्योग को क्षित कारित करने के लिए उत्तरदायी ठहराया जा सकता है या नहीं। कारणात्मक संबंधों का परीक्षण निम्नवत किया जाता है:-
- (क) तृतीय देशों से आयात तथा अन्य ज्ञात कारक
- 75. जांच की अवधि के दौरान 94 प्रतिशत से अधिक आयात संबद्ध देश से हुए। तृतीय देशों से आयात मात्रा के रुप में नगण्य रहे और वह घरेलू उद्योग को क्षति कारित नहीं कर सकते है।
- (ख) मांग में संकुचन और/ या खपत की प्रणाली में परिवर्तन
- 76. प्राधिकारी नोट करते है कि क्षति अवधि के दौरान, जांच की अवधि के दौरान को छोड़कर, संबद्ध वस्तु की मांग में भारी वृद्धि प्रदर्शित होती है। प्राधिकारी द्वारा आंकड़ों का किया गया विश्लेषण यह दर्शाता है कि पाटित आयातों की मात्रा में गिरावट घरेलू उद्योग की बिक्री में गिरावट से बहुत कम थी। अत: घरेलू उद्योग को पाटित आयातों के कारण क्षति उठानी पड़ी, न कि मांग में परिवर्तन के कारण। उपलब्ध सूचना से खपत की प्रणाली में परिवर्तन को नोट नहीं किया गया।
- (ग) व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रक्रियाएं और घरेलू और विदेशी उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा

- 77. यह नोट किया जाता है कि संबद्ध वस्तु के लिए एकल बाजार है जहां संबद्ध देशों से पाटित आयात घरेलू उद्योग द्वारा आपूर्ति किये गये संबद्ध वस्तु से सीधे प्रतिस्पर्धा करते हैं। यह नोट किया जाता है कि आयातित संबद्ध वस्तु और घरेलू रुप से उत्पादित संबद्ध वस्तु समान वस्तुएं हैं और उनका प्रयोग समान अनुप्रयोगों/ अंतिम प्रयोगों के लिए किया जाता है। ऐसा कोई व्यापार प्रतिबंधात्मक साक्ष्य नहीं है और विदेशी उत्पादकों तथा घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा भी नहीं है जिससे घरेलू को क्षति हो रही हो।
- (घ) प्रौद्योगिकी में विकास
- 78. प्रौद्योगिकी में विकास का कोई आरोप नहीं है और न ही किसी अविष्कार से घरेलू उद्योग को संभावित क्षति प्रदर्शित हुई है जिसके लिए प्रौद्योगिकी में विकास को उत्तरदायी ठहराया जा सकता है।
- (ड.) निर्यात निष्पादन
- 79. आवेदनकर्ता ने भारी निर्यात किये है। तथापि प्राधिकारी ने केवल घरेलू प्रचालनों और घरेलू लाभप्रदायकता पर ही विचार किया है।
- (च) घरेलू उद्योग की उत्पादकता
- 80. यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग की उत्पादकता में कोई वास्तविक परिवर्तन नहीं आया है। इसलिए उत्पादकता में परिवर्तन को घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति के लिए उत्तरदायी नहीं ठहराया जा सकता है।
- ड.4.4 कारणात्मक संबंध स्थापित करने वाले पैरामीटर
- 81. प्राधिकारी यह नोट करते है कि अन्य सूचीबद्ध ज्ञात कारक यह प्रदर्शित नहीं करते हैं कि घरेलू उद्योग को क्षति इन्हीं कारकों द्वारा कारित की गई है, निम्नलिखित पैरामीटर यह दर्शाते हैं कि घरेलू उद्योग को क्षति पाटित आयातों के कारण हुई है।
- (क) जांच की अवधि में घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आयी है और आयातों में वृद्धि के परिणाम स्वरुप संबद्ध आयात बढ़े हैं।
- (ख) आयातों से घरेलू बाजार में भारी कीमत अधोरदन हो रहा था। इसके परिणाम स्वरुप घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा में विगत वर्ष 2010-11 की तुलना में जांच की अवधि में गिरावट से अधिक गिरावट आयी। और घरेलू उद्योग के हिस्से में गिरावट संबद्ध देश से आयात की मात्रा में गिरावट की तुलना में बहुत अधिक थी।
- (ग) संबद्ध देश से पाटित आयात घरेलू उद्योग की कीमतों का निग्रहण कर रहे है। चूंकि घरेलू उद्योग ने अपनी बिक्री कीमत उतराई कीमत के बिलकुल अनुरुप रखने का प्रयास किया है इसलिए कीमतों में गिरावट आयी जबिक उत्पादन लागत में बढ़ोतरी हुई। यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग द्वारा अनुभव किया जा रहा कीमत निग्रहण संबद्ध देश से पाटित आयातों की कम कीमतों के कारण हुआ है और यह निग्रहण जांच की अविध में और अधिक बढ़ गया।
- (घ) घरेलू उद्योग को कीमत में बढ़ोतरी होने के बावजूद बाजार में पाटित आयातों की मौजूदी के कारण, जांच की अविध में अपनी कीमतें कम करने के लिए मजबूर होना पड़ा। इसके परिणामस्वरुप लाभ तथा निवेश पर अर्जन में गिरावट आयी है।
- (ड.) आयातों की उतराई कीमत घरेलू उद्योग की कीमतों का अधोरदन और अधोबिक्रयण कर रही थी। कीमत अधोरदन, कीमत अधोबिक्रयण और संबद्ध देश से आयातों की भारी मात्रा के कारण घरेलू उद्योग की समग्र लाभ प्रदायकता और उसके बाजार हिस्से में गिरावट आयी है।
- (च) घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा और बाजार हिस्से में गिरावट के परिणामस्वरुप जांच की अवधि में घरेलू उद्योग के उत्पादन में गिरावट आयी है। इसके परिणामस्वरुप घरेलू उद्योग के क्षमता उपयोग में भी गिरावट दर्ज हुई है।
- 82. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत पर विचार करते हुए घरेलू उद्योग के लिए गैर क्षतिकारित कीमत का निर्धारण किया है। घरेलू उद्योग की गैर क्षतिकारी कीमत की तुलना क्षति मार्जिन का निर्धारण करने के लिए प्रत्युत्तरदाता उत्पादकों और निर्यातकों के संबद्ध आयातों के उतराई मूल्य से की है। क्षति मार्जिन की संगणना निम्नवत की गई है:-

(अमरीकी डालर/कि.ग्रा)

| उत्पादक | निर्यातक | गैर | उतराई | क्षति | क्षति | क्षति |
|--------------------|--------------|------------|-------|---------|----------|---------|
| | | क्षतिकारित | कीमत | मार्जिन | मार्जिन% | मार्जिन |
| | | कीमत | | | | रेंज |
| जियांगशु टियानजीआई | चांगशैंन | *** | *** | *** | *** | 15-25 |
| केमिकल कंपनी लि. | हाईचैंग | | | | | |
| | केमिकल कंपनी | | | | | |
| | लि. | | | | | |

| झिजियांग अमीनों कैम कंपनी लि. | झिजियांग अमीनों कैम कंपनी लि. | *** | *** | *** | *** | 15-25 |
|--|--|-----|-----|-----|-----|-------|
| चीन जन.गण का कोई अन्य उत्पादक/ निर्यातक | चीन जन.गण का कोई अन्य उत्पादक/ निर्यातक | *** | *** | *** | *** | 20-30 |

83. निर्धारित किये गये पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन के स्तर को महत्वपूर्ण माना गया है।

ड.5 क्षति एवं कार्यकारण संबंधी निष्कर्ष

- 84. संबद्ध देश से पाटित आयातों की मात्रा में समग्र रुप से भारी वृद्धि हुई है। संबद्ध वस्तु के कुल आयातों में पाटित आयातों का बाजार हिस्सा बहुत अधिक रहा है। यह भी नोट किया जाता है कि पाटित आयात बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों का अधोरदन कर रहे थे। यह भी निर्धारित किया जाता है कि पाटित आयातों का कीमत निग्रहण और कीमत अधोविक्रयण के रुप में भारी विपरीत कीमत प्रभाव हुआ है। इसके अतिरिक्त संबद्ध देश से प्रत्युत्तरदाता उत्पादकों और निर्यातकों के पाटन मार्जिन का निर्धारण किया गया है और उसे बहुत अधिक माना गया है।
- 85. यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों का घरेलू उद्योग के उत्पादन और बिक्री स्तर पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। इसके अतिरिक्त यह भी नोट किया जाता है कि पाटित आयातों का कीमत निग्रहण और कीमत अवमंदन के रुप में भारी विपरीत कीमत प्रभाव पड़ा है जिसने लाभ और निवेश पर अर्जन में भारी गिरावट पहुंचाई है। इसलिए प्राधिकारी निष्कर्ष निकालते हैं कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है और यह क्षति संबद्ध देश से पाटित आयातों के मात्रा और कीमत प्रभाव के कारण कारित की गई। इसलिए प्राधिकारी यह धारित करते हैं कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के कारण हुई है।

च. भारतीय उद्योग का हित तथा अन्य मुद्दे

च 1 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किये गये प्रस्तुतिकरण

- 86. इस संबंध में अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित प्रस्तुतिकरण किये गये है:-
- (ii) पूरी तरह से अपात्र एवं अयोग्य मामले के लिए मनमानी और अवांछित अनंतिम शुल्क अधिरोपित किया गया जिसके कारण ऐसे अधिरोपण के लिए कारण और परिस्थितियों की अपर्याप्तता से नियम 12 का उल्लंघन हुआ।
- (iiii) एकल उद्योग उत्पादन यथा राष्ट्रीय हित के लिए सुविधा संतुलन तथा बेन्जीन की घटती बढ़ती कीमतों पर विचार करते हुए संदर्भ कीमत आधारित शुल्क बहुत अधिक पर्याप्त है जैसा कि सीईएस टीएटी ने कल्याणी स्टील लिमिटेड बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी मामले में धारित भी किया गया है।

च.2 घरेलू उद्योग द्वारा किया गया प्रस्तुतिकरण

- 87. इस संबंध में घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित प्रस्तुतिकरण किये हैं।
- (ii) प्राधिकारी द्वारा प्रारंभिक जांच परिणाम में निकाले गये निष्कर्ष के अनुरुप अनंतिम शुल्क का अधिरोपण सही ही किया जा रहा है। ऐसे अधिरोपण को आवेदनकर्ता द्वारा शुरु किये गये मामले के प्रकाश में अवांछित और मनमाना नहीं धारित किया जा सकता है।
- (iiii) चांगशैंन हाईचैंग केमिकल कंपनी लि. के लिए पृथक पाटनरोधी शुल्क का कोई आधार नहीं है क्योंकि इसने एक तो प्रत्युत्तर नहीं दिया और दूसरे प्राधिकारी के पास पूर्वउदाहण भी मौजूद है। विधि में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है जिसमें कहा गया हो कि पहले उत्पादक के लिए क्षिति मार्जिन निर्धारित की जाए और फिर बाद में पाटन मार्जिन का निर्धारण निर्यातकों के लिए किया जाए।
- (iiiiii) बेन्जीन की घटती-बढ़ती कीमतों के प्रकाश में संदर्भ कीमतों का निश्चय करना व्यवहार प्रतीत नहीं होता है और इस गलती से घरेलू उद्योग को पाटन एवं सतत क्षति का सामना करना पड़ा।

- 88. प्राधिकारी यह नोट करते है कि पाटन शुल्क का प्रयोजन सामान्यत: पाटन की अनुचित प्रक्रियाओं द्वारा घरेलू उद्योग को कारित की जा रही क्षति का उपशमन करना है ताकि भारतीय बाजार में मुक्त एवं उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति पुन: स्थापित हो सके जो देश के सामान्य हित में हो। पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण संबद्ध देश से आयातों को किसी भी तरह से प्रतिबंधित नहीं करेगा और इसलिए उपभोक्ताओं को इस उत्पाद की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी।
- 89. यह माना जाता है कि पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण संबद्ध वस्तु का उपयोग करते हुए विनिर्मित उत्पाद के कीमत स्तर को प्रभावित कर सकता है और इसके परिणामस्वरुप इसका इस उत्पाद की संबंधित प्रतिस्पर्धात्मकता पर कुछ प्रभाव पड़ सकता है। तथापि भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण करके कम नहीं होगी विशेषकर यदि पाटनरोधी शुल्क को घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति का निराकरण करने के लिए एक आवश्यक राशि तक प्रतिबंधित कर दिया जाए। इसके विपरीत पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण पाटन की प्रक्रियाओं द्वारा अर्जित अनुचित लाभ को दूर करेगा जिससे घरेलू उद्योग के कार्यनिष्पादन में आयी गिरावट दूर होगी और उपभोक्ताओं को संबद्ध वस्तु की व्यापक उपलब्धता बनाये रखने में सहायता प्राप्त होगी।

छ. सिफारिश

- 90. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किये गये प्रस्तुतिकरणों और उनमें उठाये गये मुद्दों की जांच करने तथा रिकार्ड में उपलब्ध तथ्यों पर विचार करने के पश्चात प्राधिकारी निष्कर्ष निकालते है कि:
 - (क) विचाराधीन उत्पाद का संबद्ध देश से सामान्य मूल्य से कम मूल्य पर निर्यात किया गया।
 - (ख) घरेलू उद्योग को संबद्ध देश से संबद्ध आयातों के कारण वास्तविक क्षति हुई है।
 - (ग) यह वास्तविक क्षति संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के कारण हुई है।
- 91. प्राधिकारी नोट करते है कि यह जांच प्रारंभ की गई और इसकी सूचना सभी हितबद्ध पक्षकारों को दी गई। निर्यातकों, आयातकों तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पाटन, क्षित और कारणात्मक संबंध के पहलूओं पर सूचना प्रदान कराने के लिए पर्याप्त अवसर दिया गया। पाटन, क्षित और उनके कारणात्मक संबंधों की एक जांच पाटनरोधी नियमावली में उल्लिखित शर्तों के अनुरुप शुरु करने और आयोजित करने और यह स्थापित करने के पश्चात कि सकारात्मक पाटन मार्जिन हैं और घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षित इन आयातों द्वारा कारित हुई है, जैसा कि प्रारंभिक जांच परिणाम में अधिसूचित किया गया है, प्राधिकारी का विचार है कि पाटन एवं क्षित को दूर करने के लिए निर्णायक शुल्क का अधिरोपण किया जाना अपेक्षित है। प्राधिकारी द्वारा अपनाये जाने वाले न्यूनतर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटन के मार्जिन और क्षिति के मार्जिन से न्यूनतर के बराबर निर्णायक पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण करने की सिफारिश करते है। क्षितिमार्जिन का निर्धारण करने के प्रयोजनार्थ विचाराधीन उत्पाद के आयातों के उतराई मूल्य की तुलना इस जांच की अवधि के लिए निर्धारित घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित घरेलू समान उत्पाद की गैर क्षितकारी कीमत से की गई।
- 92. शुल्क ढांचे के संबंध में मामले के तथ्यात्मक तथ्यों को ध्यान में रखते हुए और हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाये गये तर्कों, प्रदान करायी गई सूचना और किये गये प्रस्तुतिकरणों का सम्मान करते हुए पाटनरोधी शुल्क के निश्चित रुप की सिफारिश करना उपयुक्त प्रतीत होता है।
- 93. प्राधिकारी द्वारा अपनाये जाने वाले न्यूनतर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटन के मार्जिन और क्षिति के मार्जिन के न्यूनतर के बराबर पाटनरोधी शुल्क अधिरोपित करने की सिफारिश करते है जिससे कि घरेलू उद्योग को होने वाली क्षिति दूर की जा सके। तद्नुसार चीन जन गण के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के सभी आयातों पर निम्नलिखित तालिका के कॉलम 7 में दर्शायी गई राशि के बराबर पाटनरोधी शुल्क अधिरोपित करने की सिफारिश की जाती है।

शुल्क तालिका

| का.सं. | | | | | | | | | |
|-------------|----------------------------|--|---------------------------------------|----------------------------|---|--|---------------|----------|--------|
| | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 |
| क्र. सं. | शीर्ष/उपशीर्ष | वस्तु विवरण | उदगम का देश | निर्यात का देश | उत्पादक | निर्यातक | शुल्क की राशि | इकाई | मुद्रा |
| 1 | 29215120 और 29215190 | 'मेटा फिनायलीन डायामाइन' (एमपीडीए * | चीन जन.गण. | चीन जन.गण. | जियांगशु टियांन जीआई केमिकल कंपनी लि. | चैंगशैन हाईचेंग केमिकल कंपनी लि. | 0.574 | कि.ग्रा. | अम.डा. |
| 2 | 29215120 और 29215190 | 'मेटा फिनायलीन डायामाइन' (एमपीडीए)* | चीन जन.गण. | चीन जन.गण. | झेजियांग अमीनों केमिकल कंपनी लि. | झेजियांग अमीनों केमिकल कंपनी लि. | 0.615 | कि.ग्रा. | अम.डा. |
| 3 | 29215120 और 29215190 | 'मेटा फिनायलीन डायामाइन' (एमपीडीए)* | चीन जन.गण. | चीन जन.गण. | उपर्युक्त उत्पा | र 2 में उल्लिखित दक और निर्यातक के ाई अन्य संयोजन | 0.780 | कि.ग्रा. | अम.डा. |
| 4 | 29215120 और 29215190 | 'मेटा फिनायलीन डायामाइन' (एमपीडीए)* | चीन जन.गण. | चीन जन.गण. के अलावा कोई | कोई | कोई | 0.780 | कि.ग्रा. | अम.डा. |
| 5 | 29215120 और 29215190 | 'मेटा फिनायलीन डायामाइन' (एमपीडीए)* | चीन जन.गण. के अलावा कोई अन्य | चीन जन.गण. | कोई | कोई | 0.780 | कि.ग्रा. | अम.डा. |

- मेटा फिनायलीन डायामाइन (एमपीडीए) को निम्नलिखित नामों से भी जाना जाता है एम-फिनायलीन डायामाइन, 1, 3-बेन्जीनडायामाइन, एम- अमीनोएनीलाइन, एम-बेंजीनडायामाइन, एम- डायामीनोबेन्जीन, 1,3- फिनायलीनडायामाइन, 3- एमीनोएनीलाइन, एम-फिनायलीनडायामाइन, फिनायलीनडायामाइन, फिनायलीनडायामाइन, फिनायलीनडायामाइन, मेटा।
- 94. इस प्रयोजनार्थ आयातों का उतराई मूल्य सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 के अंतर्गत सीमाशुल्क द्वारा यथानिर्धारित आकलनीय मूल्य होगा तथा सीमाशुल्क के सभी शुल्क, सीमाशुल्क प्रशुल्क अधिनियम, 1975 की धारा 3, 3क, 8ख, 9क के अंतर्गत शुल्क को छोड़कर होंगे।
- 95. उपर्युक्त के अध्यधीन प्राधिकारी 01 जनवरी, 2013 के प्रारंभिक जांच परिणाम की संपुष्टि करते है।
- 96. केन्द्रीय सरकार द्वारा इसे स्वीकार कर लिए जाने के पश्चात इस जांच परिणाम के विरुद्ध 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क प्रशुल्क अधिनियम, 1975 और सीमाशुल्क प्रशुल्क नियमावली, 1995 के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद कर और सेवाकर अपीलीय अधिकरण (सीईएसटीएटी) में अपील की जा सकेगी।

जे.एस.दीपक, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi,the 17th December, 2013 **Final Findings**

Sub: Anti-dumping investigation concerning imports of Meta Phenylene Diamine (MPDA) originating in or exported from China PR -

No.14/4/2012-DGAD.—Having regard to Customs Tariff Act, 1975 as amended from time to time (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules thereof, as amended from time to time (hereinafter referred to as the AD rules).

A.PROCEDURE

- 1. The procedure described below has been followed:
 - (i) The Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority), under the above Rules, received a written application from M/s Aarti Industries Ltd., Mumbai (hereinafter referred to as the applicant) on behalf of the domestic industry, alleging dumping of **Meta Phenylene Diamine (MPDA)** originating in or exported from People's Republic of China PR (hereinafter referred to as China PR or subject country).
 - (ii) Preliminary scrutiny of the application revealed certain deficiencies, which were subsequently rectified by the Applicant. The application was, therefore, considered as properly documented.
 - (iii) The Authority, on the basis of sufficient evidence submitted by the Applicant to justify initiation of the investigation, decided to initiate the investigation against imports of the subject goods from the subject country.
 - (iv) The Authority notified the embassy of the subject country in India about the receipt of dumping allegation before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub-Rule 5(5) of the AD Rules.
 - (v) The Authority issued a public notice dated 19th June 2012 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating anti-dumping investigation concerning imports of the subject goods.
 - (vi) The Authority forwarded a copy of the public notice to all the known exporters (whose details were made available by the Applicant) and industry associations and gave them opportunity to make their views known in writing in accordance with the Rule 6(2) of the AD Rules.
 - (vii) The Authority also forwarded a copy of the public notice to all the known importers of the subject goods in India and advised them to make their views in writing within forty days from the date of the letter.
 - (viii) The Authority provided a copy of the non-confidential version of application to the known exporters and the embassy of the subject country in India in

- accordance with Rule 6(3) of the AD Rules. A copy of the Application was also provided to other interested parties, wherever requested.
- (ix) The Authority sent questionnaires to elicit relevant information to the following known exporters in subject country in accordance with Rule 6(4) of the AD Rules:

Shanghai Amino-Chem Co. Ltd. 31/F King Tower, No. 28 Xinjinqiao Road, Pudong, Shanghai, 201206 P.R.C

Jaingsu Tianjiayi Chemical Co., Limited Nijiaxiang, Zhouzhuang, Jiangyin, Jiangsu, China 214423

(x) In response to the initiation notification, the following exporters / producers from China PR have responded:

| S.N. | Name of Exporter/ Producer | Exporter/ Producer |
|------|--------------------------------------|---------------------|
| 1 | Zhejiang Amino Chem Co. Ltd. | Producer & Exporter |
| 2 | Changshan Haichang Chemical Co. Ltd. | Exporter |
| 3 | Jiangsu Tianjiayi Chemical Co. Ltd. | Producer |

- (xi) A response was also filed by M/s Shanghai Amino-Chem. Co. Ltd stating that the company has only sold the subject goods in the domestic market and has not exported the subject goods to India.
- (xii) Questionnaires were sent to the following known importers / users of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4) of the AD Rules:

| Aaishwariya Chemicals Pvt. Ltd. |
|--|
| 263/2, Phase-2, GIDC, Vatva, Ahmedabad-382445 |
| Ankur Chemicals, |
| G 1 - 198, Gudli Industrial Area, Udaipur. |
| Aries Organics Pvt. Ltd., |
| Plot No.441, Phase-II, G.I.D.C. Vatva, |
| Ahmedabad-382445 |
| Chemworld Inc., |
| 409, Haash Business Centre, Near Ankur School, |
| Fateh Nagar, Paldi, Ahmedabad |
| Hexone Interchem Pvt. Ltd., |
| Opp. Katwad Patiya, N.H. No.8, Dalpur, Tal-Prantij, |
| Dist-Sabarkantha, 393002, Gujarat |
| Indo Colchem Ltd., |
| Plot No.36, Phase-II, GIDC, Vatva, Ahmedabad-382445 Gujarat |
| Krishna Industries, |
| L/30/46/1&2,Phase-III,GIDC, Naroda, Ahmedabad-382330,Gujarat |

Macsen Laboratories, Ambamata Ki Ghati, Village Titerdi, Tehsil Girva, Udaipur, 313001 Novacid Pvt.Ltd., 263/A-B, G.I.D.C., Pandesara, Surat, Gujarat Prashant Industries, Plot No:3408/D, Phase-IV, G.I.D.C. Estate, Vatva, Ahmedabad-382445 Gujarat Shree Pushkar Petro Products Ltd., B-103 MIDC Lote Parshuram, Taluka Khed, Dist Ratnagiri, Maharashtra, 415722 Solar Dyes Industries, Plot No.8103, GIDC Estate, Sachin, Surat, 394230, Gujarat Hindprakash International, A-414, Atma House, Opp. Old RBI, Ahmedabad Yash Chemex Inc., Plot No: 457, Phase-II, G.I.D.C Estate, Vatva, Ahmedabad-382445 Anil Colours Industries Pvt. Ltd., Plot No.125/1, GIDC Estate, Nandesari, Gujarat Aries Dye Chem Industries, C-1/260, Phase II, GIDC, Vatva, Ahmedabad-382445, Gujarat Bodal Chemicals Ltd Unit I. Plot No.110, Phase-II, G.I.D.C.Estate, Vatva, Ahmedabad, Gujarat Chhatariya Dye Stuff P.Ltd., Near G.I.D.C.Estate, Mahuva, Bhavanagar-364290, Gujarat Hexone Interchem Pvt. Ltd., Palak, Sahjanand Park, Jeevan Dhara Society, Gayatri Mandir Road, Mahavirnagar, Himmat Nagar – 383001 Jainik Industries, 605-A, Phase-IV, Gidc, Vatva, Ahmedabad-382445, Gujarat Loxim Industries Limited, Plot No. 105/109-A,ECPL Road, Village- Ekalbara, Padra Dist., Vadodara, 391440 Monica Industries, C/1,421,422,Phase-II, Near Vinzol Crossing, G.I.D.C., Vatva, Ahmedabad-382445, Gujarat Orjet Intermediates Pvt. Ltd., C-1/B-13, Phase-II, G.I.D.C., Vatva, Ahmedabad-382445, Gujarat Rohan Dyes & Intermediates Ltd., Plot No.115-117,123, Phase-I, G.I.D.C., Vatva, Ahmedabad-382445 Shreeji Organics, Plot No.3421, Phase-IV, G.I.D.C., Vatva, Ahmedabad-382445 Synthopharma Chemicals, C-1-220-221/3, Phase-II, G.I.D.C, Naroda, Ahmedabad-382330 Chemex Chemical. 107, Udyog Kshetra, Link Road, Mulund (W), 400080, Mumbai

- xiii In response to the initiation notification, the following importers/users and association have made submissions:
 - 1. The Dyestuffs Manufacturers' Association of India
 - 2. M/s. Ravi Dyeware Co. Ltd.
 - 3. M/s Lonsen Kiri Chemical Industries Ltd.
 - 4. M/s. Spectrum Dyes & Chemicals
- xiv The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties. During the investigation proceedings, the interested parties mentioned above as well as the domestic industry submitted information pertinent to the investigations and submissions made by all interested parties have been taken into account in present findings.
- xv Information provided by interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non confidential version of the information filed on confidential basis.
- xvi. Further information was sought from the applicant and other interested parties to the extent deemed necessary.
- xvii. The Non-injurious Price based on the cost of production and cost to make and sell the subject goods in India based on the information furnished by the domestic industry on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) has been worked out so as to ascertain whether Anti-Dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the Domestic Industry;. Investigation was carried out for the period starting from 1st October 2010 to 31st December 2011(POI). The examination of trends, in the context of injury analysis covered the period from 2008-09, 2009-10, 2010-11 and POI.
- xviii. Exchange rate for conversion of US\$ to Rs. is considered for the POI as Rs.46.58 as per customs data.
 - xix. Request was made to the Director General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S), Kolkata to arrange details of imports of subject goods in India for the period of investigation and preceding three years and the same was received.
 - xx. The verification of the domestic industry's and exporter's information & data, to the extent deemed necessary, was conducted.
 - xxi. The Authority, having regard to the Act and the AD Rules, recommended imposition of provisional Anti-Dumping duties concerning imports of MPDA originating in or exported from China PR, vide its Preliminary findings Notification No 14/4/2012 DGAD dated 1st January, 2013. The recommendations made by the Designated Authority were accepted by the Ministry of Finance and interim duties were levied vide notification no. 02/2013 dated 22nd March, 2013.
- xxii. In accordance with Rule 6(6) of the AD Rules, the Authority also provided opportunity to all interested parties to present their views orally in a public hearing held on 5th March, 2013.

- xxiii. The parties, which presented their views in the public hearing, were requested to file written submissions of the views expressed orally. The arguments made in the written submissions/rejoinders received from the interested parties have been considered. In accordance with Rule 16 of the Rules supra, the essential facts/basis considered for these findings were disclosed to known interested parties and comments received on the same have been considered in Final Findings. The following interested parties have commented to the disclosure statement
 - i. Zhejiang Amino-Chem Co., Ltd. (Producer/Exporter)
 - ii. Lonsen Kiri Chemical Industries Limited (Importer)
 - iii. The Dyestuffs Manufacturers' Association of India (Association)
 - iv. Ravi Dyeware Co. Ltd.(Importer)
 - v. The domestic industry
- xxiv. The Central government upon the request from DGAD extended the date for completing the subject investigations and notifying the final findings till 18th December, 2013.
- xxv. *** in this final findings represents information furnished by the applicants on confidential basis, and so considered by the Authority under the Rules.

B. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE

- 2. The product under consideration in the present investigation is 'Meta Phenylene Diamine' (MPDA). Commercially, it is also called MPD or MPDA. Under normal (room) conditions, it is a colourless or white colour solid, which tends to turn red, purple (dark colour) in air, on storage. Meta Phenylene Diamine has two amino groups attached to a Benzene ring, at Meta position, with respect to each other. It is an isomer of o- Phenylene Diamine (Ortho Phenylene Diamine) and p-Phenylene Diamine (Para Phenylene Diamine). Meta Phenylene Diamine functions as a chemical intermediate. MPDA as a chemical intermediate is used for manufacturing dyes, engineering polymer, aramid fiber and in photography & medical applications.
- 3. 'Meta Phenylene Diamine' is classified under Chapter 29 at subheading no. 29215120 in the Customs Tariff Act. However, Customs classifications are indicative only and in no way binding on the scope of this investigation and proposed measures.

B.1 Views of Exporters, Importers, Consumers and other Interested Parties

- 4. The following are the views of Zhejiang Amino Chem:
 - a) There are four types of MPDA produced by the company grey molten (99.5%), grey flake (99.9%), white molten (99.9%) and white flake (99.9%).
 - b) The company has exported grey molten and white flake to India in the investigation period.
 - c) While the subject goods are produced in four different grades, grey and white are two major classification where again white grade is extremely different in terms of chemical specifications, manufacturing process and technology, end use application, interchangeability and difference in cost and selling price.

- d) Further, domestic industry neither has production technology nor does it produce white molten/flake MPDA; as such it must be excluded.
- e) Post disclosure, the exporter M/s Zhejiang Amino Chem has reiterated its views with regard to product under consideration and like article. It has been submitted that the product Scope and Like Article determination requires detailed examination as Grey grade and White grade MPDA are two different products. It has been reiterated that Aarti Industries Ltd. does not have production techniques and required equipment to produce the white molten/white flake MPDA. The grey molten/grey flake MPDA and the white molten/white flake MPDA has non-interchangeable and different function/using purpose. Those different types of MPDA have significant different end-using fields.

B.2 Views of the Domestic Industry

- 5. The following are the views of the domestic industry:
 - (i) The product under consideration in the present petition is 'Meta Phenylene Diamine', also referred to as MPDA in the petition. Other names of the product under consideration are *m* Phenylene Diamine, 1,3- diaminobenzene, 1, 3- Benzenediamine, m- Aminoaniline, m- Benzenediamine, m- Diaminobenzene, 1,3- Phenylenediamine, 3- Aminoaniline, m- Fenylendiamin, Phenylenediamine, m, m- Aminoaline and Phenylenediamine, meta. Commercially, it is also called MPD or MPDA.
 - (ii) Under normal (room) conditions, it is a colourless or white colour solid, which tends to turn red, purple (dark colour) in air, on storage.
 - (iii)Meta Phenylene Diamine has two amino groups attached to a Benzene ring, at Meta positions, with respect to each other. It is an isomer of *o* Phenylene Diamine (Ortho Phenylene Diamine) and *p* Phenylene Diamine (Para Phenylene Diamine).
 - (iv)The responding exporter has not established having exported both grades of the product under consideration.
 - (v) There is no known import of white form of MPDA in India.
 - (vi) The applicant in fact produced and supplied both forms of MPDA.
 - (vii) Mere bald statements by exporters as to different product grades in the absence of supporting evidence may be rejected.
 - (viii) Significant imports of the product under consideration are being reported in other classifications as well. The applicant, therefore, requested the Authority to call import data from the DGCI&S for the customs classification 29215190
 - (ix) Post Disclosure, the domestic industry has submitted that it is producing and selling both white and grey grades of MPDA and therefore exclusion of the white grade from the scope of product under consideration is not warranted/justified.
 - (x) The Petitioner has requested the Designated Authority to kindly specify in the duty table, either as product description, or by way of footnote, all description of the product under consideration, i.e., 'Meta Phenylene Diamine' (MPDA), also known as m- Phenylene Diamine, 1,3- diaminobenzene, 1, 3- Benzenediamine, m- Aminoaniline, m- Benzenediamine, m- Diaminobenzene, 1,3-Phenylenediamine, 3- Aminoaniline, m- Fenylendiamin, Phenylenediamine, and m-Aminoaline, Phenylenediamine meta.

B.3 Examination by the Authority

- 6. The Authority has noted the arguments advanced by various interested parties. It is noted that the difference in the physical form of the product does not mean that the product is a different product. While claiming that the product under consideration is produced in different forms, the responding exporter has not provided any information to establish that these different grades differ significantly in terms of their associated costs and prices. Nor the responding exporter has provided any verifiable evidence nor established the need for exclusion of any particular product type. All types of the product under consideration are within the scope of present investigations.
- 7. Accordingly, the product under consideration is defined as 'Meta Phenylene Diamine' (MPDA), also known as
 - *m* Phenylene Diamine, 1,3- diaminobenzene, 1, 3- Benzenediamine, m- Aminoaniline, m- Benzenediamine, m- Diaminobenzene, 1,3-Phenylenediamine, 3- Aminoaniline, m- Fenylendiamin, Phenylenediamine, and m-Aminoaline, Phenylenediamine meta.
- 8. The subject goods fall under Tariff Item '29215120' of the Customs Tariff. However, customs classifications are indicative only and in no way binding on the scope of the present investigation and proposed measures. It has been contended by the applicant that the imports of the product have also been reported under customs classification 29215190. It is noted that significant volumes of the product have been reported in the above mentioned classification as well. Therefore, imports of the product reported under customs classification 29215190 have also been considered.

B.4 Like Article

9. Rule 2(d) of the AD Rules defines like article as follows:

"an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such article, another article which although not alike in all respects, has the characteristics closely resembling those of the articles under investigation".

- 10. The applicant has claimed that the subject goods produced by the domestic industry are identical to the product under consideration being imported into India. The applicant claimed that there is no known difference in the applicant's product and product under consideration exported from the subject country and the two are comparable in terms of characteristics such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. There is no significant difference in the subject goods produced by the applicant and those exported from the subject country and both are technically and commercially substitutable. It has been contended by other interested parties that the product under consideration is produced and sold in two major grades grey and white. They have further contended that the domestic industry produces only grey grade of the goods and white grade should be excluded from this investigation in terms of its extreme difference, and the applicant industry could not produce them. The domestic industry has provided evidence that they have produced and supplied white grade of the product.
- 11. The Authority has examined the matter and notes that there is no known difference in subject goods produced by the domestic industry and exported from the subject country. The subject goods produced by the domestic industry and that imported from the

subject country are comparable in terms of characteristics such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially substitutable. The consumers are using the two interchangeably. In view of the same, the subject goods produced by the applicant company are being treated as domestic like article to the product under consideration imported from the subject country in accordance with the anti dumping Rules.

C.SCOPE OF DOMESTIC INDUSTRY AND STANDING

- 12. Rule 2 (b) of the AD rules defines domestic industry as under:
 - "(b) "domestic industry" means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term 'domestic industry' may be construed as referring to the rest of the producers"
- 13. The application was filed by M/s Aarti Industries Ltd, Mumbai (referred to as the applicant) as the domestic industry of the subject goods in India. The applicant is the only producer of MPDA in the Country and, therefore, the production of the applicant accounts for 100% of domestic production of like article in India. None of the interested parties have raised any objection with regard to standing and domestic industry status of the applicant. In view of the same and after due examination, it is held that the applicant satisfies the requirements of standing and constitutes domestic industry in terms of Rule 2(b) and Rule 5(3) of the AD Rules respectively.

D. NORMAL VALUE AND DUMPING MARGIN

D.1 Normal value in China PR

D.1.1 <u>MET Examination and normal value for all producers and exporters from China PR</u>

- 14. The Authority notes that in the past three years China PR has been treated as non-market economy country in the anti-dumping investigations by other WTO Members. Therefore, in terms of Para 8 (2) of the annexure 1 of AD rules, China PR is to be treated as a non-market economy country subject to rebuttal of the presumption by the exporting country or individual exporters in terms of the Rules for the purposes of present determination.
- 15. As per Paragraph 8 of the Annexure I to the Anti Dumping Rules as amended, the presumption of a non-market economy can be rebutted if the exporter(s) from China PR provides information and sufficient evidence on the basis of the criteria specified in sub paragraph (3) in Paragraph 8 and establish to the contrary. The cooperating exporters/producers of the subject goods from China are required to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 in response to the Market Economy Treatment questionnaire to enable the Designated Authority to consider the following criteria as to whether:-

- a) The decisions of concerned firms in China PR regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labor, output, sales and investment are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;
- b) The production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;
- c) Such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms and
- d) The exchange rate conversions are carried out at the market rate.
- 16. The Authority notes that responding producers/exporters of the subject goods from China PR have submitted their questionnaire responses and responses to the market economy questionnaire consequent upon the initiation notice issued by the Authority and have sought to rebut the non-market economy presumption. The questionnaire responses and the market economy responses of the responding producers and exporters have been examined for determination of normal value of the responding producers/ exporter of the subject goods from the subject country as follows.

Views of the Domestic Industry on the issue of MET treatment and dumping

The following are the views of the domestic industry:

- (i) Para 8(2) of Annex I to Antidumping Rules 1995 casts a presumption that any country that has been determined to be, or has been treated as NME country for purposes of an anti-dumping investigation by the Authority themselves or by the competent authority of any WTO member country during the three year period preceding the investigation, shall be treated as a NME country. The Authority itself, in every investigation conducted in the last three years, has treated China PR as a Non-Market Economy country. It is well known that almost every WTO member including USA and the European Union have repeatedly been treating China PR as a NME country.
- (ii) Proviso to Paragraph 8(2) of Annex I to the Antidumping Rules 1995 provides that exporters may rebut the presumption by providing information and evidence that establishes China PR is not a NME country.
- (iii) Paragraph 8(3) of Annex I to AD Rules provides that individual exporters may provide information and evidence to establish that market economy conditions prevail for them. The claim made by the co-operating exporters under this paragraph, however, should not be accepted for various reasons provided in subsequent paragraphs.
- (iv) It is pertinent to point out that the responses, besides being inadequate and insufficient in terms of information, also does not meet the set proforma provided by the Authority.
- (v) While there is barely any information furnished in the non-confidential version in any of the responses, the information provided elsewhere is incomplete and merely acts as a 'reference book' or replica of sample format. Being devoid of relevant information, the responses do not provide any opportunity for domestic industry to make objective comments.

- (vi) On the MET status claimed by Zhejiang Amino it is submitted that the same may be rejected and the exporter cannot be given market economy treatment on the following grounds: Former chairman, Mr. Ruan Shuilong, of the holding company Longsheng Group Co., Ltd. is a well known member of the Communist Party of China. This is in the light of the fact that the current chairman Mr. Ruan Weixiang of the holding company is son of Mr. Ruan Shuilong, thus, establishing a strong nexus between the State and exporter.
- (vii) Further, one of the affiliate companies, Hangzhou Longhsan Chemical Co. Ltd. used to be a well known state-owned factory and it has only recently seen a turnaround in its shareholding pattern. This company is also one of the major suppliers of raw material to the exporter. Thus, exporter's independence from State actions is highly doubted.
- (viii) Zhejiang Amino-Chem Co. Ltd. has not filed any EQR and MET questionnaire response for its related companies who are involved in production and sale of the product under consideration.
- (ix) China Commodity Net under the auspices of Ministry of Commerce (China) does function as a chamber of commerce in helping decide prices and Shanghai Amino-Chem Co. Ltd. (affiliated company) is one of the members of the network.
- (x) In the absence of objective evidence, claims of raw materials supplies from related companies at a fair market price in ordinary course of business cannot be accepted. It cannot be denied that such procurement may have involved intermediary products like MDNB from these affiliates.
- (xi) In light of the investment policy of the Hangzhou Bay Shangyu Industrial Park which provides for various incentives and concessions for investments and export sales (supported by evidence enclosed herewith) the exporter cannot be given a market economy status. The same applies to the Export Tax rebate of 17% which fact itself has been conceded to by the Exporter in its response.
- (xii) Further, one of the affiliates Shanghai Amino-Chem Co. Ltd. is claimed only to be a trader but evidence on the contrary highlight the fact that even Shanghai Amino-Chem has capacity of 25,000 MT/year for MPDA in addition to exporter's own capacity of 55,000 MT/year.
- (xiii) On the MET status claimed by Jiangsu Tianjiayi and Changshan Haicheng, it is submitted that the same may be rejected and the exporter-producer combination cannot be given market economy treatment. In the absence of relevant information relating to members of board of shareholders and directors, as also raw material suppliers and other business information; the independence of both the producer as well as the exporter is highly dubious.
 - a. Further, the role played by M/s. Jiangyin Nijiaxiang Chemical Co. Ltd. in raw material procurement by the producer make it ineligible for claiming such a treatment.
- (xvi) One of the conditions for claiming market economy treatment is whether Chinese exporters are able to establish that their books are consistent with International Accounting Standards (IAS). But nothing on record has been provided that such records are consistent with the International Accounting Standards.
- (xvii) No reliance can be based on the cases cited by exporters for granting them a market economy status given the case specific nature of such determination and given the plethora of cases against those cited by the exporters.

- (xviii) The exporters/producers have not made out, given the lack of evidence, a clear case for market economy status when onus is on them and not on the domestic industry or Designated Authority to establish that the Chinese companies are not eligible for market economy status.
- (xix) In view of glaring issues in the questionnaire responses, the Designated Authority should deny individual dumping margin to the responding Chinese exporters and producers.

D.1.2 Views of the Responding Producers/Exporters seeking MET

17. It may be recalled that claims have been submitted by Zhejiang Amino Chem Co. Ltd., Changshan Haichang Chemical Co. Ltd. and Jiangsu Tianjiayi Chemical Co. Ltd. in respect of grant of market economy treatment. All these producers and exporters of subject goods had sought MET treatment. In the preliminary findings, the Authority had decided not to grant market economy status to the company at the stage of preliminary findings pending verification of records during onsite verification and it was further noted that a final view in this matter will be taken by the Authority after verification of information submitted by all responding producers and exporters from China PR. In the circumstances the Authority in the preliminary findings had proceeded with the provisions of para 7 of Annexure-I to the Rules for determination of Normal Value for responding producers and exporters in this investigation.

Jiangsu Tianjiayi Chemical Co. Ltd.

- 18. Jiangsu Tianjiayi has claimed that it is ***% owned by Jiangsu Tianjiayi Investment Co. Ltd and ***% owned by Jiangsu Nijiaxiang Group Co. Ltd. In its submission, the company claims that it is a fully Chinese limited liability company and both shareholders are of Chinese nationality. It has been submitted by Jiangsu Tianjiayi that it is only a producer of the merchandised goods and has never exported subject goods to India. It also has been submitted that there is no other affiliated company dealing in production, sale or distribution of subject goods. It has also been submitted that Jiangsu Nijiaxiang Group Co. Ltd. acts as the parent company of the producer.
- 19. During verification at the premises of M/s Jiangsu Tianjiayi Chemical Co. Ltd, the verification team requested the company to make available the originals of various documents for verification of its claim on grant of MET. In this regard, the producer submitted a letter to the verification team stating that due to paucity of time and resources, they are not able to provide required information sought to substantiate its claim of Market Economy status. Accordingly, they have forgone their claim of treating them as operating under Market Economy conditions.

Changshan Haichang Chemical Co. Ltd.

20. M/s. Haicheng Chemical has claimed that it is ***% owned by Mr. Xu Guiyang and ***% owned by Mr. Chen Jun. In its submission, the company claims that it is a fully Chinese limited liability company. It has been claimed by Haicheng Chemical that it is only an exporter of the merchandised goods and has no role in its production. It has also been claimed that there is no other affiliated company dealing

in production, sale or distribution of subject goods. It is noted from the response that M/s. Haicheng purchased the product concerned in domestic market from two suppliers and then exported to the world market including India. One is Shanghai Amino-ChemTM Co. Ltd., which is a trading company related to M/s. Zhejiang Amino Chemical Co. Ltd. M/s. Shanghai Amino-ChemTM Co. Ltd filed a response claiming that they have only sold the subject goods in the domestic market and have not exported the subject goods to India. The response has been filed by M/s. Tianjiayi as producer and M/s. Haicheng as exporter. During verification at the premises of M/s, Changshan Haichang Chemical Co. Ltd. the verification team requested the company to make available the originals of various documents for verification of its claim on grant of MET. However, during the course of on the spot verification the companies expressed their inability to produce the documents sought for and therefore expressed its desire to withdraw their claim of MET. Accordingly, they have forgone their claim of treating them as operating under Market Economy conditions.

Zhejiang Amino Chem Co. Ltd.,

21. M/s. Zhejiang Amino has claimed that it is ***% owned by Zhejiang Longsheng Group Co. Ltd. and ***% owned by Metrogem Holdings Limited. In its submission, the company claims that it is a foreign (co-operative or equity) joint venture of Zhejiang Longsheng Group Co., Ltd. which is a publicly listed company on Shanghai Stock Exchange and Metrogem Holdings Limited is an investment company registered in Hong Kong. It has also been submitted that M/s. Shanghai Amino Chem Co. Ltd. (affiliated company) is a trading company and has not exported the subject goods during the POI. It has been claimed that Zhejiang Hongsheng Chemical Co. Ltd. is an affiliated company which also produces MPDA and Shanghai Amino-Chem Co., Ltd. is an affiliated company which also trades in the subject merchandise. It has also been submitted by the exporter that another affiliated company, Hangzhou Longshan Chemical Co. Ltd., is also a raw material supplier of Zhejiang Amino. During verification at the premises of M/s. Zhejiang Amino Chem Co. Ltd., the verification team requested the company to make available the originals of various documents for verification of its claim on grant of MET. In this regard, the exporter submitted a letter to the verification team stating that due to paucity of time and resources, the producer was not able to provide required information sought to substantiate its claim of Market Economy status. Accordingly, they have forgone their claim of treating them as operating under Market Economy conditions.

D.1.4 Examination and determination of normal value by the Authority

D.1.4.1 Determination of Normal Value for producers and exporters in China PR

22. In this connection Para 7 of Annexure I of the Rule provides that:

"In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly

adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the designated authority in a reasonable manner, keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question, and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of selection. Accounts shall be taken within time limits, where appropriate, of the investigation made in any similar matter in respect of any other market economy third country. The parties to the investigation shall be informed without any unreasonable delay the aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments"

- 23. The Authority notes that in the past three years China PR has been treated as non-market economy country in the anti-dumping investigations by other WTO Members. Therefore, in terms of Para 8 (2) of the annexure 1 of AD rules, China PR has been treated as a non-market economy country subject to rebuttal of the above presumption by the exporting country or individual exporters in terms of the above Rules for the purposes of present determination.
- 24. As per Paragraph 8 of the Annexure I to the Anti Dumping Rules as amended, the presumption of a non-market economy can be rebutted if the exporter(s) from China PR provide information and sufficient evidence on the basis of the criteria specified in sub paragraph (3) in Paragraph 8 and establish to the contrary.
- 25. The cooperating exporters/producers of the subject goods from China are required to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 in response to the Market Economy Treatment questionnaire to enable the Designated Authority to consider the criteria enumerated therein.
- 26. In view of the withdrawal of the claim of the MET from the responding producers and exporters from China PR, it has been decided not to further examine their claim for the MET.

D.1.4.4 <u>Determination of Normal Value for all producers and exporters from China PR</u>

D.1.4.4.1 <u>Submissions by other interested parties excluding the domestic industry on normal value determination</u>

- 27. The other interested parties have made the following submissions in this regard:
 - (i) Difference in grades calls for different normal value, dumping margin and NIP.
 - (ii) In case there is inclusion of white molten/flake MPDA, the Authority is requested to calculate normal value on the basis of information of raw material consumption provided by the Exporter given the facts that no other reliable information can be solicited from any other source, stark contrast in prices and cost of grey grade and no production and sales by DI of white grade.
 - (iii)Further, reliance on domestic consumption and conversion cost would create unreliable fiction in case of white grade and is further laden with inefficiencies of DI while considering normal value for grey grade. Such construction is further skewed in terms of benzene prices taken from undisclosed sources.

(iv)The Benzene price of domestic industry is not representative of international price as domestic industry itself has admitted at the time of oral hearing that the losses during 2008-09 was related to stock of Benzene.

D.1.4.4.2 Submissions by Domestic Industry

- 28. The domestic industry has made the following submissions in this regard:
 - (i) Zhejiang Amino-Chem Co. Ltd. has not filed any EQR and MET questionnaire response for its related companies who are involved in production and sale of the product under consideration.
 - (ii) The exporters have admitted that raw materials as well as utilities have been procured from affiliated companies. Such being the case, it needs to be established that the prices of inputs substantially reflect market value. No evidence has been provided on this account.
 - (iii) While the exporters may not be directly State-owned but that does not imply that there is no significant state interference in the Company.
 - (iv) The applicant has requested the Designated Authority to consider Benzene price of the domestic industry as the representative price of the international Benzene prices.
 - (v) With regard to the contention of the other parties that the conversion cost of the domestic industry is high because of low capacity utilization and should not be adopted for construction of normal value, the applicant has claimed that they are producing a large number of products at the same location. The fixed costs are being shared by all these products and are being apportioned to the product only in proportion to the level of activities of the product. Thus, fixed cost in the product under consideration are not high because of low capacity utilization.
 - (vi)The consumption norms reported by exporters cannot be considered as, even though, Indian Accounting Standards provide for reporting of quantitative information with financial accounts, the Chinese standards do not provide for any such reporting, thus, making such sources unreliable. Further, since domestic industry is producing multiple products, its fixed cost is not high.
 - (vii) There is no basis for accepting difference in cost and prices of different grades in the absence of evidence to that regard.

D.1.4.4.3 Examination by the Authority

- 29. Under the circumstances, the Authority is not in a position to apply Para 8 of Annexure 1 to the Rules to the above named Chinese companies and the Authority has to proceed in accordance with Para 7 of Annexure I to the Rules. According to these Rules, the normal value in China can be determined on any of the following basis:
 - a. On the basis of the price in a market economy third country, or
 - b. The constructed value in a market economy third country, or
 - c. The price from such a third country to other countries, including India.
 - d. If the normal value cannot be determined on the basis of the alternatives mentioned above, the Designated Authority may determine the normal value on any other reasonable basis including the price actually paid or payable in India for the like product duly adjusted to include reasonable profit margin.

30. The Authority notes that for determination of normal value based on third country cost and prices, complete and exhaustive data on domestic sales or third country export sales, as well as cost of production and cooperation of such producers in third country is required. No information with regard to prices and costs prevalent in these markets have been provided either by the applicant or by the responding exporters, nor any publicly available information could be accessed, nor the responding Chinese companies have made any claim with regard to an appropriate market economy third country. Therefore, the normal value has been determined on "any other reasonable basis". Accordingly, normal value has been constructed based on international price of major inputs, and conversion cost of domestic industry as verified by the Authority and after including a reasonable profit margin.

D.2 Export Price

D.2.1 Submissions by domestic industry

- 31. The domestic industry has made the following submissions in this regard:
 - (i) The export price claimed by responding exporters does not corroborate with the prices reported to Indian Customs. Even verification of data at the premises of responding exporters would not establish the correct factual position for the following reasons (a) VAT invoice may contain only FOB value of exports, whereas the exporters might have exported on CIF basis; (b) possibilities of commercial invoice presented to Indian Customs and VAT invoice presented to Chinese Customs not getting corroborated; (c) given the limited number of transactions per responding exporter and corresponding importer, it is vital to corroborate the claims made by the exporters with the data compiled and consolidated by DGCI&S.
 - (ii) In case of significant differences in the prices now claimed before the Designated Authority and the prices reported to Customs, the applicant has submitted that the prices reported to the Customs only can be relied upon for determining export prices.

Export Price determination of M/s Jiangsu Tianjiayi Chemical Co. Ltd. China PR (producer) exported through Changshan Haicheng Chemical Co. Ltd. (exporter)

- 32. The Authority notes that M/s Jiangsu Tianjiayi Chemical Co. Ltd. China PR has exported the subject goods through M/s Changshan Haicheng Chemical Co. Ltd. which has claimed to be an unrelated trader from China. It is also noted from the response that M/s Changshan Haicheng has also sourced the subject goods from another unrelated trader M/s Shngahai Amino. The present response has been filed by M/s Tianjiayi (producer) and Haicheng as (exporter.) The information submitted by M/s Jiangsu Tianjiayi Chemical Co. Ltd. China PR (producer) and M/s Changshan Haicheng Chemical Co. Ltd. (exporter) was verified by the authority. The Authority notes that the company reported exports of ***Mt (US\$ ***) of MPDA to India during the POI. It was further noted that out of these *** transactions, *** were related to goods sourced from Tianjayi and remaining were sourced from Shanghai Amino. Of the *** Mt of subject goods sourced from M/s Shanghai Amino, *** Mt has been exported through *** (trader) located in Singapore. However, no questionnaire response has been filed by M/s ***
- 33. It is noted that in their response, M/s Changshan Haicheng has provided transaction-wise information relating to exports to India in the form and manner prescribed. The Authority notes that the export sales to India are on CIF basis. Adjustments have been claimed by the exporter in respect of overseas freight, overseas insurance, commission, handling, bank charges, inland freight and credit cost. The adjustments in this regard have been allowed, as verified by the Authority. The Authority further notes that while the subject goods have been procured by M/s Changshan Haicheng at ex factory price from the producer, the associated expenses have been incurred by the trader Changshan Haicheng.

The analysis of the Financial Accounts of M/s Haicheng indicates that the company has incurred financial losses. Therefore, the authority has considered appropriate adjustments on account of profit margin for the trader in determination of ex-factory export price. Further, in the absence of detailed response by M/s Shanghai Amino-ChemTM Co. Ltd and considering the company has not exported the subject goods to India during the POI, no separate export price has been determined by the Authority in respect of M/s Shanghai Amino-ChemTM Co. Ltd. Thus, the net export price i.e. export price at ex-factory level, for goods produced by Jiangsu Tianjiayi Chemical Co. Ltd. and exported by Changshan Haicheng Chemical Co. Ltd. China PR, is determined and is mentioned at the table showing dumping margin.

D.2.3 Determination of Export Price of M/s Zhejiang Amino

34. The data submitted by the company was verified by the Authority. It is noted that M/s Zhejiang Amino has reported export of *** MT of MPDA to India during the POI. The sales to Indian customers are in CIF terms. The exporter has claimed adjustments towards domestic freight, ocean freight, handling charges, marine insurance to India, and credit expenses to arrive at ex-factory export price. However, no adjustment towards VAT has been made as based on the verification of the data Authority notes that the full amount of VAT payable of 17 % is refunded in respect to export sales. The Authority has determined the export price of the above exporter as mentioned in the table showing dumping margin.

D.2.4 Export Price determination for Non cooperating producers and exporters from China PR

- 35. Export price in respect of product under consideration for other producers and exporters has been determined as per facts available. For the purpose, the Designated Authority has considered questionnaire response filed by the responding exporters and Indian customs data relating to imports of the product under consideration in India. Price adjustments have been allowed on the basis of facts available. The export sales to India (net of all the adjustments) have been considered as ex-factory export price, which have been compared with the normal values of the product under consideration to determine the dumping margin. After the analysis of the data, the dumping margin is worked out as mentioned in the table.
- 36. After the analysis of the data, the dumping margin is worked out as mentioned in the table below:

| Producer | Exporter | NV | EP | DM | DM % Range |
|---------------------|---------------------|-----|-----|-----|------------|
| Jiangsu Tianjiayi | Changshan Haicheng | | | | |
| Chemical Co. Ltd. | Chemical Co. Ltd. | *** | *** | *** | 30-40 |
| Zhejiang Amino- | Zhejiang Amino- | | | | |
| Chem Co. Ltd. | Chem Co. Ltd. | | | | |
| | | | | | |
| | | *** | *** | *** | 20-30 |
| | Any other producer/ | | | | |
| Any Other producer/ | exporter from China | | | | |
| exporter from China | PR | | | | |
| PR | | *** | *** | *** | 35-45 |

E. INJURY

E.1. Submissions made by Domestic Industry

- 37. The domestic industry has made the following submissions in this regard:
 - a) Imports from the subject country have remained significant in absolute terms and in relation to production and consumption in India;
 - b) Imports from the subject country are undercutting the prices of domestic industry to a significant extent. The import price is undercutting the domestic price, in spite of low prices already offered by the domestic industry.
 - c) Whereas the cost of production was increasing, the selling prices declined. Further, even when there was some decline in the cost of production (in earlier years), the decline in prices was more than the decline in costs. Overall, the imports are suppressing and depressing the domestic prices.
 - d) Production, sales and capacity utilization of the domestic industry improved till 2010-11 and then declined in the POI. The market share of the domestic industry also declined.
 - e) Demand decline The volume of imports being reported in DGCI&S data is grossly understated for the reason that significant imports of the product under consideration are being reported in other classification 29215190 as well. The decline in demand assessed earlier and in the preliminary findings is understated because of significant imports of the product under consideration having been reported under other classification.
 - f) Increase in volume of imports in absolute terms in a situation where the demand for the product has declined at the least shows aggravated injury to the domestic industry caused by dumped imports.
 - g) Market share of the domestic industry declined and that of dumped imports increased in POI. This is clearly due to dumping. Further, the market share of the domestic industry declined despite the fact that the applicant has significant unutilized capacities.
 - h) The sales volume of domestic industry has declined more than its production which if persists, will naturally have further adverse effect on production and capacity utilization compelling the domestic industry either to reduce production or to reduce selling price.
 - i) The profitability of domestic industry declined severely to cause losses due to significant increase in cost of raw materials and inability of the domestic industry to increase prices due to presence of low priced dumped imports. Profit before interest & tax, cash profit and return on capital employed were on declining trend.
 - j) As for the return on capital employed is concerned, the allowance to be made by the Authority cannot be based on past performance as the industry commenced production only in 2007. Further, profit allowed is still below the operation profit.
 - k) The applicant is the only producer of the product under consideration in the country. Thus, in the absence of dumping, the domestic industry should have been able to post significant improvements in production and capacity utilization. But contrary is visible from above.
 - 1) The employment figure shows an increasing trend with similar increase in wages up to 2010-11, however, there is decline in wages during POI.
 - m) Productivity has increased in line with increase in production up to 2010-11 and then declined in the POI.
 - n) The average level of inventories increased in 2010-11 and then declined slightly in the POI. However, the inventory was significant during POI which is adverse in light of the fact that the domestic industry also undertook exports and reduced its production.

- o) Growth of the domestic industry in terms of sales, production, capacity utilization, profits, return on investment and cash profits all are adverse.
- p) The present situation clearly establishes that if the imports would further increase from the subject country, it will further intensify dumping of the subject goods causing further injury.
- q) There can be no selective basis for determining price undercutting and any negative trend in the same does not dilute the fact of injury.
- r) The adoption of fictitious 100% capacity utilization on one hand highlights the injury of the domestic industry, and on the other, such adoption is against the law, as causal link is duely established.
- s) While there is no delay or denial on the part of domestic industry to supply subject goods to its consumers, there might still be an occasion of delayed payment on the part of the consumer which in the light of common business prudence be adequately considered.
- t) There is no extra-ordinary/abnormal plant shutdown/breakdown, hence, no question of adjusting the cost on these accounts.
- u) Performance of the domestic industry with regard to profits, return on investment and cash profits was declining and became negative in POI.
- v) Post Disclosure, it has been submitted that dumping margin as a measure of extent of dumping is quite significant.
- w)The petitioner requests a copy non confidential version of the verification report to the exporter. This is vital as the petitioner is unable to comment on the appropriateness or otherwise of the claim of individual dumping margin lodged by the responding exporters. The Authority has rightly rejected the claim of MET as the exporters have not provided requisite information and forgone their right for MET claim.
- x) The quantum of dumping margin determined is significant. Imports of the product under consideration have increased from China. The import price is undercutting the domestic price, in spite of low prices already offered by the domestic industry. Further, the imports are suppressing and depressing the domestic prices. Performance of the domestic industry with regard to profits, return on investment and cash profits was declining and became negative in POI. Domestic industry has suffered material injury. Fixed quantum of anti-dumping duties are required to be expressed in terms of US\$ in view of changes in the cost structure with changes in the raw material prices and increase in the input cost.

E.2 The following submissions have been made by the exporters / importers and other interested parties with regard to injury parameters to the domestic industry:

38. The non-confidential version of the petition is wholly deficient and inadequate to enable the other parties to render their comments. It seriously hampers the right to provide meaningful rebuttal through adequate and essential submissions to enable the Authority to arrive at fair conclusions.

a) **Demand and Market Share**

(i) The demand of the product under consideration was increasing till 2009-10. The same has, however, declined during 2010-11 and in the period of investigation. Therefore,

- any decline in market share during POI as compared to 2009-10 and 2010-11 should be seen in the light of the decline in the demand.
- (ii) Spectrum Dyes has further raised the issue that domestic industry has never fulfilled their demand of subject goods. Its monthly demand of subject good is around 20 to 25 MT. However, domestic industry has offered only 10 MT of subject goods.
- (iii)Despite low capacity utilization, the domestic industry has failed to fulfil demand of subject goods of importers.
- (iv)Post Disclosure, it has been submitted that Inclusion of imports reported under other headings not been disclosed to the interested parties

b) Capacity, Production and Capacity Utilization

- (i) The production of the applicant during 2008-09 was 684 MT which went up to 1,151 MT during POI. As a result, the capacity utilization which was only 19% during 2008-09 increased to 32% during POI. Further, it may be noted that demand in India of the subject goods has declined during POI as compared to 2009-10 and 2010-11. Therefore, any decline in the production and capacity utilization during POI as compared to 2009-10 and 2010-11 should be seen in the light of the decline in the demand.
- (ii) Despite negative price undercutting during 2008-09, the applicant was operating the plant for subject good at 19%. Thus, there is no injury to the domestic industry on account of alleged imports from subject country.
- (iii)Given the sub-optimal capacity utilization of domestic industry during injury period, the Authority may consider a fictitious 100% capacity utilization for NIP calculation as adopted in Aniline originating in or exported from the European Union.
- c) The sales volume of the applicant in the domestic market has increased by 19% over the base year. Despite negative price undercutting during 2008-09, the sales volume of the applicant in the domestic market was at lowest level whereas it should have been at highest levels. An obvious question would then arise as to what prevented the applicant from raising its volume during 2008-09 when the price undercutting was negative. Further, it may be noted that demand in India for the subject goods has declined during POI as compared to 2009-10 and 2010-11. Therefore, any decline in the sales during POI as compared to 2009-10 and 2010-11 should be seen in the light of the decline in the demand. Thus, there is no injury to the domestic industry on account of alleged dumped imports from subject country.

d) Cost of Production

- (i) It is submitted that the cost of production of the applicant is abnormally high as compared to other foreign producers. The capacity utilization of the applicant was in the range of 19% to 44% during entire injury period. As a result of lower plant utilization, the cost of production of the applicant was highly inflated by fixed cost. Even though there was negative price undercutting during base year, the applicant could not improve its capacity utilization. In fact, during that time capacity utilization was at lowest level which is 19%. Therefore, the Authority should critically look into the entire cost structure of the applicant and set aside the higher cost of production caused by inefficiencies while conducting injury examination during investigation.
- (ii) There is no adjustment made in the injury data by the Authority while analyzing alleged injury to the domestic industry with regard to breakdowns in the plant of subject goods.
- e) **Profitability:** Losses to the applicant has occurred between 2010-11 and the POI, when volumes of the alleged dumped imports increased by only 545 MTs compared to

an increase of 1,264 MTs in 2009-10, when the applicant was still making profits. Moreover the drop in the demand of subject goods on the domestic market should have created deteriorating effects on its profitability. Thus, any injury to the applicant is because of higher cost as the applicant was inefficient and the same cannot be attributed to alleged dumped imports from subject country.

f) Price Undercutting

- (i) The applicant managed to increase its sales volume from 614 MTs in 2008-09 to 1,228 MTs in 2010-11 and 730 MTs in the POI. If there was an existence of such price undercutting in real terms as determined by the applicant, the domestic industry would have found it difficult to maintain its sales volume rather show such an increase in sales volume. Thus, there is no correlation between net sales realization vis-à-vis landed price of subject goods.
- (ii) Since there is full co-operation from exporters there must be assigned weighted average export price in determining price effect, which in this case shows a negative undercutting and further, raises questions on reduction in prices of domestic industry during POI. Such negative undercutting highlights the attributability of injury to other factors (particularly during 2008-09) requiring critical enquiry.

g) Non Injurious Price

- (i) The Non Injurious price calculated by the Authority is highly inflated. A reasonable return (pre-tax) on average capital employed for the product may be allowed for recovery of interest, corporate tax and profit. Reasonableness of interest cost may further be examined.
- (ii) 22% Return on Capital Employed (all components) is hypothetical, unreasonable and too high. In light of CESTAT ruling (in Bridgestone Tyre Manufacturing v. DA), 22% ROCE would colour the injury determination. Further, reasonability of 22% ROCE was questioned in Hyosung & Co. V. DA, as such Authority must consider the return earned on the basis of past performance of the industry.
- (iii)The applicant was inefficient even after one year of start of commercial production. Submission of the domestic industry further shows that the applicant is still inefficient in terms of raw material and conversion cost. Therefore, the Authority is required to adjust the raw material and conversion cost of applicant for the injury analysis and calculation of NIP.
- (iv)Post disclosure, it has been submitted that the domestic industry has achieved only 19% capacity utilization in the base year evidently because of their abnormally high cost on account of self inflicted reasons. And the same was only 32% in the POI. The best possible utilization which the domestic industry could ever achieve was 44% only. We again request the Authority to consider the capacity utilization of the domestic industry at normal and reasonable levels par with the industry standards while determining NIP of the domestic industry.

h) Others

(v) It has been submitted that the Authority should recommend duties, if any, only in terms of Indian Rupee and not in terms of USD as users are predominantly SMEs and imposing the duties in terms of USD would make their situation and existence extremely vulnerable.

i) The year 2008-09 was an abnormal year

- (i) There is nothing mentioned in the preliminary finding with regard to the year 2008-09 to show that the said year was an abnormal year. Moreover, domestic industry has also not raised this issue in their petition.
- (ii) It is not understood why the Authority should treat 2008-09 as abnormal year if the increase in export price of the subject good was more than increase in Benzene price. It may be noted that the domestic industry did not disclose any such facts in their petition and negative price undercutting during 2008-09 was calculated by the domestic industry itself. Thus, the submission of the domestic industry of abnormal increase in price of subject goods in 2008-09 is required to be rejected as there is no merit in their submissions.
- (iii)At the time of oral hearing, counsel for the domestic industry has replied that the reason for losses during 2008-09 was due to Benzene stock. However, in the written submission they have changed the reasons which shows domestic industry is confused and biased while trying to establish reasons for losses during 2008-09. Further, it is also submitted that the domestic industry has argued that the increase in prices of subject goods in certain month was higher than Benzene price therefore the year 2008-09 was abnormal and losses during 2008-09 was due to higher raw material consumption. This clearly again shows that the domestic industry has failed to establish their reasons for losses during 2008-09. Thus, there is a clear cut contradiction practiced by the domestic industry while justifying negative price undercutting during 2008-09 and losses during 2008-09 which needs to be examined critically.

E.3. Examination by the Authority

- 39. Rule 11 of Antidumping Rules read with Annexure–II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, ".... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles...." In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to suppress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.
- 40. Annexure-II of the AD Rules provides for an objective examination of both, (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices, in the domestic market, for the like articles; and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such articles. With regard to the volume effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute term or relative to production or consumption in India. With regard to the price effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress the prices to a significant degree, or prevent price increases, which would have otherwise occurred to a significant degree.
- 41. The Authority has considered the views of the interested parties and addressed the same appropriately. The specific submissions of interested parties have been dealt with by the Authority at appropriate places in these findings while examining the injury parameters to the domestic industry.

- 42. The Authority has analyzed injury parameters in accordance with the rules. Information provided by interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has granted confidentiality, wherever warranted and such information has been treated confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non confidential version of the information filed on confidential basis.
- 43. As regards the capacity utilization of the domestic industry being low, the Authority has considered the best capacity utilization attained by the domestic industry during the injury period and POI in order to eliminate the inefficiencies in operation for the purpose of determination of non-injurious price for the domestic industry. In this regard, it is further noted that the domestic industry has a composite production facility producing a number of chemicals. The domestic industry is also producing captively the major input i.e. MDNB which is used for the manufacture of MPDA. There are separate capacities for manufacture of both MDNB and MPDA. The Authority has appropriately considered the optimum usages of capacities, as per consistent practice, in order to eliminate the higher costs on account of inefficient uses. As regards the reduction in the demand for the subject goods, over the injury period, it has been claimed by the domestic industry that there are imports of the subject goods under other classifications as well. The Authority has examined the response and notes that while there was a reduction in the demand for the subject goods, the decline in the volume of imports from the subject country was insignificant as compared to the loss of sales of the domestic industry. Further, during the POI, the landed value of imports declined significantly in spite of an increase in the input cost. With regard to the fact that the petition is grossly deficient, it is noted that the application accepted by the Authority for initiation was duly documented. Further, during the process of investigation, it was noted that the procurement price of benzene of domestic industry was in line with the prevailing international price of benzene. Post disclosure, the domestic industry has submitted that NIP determined by the Authority is grossly low and insufficient to protect the interest of domestic producer. The matter has been examined and it is noted that NIP has been determined by the Authority in accordance with the principles laid down under Annexure III of the anti dumping rules. Further, the Authority has allowed the returns @ 22% as per consistent practice in all the cases.

E.3.1 Volume Effect of dumped imports and Impact on domestic Industry

a) Assessment of Demand and Market Share

44. The Designated Authority has determined demand as the sum of domestic sales of the domestic industry and imports of the subject goods in India from all sources. The demand so assessed is shown in the following table. It is seen that demand for the subject goods had grown significantly up to 2010-11 and then declined in the POI. However, it is noted that demand of subject goods was higher in the POI as compared to base year 2008-09. The Authority further notes that even though there was some decline in the demand for the subject goods during the POI, the decline in the share of domestic industry was notably higher than the decline in the volume of imports from the subject country. It is seen that in the declined market, the imports increased their share and the domestic industry lost market share.

| Demand | Unit | 2008-09 | 2009-10 | 2010-11 | POI | POI- |
|-------------------------|------|---------|---------|---------|-------|------------|
| | | | | | | Annualized |
| Sales of Domestic | MT | 614 | 1,006 | 1,228 | 913 | 730 |
| Industry | | | | | | |
| Subject country-Imports | MT | 1,919 | 3,377 | 3,743 | 3,836 | 3,069 |
| Other Countries-Imports | MT | 1 | 0 | 117 | 232 | 186 |
| Total demand | MT | 2,534 | 4,383 | 5,088 | 4,982 | 3,985 |
| Trend | | 100 | 173 | 201 | 157 | 157 |
| Market Share in Demand | | | | | | |
| Sales of Domestic | % | 24% | 23% | 24% | 18% | 18% |
| Industry | | | | | | |
| Subject country-Imports | % | 76% | 77% | 74% | 77% | 77% |
| Other Country -Imports | % | 0% | 0% | 2% | 5% | 5% |

45. It is noted that both, the imports from the subject country and sales of the domestic industry, increased significantly up to 2010-11 and declined thereafter in POI. It is also noted that the market share of imports of subject goods from the subject country has remained significant during the injury period and has, in fact, the same increased during the POI from the preceding year. It is also noted that even when the demand for the product was increasing till 2010-11, share of domestic industry remained in similar region. However, during the POI, when demand for the product declined to some extent, the share of domestic industry declined as against the share during entire injury period. Further the market share of the domestic industry was lowest in the POI.

b) Import Volumes and share of subject country

- 46. It was contented by the domestic industry that the imports of the product are also reported under customs classification 29215190 in significant volumes. The Authority analyzed the import information and noted that the imports of the product have been reported under 29215190 as well. The authority has therefore considered imports reported under 29215120 and 29215190. It is noted from the questionnaire response filed by the two exporters that the combined exports made by the two exporters during the POI were *** MT, as against 3836 MT imports reported in DGCI&S. With regard to arguments of the exporter that they were not aware about the information with regard to revised import data, it is stated that a copy of revised proforma IV A containing imports of subject goods from both the heads were submitted by the domestic industry and the same was put in the public file for information to all concerned.
- 47. Imports of the product under consideration from China PR have recorded a significant increase in absolute terms during injury period i.e. from 1,919 MT in 2008-09 to 3,836 MT during POI (3,069 MT on annualised basis). Further, imports have been significantly high in absolute terms as well as in relation to production and consumption in the country. Even though imports from other countries have also, at the same time, increased, the volume of these imports is not very significant.

| Particulars | Unit | 2008-09 | 2009-10 | 2010-11 | POI | POI- |
|---|------|---------|---------|---------|--------|------------|
| | | | | | | Annualized |
| Imports - | | | | | | |
| China PR | MT | 1,919 | 3,377 | 3,743 | 3,836 | 3,069 |
| Other Countries | MT | 1 | 0 | 117 | 232 | 186 |
| Total Imports | MT | 1,920 | 3,377 | 3,860 | 4,068 | 3,255 |
| Imports from subject country in relation to | | | | | | |
| Total Imports | % | 99.95% | 100% | 96.97% | 94.29% | 94.29% |
| Consumption | % | 76% | 77% | 74% | 77% | 77% |
| Production | % | 281% | 254% | 235% | 267% | 267% |

E.3.2 Price Effect of the Dumped imports on the Domestic Industry

a) Price Undercutting

48. With regard to the effect of the dumped imports on prices, Annexure II (ii) of the Rules lays down as follows:

"With regard to the effect of the dumped imports on prices as referred to in sub-rule (2) of rule 18 the Designated Authority shall consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increase which otherwise would have occurred to a significant degree."

49. With regard to the effect of the dumped imports on prices, it has been examined whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. In this regard, a comparison was made between the landed value of the product concerned and the average selling price of the domestic industry net of all rebates and taxes, at the same level of trade. The prices of the domestic industry were determined at the ex factory level. This comparison showed that during the period of investigation, the subject goods originating in the subject country were imported in the Indian market at prices which were lower than the domestic industry selling prices. It is, thus, noted that imports of subject goods were undercutting the domestic prices and margin of undercutting with respect to imports from China PR is considered significant.

50. The price undercutting margin is determined as below:

| Particulars | Unit | 2008-09 | 2009-10 | 2010-11 | POI |
|--------------|--------|----------|-----------|---------|--------|
| | | | | | |
| Net Selling | Rs./KG | *** | *** | *** | *** |
| Price | | | | | |
| Trend | | 100 | 104 | 92 | 87 |
| Landed price | Rs./KG | *** | *** | *** | *** |
| of imports | | | | | |
| Trend | | 100 | <i>78</i> | 80 | 73 |
| Price | Rs./KG | *** | *** | *** | *** |
| Undercutting | | | | | |
| Price | % | *** | *** | *** | *** |
| Undercutting | | | | | |
| Price | Range | (-15)-0% | 10-20% | 0-10% | 0-10 % |
| Undercutting | | | | | |

- 51. It is noted from above that both the net selling price of the domestic industry and the landed price of imports from China PR have declined over the injury period. However, the landed price has declined more than the net selling price. Thus, the imports of subject goods from the subject country undercut the prices of the domestic industry by 5-15% during the POI.
- 52. The interested parties have contended that price undercutting in 2008-09 was negative and the domestic industry has suffered financial losses in spite of negative price undercutting. The Authority notes, in this regard that the actual consumption some of the inputs in the manufacture of subject goods was noted to be abnormal and excessive. In the subsequent period, there has been noticeable change in the consumption pattern of these inputs. In the determination of NIP for the domestic industry, the most efficient consumption factors, as per consistent practice of the Authority, have been considered by the Authority.

b) Price Suppression and Depression

53. The cost and price movement of the domestic industry and the landed value of imports from the subject country have been compared over the injury period to examine whether the effect of dumped imports is to depress prices to a significant degree or prevent price increases which otherwise would have occurred to a significant degree.

| Particulars | Unit | 2008-09 | 2009-10 | 2010-11 | POI |
|---------------|--------|---------|------------|---------|-----|
| Landed price | Rs./KG | *** | *** | *** | *** |
| of imports | | | | | |
| Trend | | 100 | <i>7</i> 8 | 80 | 73 |
| Net Selling | Rs./KG | *** | *** | *** | *** |
| Price | | | | | |
| Trend | | 100 | 104 | 92 | 87 |
| Cost of Sales | Rs./KG | *** | *** | *** | *** |
| | | | | | |
| Trend | | 100 | 87 | 76 | 95 |

54. The Authority notes from the above that the selling price of the subject goods produced by the domestic industry has declined by 13% during the injury period whereas the cost of sales of the subject goods produced by the domestic industry has declined by 5% over the

same period. Further, whereas the cost of sales increased significantly during the POI as compared to the previous year, the landed price and consequently selling price of the domestic industry declined. Thus, it is noted that there is price suppression on account of imports of subject goods from the subject country. Further, as there is decline in the selling price of the subject goods produced by the domestic industry, it is noted that the domestic industry has suffered price depression during the injury period. The Authority notes that during the POI, there was significant increase in the input cost of the subject goods as compared to the previous year. As a result, the cost of production of the domestic industry increased significantly. On the other hand, in spite of increase in the prices of basic raw materials, the landed value of imports of subject goods declined significantly during the same period. As a result, the domestic industry was not able to increase its selling price even when the cost increased. This resulted in significant erosion of profitability of the domestic industry during the POI.

c) Price underselling margin

55. The Authority has also examined price underselling if any, suffered by the domestic industry on account of dumped imports from the subject country. After examination, it is determined that the domestic industry has suffered significant price underselling during the investigation period.

| Particulars | Unit | POI |
|---------------------|-------|-------|
| Non Injurious Price | Rs/Kg | *** |
| Landed Price | Rs/Kg | *** |
| Price underselling | Rs/Kg | *** |
| Price underselling | (%) | *** |
| Price underselling | Range | 20-30 |

E.3.3 Economic parameters of the domestic industry

56. Annexure II to the AD Rules requires that a determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of these imports on domestic producers of like product. With regard to consequent impact of these imports on domestic producers of such products, the Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments. An examination of performance of the domestic industry reveals that the domestic industry has suffered material injury. The various injury parameters relating to the domestic industry are discussed below.

a) Capacity, Production, Capacity Utilization and Sales

57. Information on capacity, production, capacity utilization and sales volumes of the domestic industry has been as under:-

| | | | | | | POI- |
|----------------------|------|---------|---------|---------|-------|------------|
| Particulars | Unit | 2008-09 | 2009-10 | 2010-11 | POI | Annualized |
| Capacity | MT | 3,600 | 3,600 | 3,600 | 4,500 | 3,600 |
| Production | MT | 684 | 1,327 | 1,592 | 1,439 | 1,151 |
| Capacity Utilization | % | 19% | 37% | 44% | 32% | 32% |
| Sales Domestic | MT | 614 | 1,006 | 1,228 | 913 | 730 |
| Demand | MT | 2,534 | 4,383 | 5,088 | 4,982 | 3,985 |

58. It is noted that the production, sales and capacity utilization of domestic industry increased up to 2010-11 and then declined in POI. Further, it is noted that though the demand for the product has increased by 57% between base year and the POI; the Domestic Industry could utilize only 32% of its total capacity in the POI. It is also noted that the domestic industry lost significant sales due to dumped imports of subject goods from the subject country.

b) Profits, Return on Capital Employed and Cash Profit

59. The profits, return on investment and cash flow of the domestic industry has been examined as under:

| Particulars | Unit | 2008-09 | 2009-10 | 2010-11 | POI | POI- Annualized |
|---|-------------|---------|---------|---------|------|--------------------|
| | | | | | | |
| Cost of Sales | Rs/KG | *** | *** | *** | *** | *** |
| Trend | | 100 | 87 | 76 | 95 | 95 |
| Selling price | Rs/KG | *** | *** | *** | *** | *** |
| Trend | | 100 | 104 | 92 | 87 | 87 |
| Profit/loss per Unit | Rs/KG | *** | *** | *** | *** | *** |
| Trend | | -100 | 33 | 35 | -153 | -153 |
| Profit/loss | Rs. Lacs | *** | *** | *** | *** | *** |
| Trend | | -100 | 54 | 69 | -182 | -182 |
| Profit before Interest and Tax | Rs.Lacs | *** | *** | *** | *** | *** |
| Trend | | -100 | 183 | 211 | -272 | -272 |
| Profit before Interest and Tax | Rs./kg | *** | *** | *** | *** | *** |
| Trend | | -100 | 112 | 106 | -229 | -229 |
| Return on capital employed | % | *** | *** | *** | *** | *** |
| Trend | | -100 | 159 | 181 | -266 | -266 |

| Cash Profit | Rs.Lacs | *** | *** | *** | *** | *** |
|----------------------------|---------|------|-----|-----|------|------|
| Trend | | -100 | 119 | 146 | -222 | -222 |
| Cash profit per unit | Rs./kg | *** | *** | *** | *** | *** |
| Trend | | -100 | 73 | 73 | -187 | -187 |

- 60. The profitability of the domestic industry in respect of domestic sales of subject goods has been examined. The Authority notes the following:
 - (i) The domestic industry incurred losses in 2008-09. The profitability of the domestic industry for the subject goods improved thereafter. The improvement in profitability of domestic industry was noted on account of increase in volume of sales, reduction in cost as well as on account of better sales realization and more efficient usage of inputs. However, the profitability has significantly deteriorated during POI. The decline in profitability of the domestic industry was noted, as the domestic industry was not able to increase its sales realization commensurate with the increase in the cost of production during POI. On the other hand, the landed value of imports declined despite increase in the input cost, which has forced the domestic industry to reduce its selling price.
 - (ii) It is noted that the cash profits of the domestic industry have seen a trend similar to the profitability.
 - (iii)The return on capital employed has been determined considering profit before interest and capital employed for the product concerned. It is noted that return on capital employed has significantly deteriorated in POI.
 - (iv) It is seen that the domestic industry has suffered financial losses in 2008-09. Petitioners submitted that the reasons for these financial losses were high consumption of raw materials in this year and significant and sudden decline in the prices of raw materials and the product as a result of global recession. It is noted that the domestic industry consumption of raw materials in 2008-09 was significantly higher. The domestic industry was able to improve its profitability and earn profits in 2009-10 and its consumption of raw materials stabilized. However, the domestic industry once again suffered financial losses in the period of investigation due to decline in prices when there was significant increase in the cost of production. In fact, in POI, whereas cost had increased, the import price and selling prices of the domestic industry have declined. It is, thus, seen that the deterioration in performance of the domestic industry in terms of profits, return on investment and cash profit during POI was because of dumping of the product in the country.

c) Employment and wages:

61. The status of employment levels and wages of the domestic industry has been as under:

| Particulars | Unit | 2008-09 | 2009-10 | 2010-11 | POI | POI- |
|-------------|------|---------|---------|---------|-----|------------|
| | | | | | | Annualized |
| Wages | Rs. | *** | *** | *** | *** | *** |
| | Lacs | | | | | |
| Trend | | 100 | 223 | 291 | 224 | 224 |
| Employment | Nos. | *** | *** | *** | *** | *** |
| | | | | | | |
| Trend | | 100 | 105 | 105 | 110 | 110 |

62. The Authority notes that employment level with the domestic industry has remained almost stagnant; whereas wages increased up to 2010-11 and then declined in the POI.

d) **Productivity**

63. The productivity of the domestic industry is given in the following table:

| Productivity | Unit | 2008-09 | 2009-10 | 2010-11 | POI | POI- |
|--------------|------|---------|---------|---------|-----|------------|
| | | | | | | Annualized |
| Per day | MT | *** | *** | *** | *** | *** |
| Trend | | 100 | 194 | 233 | 168 | 168 |
| Per employee | MT | *** | *** | *** | *** | *** |
| Trend | | 100 | 185 | 222 | 153 | 153 |

64. It is noted that the productivity has increased up to 2010-11 and then declined in the POI as the production of the domestic industry declined.

e) **Inventories**

65. The Designated Authority has examined the inventory level of the domestic industry, which is given in the following table:-

| Stock (Volume) | Unit | 2008-09 | 2009-10 | 2010-11 | POI |
|----------------|------|---------|---------|---------|-----|
| Average | MT | * | ** | ** | * |
| Trend | | 100 | 39 | 817 | 522 |

66. It is noted that the inventory of the domestic industry has increased substantially during the period of investigation.

f) Factors Affecting Domestic Prices

67. Consideration of the import prices from the subject country and other countries, change in the cost structure, competition in the domestic market, factors other than dumped imports that might be affecting the prices of the domestic industry in the domestic market shows that the landed value of imported material from the subject country is below the selling price of the domestic industry, causing significant price undercutting in the Indian market. It is further noted that most of imports of subject goods from other countries are at much

higher prices. There is no viable substitute to this product. It is also noted that demand for the subject goods was showing significant increase during the injury period and this could not have been a factor affecting domestic prices. Thus, the principal factor affecting the domestic prices is landed value of subject goods from subject country and cost of raw materials.

g) Ability to raise capital

- 68. With regard to ability to raise investments, it is noted that the domestic industry has not been able to utilize the existing capacities during the injury period. It is further noted that the existing capacity is sufficient to meet the demand of the product in the country.
- 69. The applicant has argued that given the current state of affairs where the product is consistently not performing well because of persistent dumping, any fresh investments are not envisaged.

h) Growth

70. On examination of various economic parameters of the domestic industry, the Authority notes that both the volume parameters such as production and sales, and price parameters of the domestic industry show improvement up to 2010-11 and then show a decline in the POI. Thus, the growth of the domestic industry is adverse on the volume parameters as well as price parameters. The domestic industry has recorded a negative growth both in volume terms and financial terms in the POI as compared to previous year 2010-11. Further, the market share of the domestic industry shows negative growth despite existing capacities in the Country. Thus, overall growth of the domestic industry was adverse.

| Growth (year by year) | Unit | 2008-09 | 2009-10 | 2010-11 | POI- | |
|-----------------------|------|---------|---------|---------|------------|--|
| | | | | | Annualized | |
| Production | % | - | 93.94 | 19.98 | -27.68 | |
| Sales Volume | % | - | 63.81 | 22.11 | -40.52 | |
| Profit/Loss per unit | % | - | -133.21 | 4.29 | -542.34 | |
| Return on Investment | % | - | 13 | 1 | -22 | |
| Market Share | % | - | -1.28 | 1.19 | -5.81 | |

i) Magnitude and Margin of Dumping

71. It is noted that the imports coming into India from the subject country are above the de minimis level of dumping margin. The dumping margin determined from the subject country is considered significant.

E.4 Causal Link

E.4.1 <u>Submissions of other interested parties</u>

- 72. The other interested parties have made the following submissions in this regard:
 - (i) The reduction in demand of subject goods is a pertinent factor in determining injury to the DI and must be given adequate consideration particularly when the imports from China too have declined during POI as compared to 2009-10 and when imports under any other heading have not been claimed.
 - (ii) There is no causal link between imports and injury which may be attributable to other factors like inefficiencies and decline in demand.
 - (iii) The Indian Industry is plagued by monopolization, inefficiency and obsolescence of technology undermining its competitiveness against Chinese imports.

E.4.2 <u>Submissions of domestic industry</u>

- 73. The domestic industry has made the following submissions in this regard:
 - (i) It is submitted that the volume and prices of imports not sold at dumped prices, contraction in demand or changes in the patterns of consumption, trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers, developments in technology, export performance or the productivity of the domestic industry have not been the cause of injury to the domestic industry as submitted in the following paragraphs.
 - (ii) Injury to domestic industry is caused due to dumped imports as:
 - a. Subject imports available at prices lower than domestic industry resulting in switching over to imports, thus forcing the domestic industry to offer sub-optimal prices.
 - b. Whereas the cost of production increased in POI, the selling price declined due to sub optimal sales.
 - c. The imports occurring at low and dumped prices are undercutting the prices of the domestic industry showing consequent injury on account of profits, return on investment and cash flow.
 - d. The undercutting of the domestic prices is forcing domestic industry with price depression and price suppression in the market.
 - e. As regards decline in demand, the import data adopted in the preliminary findings is grossly understated and also decline in imports is lower than decline in demand clearly establishes injury and causal link.
 - f. Neither other factors established as causing injury, nor inefficiency established on the basis of any evidence let alone any reliable evidence.
 - g. Mere conjectures have been made in the name of monopolization, inefficiency and obsolescence of technology; highlighting ulterior motive of hampering Indian economy.

E.4.3 Examination by the Authority

74. As per the AD Rules, the Designated Authority is, inter alia, required to examine any known factors other than dumped imports which at the same time are injuring the domestic industry, so that the injury caused by these other factors must not be attributed to the dumped imports. Factors which may be relevant in this respect include, inter alia, the volume and prices of imports not sold at dumping prices, contraction in demand or changes in the patterns of consumption, trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers, developments in technology and the export performance and the productivity of the domestic industry. The Authority has examined whether other factors listed under the AD Rules could have contributed to injury to the domestic industry. The examination of causal link has been done as follows:

a) Imports from third countries and other Known Factors

75. During the POI, more than 94% imports were from the subject country. Imports from third countries were negligible in volume and could not have caused injury to the domestic industry.

b) Contraction in demand and / or change in pattern of consumption

76. The Authority notes that the demand for the subject goods has shown significant increase during the injury period except during the POI. A further analysis of the data by the Authority indicates that the decline in the volume of dumped imports was significantly lower than the decline in the sales of the domestic industry. Therefore, the domestic industry suffered injury primarily on account of dumped imports than on account of change in the demand. From the available information, no change in the pattern of consumption was noted.

c) Trade Restrictive practices of and competition between foreign and domestic producers

77. It is noted that there is a single market for the subject goods where dumped imports from the subject country compete directly with the subject goods supplied by the domestic industry. It is noted that the imported subject goods and domestically produced goods are like articles and are used for similar applications/end uses. There is no evidence of trade restrictive practices of and competition between the foreign producers and domestic producers causing injury to the domestic industry.

d) **Developments in Technology**

78. There is no allegation of developments in technology, nor has the investigation so far shown that possible injury to the domestic industry could have been caused by developments in technology.

e) Export performance

79. The applicant has significant exports. However, the Authority has considered only domestic operations and domestic profitability.

f) **Productivity of the Domestic Industry**

80. It is noted that there is no material change in productivity of the domestic industry. Possible decline in productivity cannot be the reason for the established injury to the domestic industry.

E.4.4 Parameters establishing causal link

- 81. The Authority notes that while listed known other factors do not show that injury to the domestic industry has been caused by these factors, following parameters show that injury to the domestic industry has been caused by dumped imports.
 - (a) Market share of the domestic industry declined in POI and that of subject imports increased as a result of increase in imports.
 - (b) Imports were causing significant price undercutting in the domestic market. As a consequence, sales volumes of the domestic industry declined far more than the decline in demand in the POI as compared to the previous year 2010-11 and the decline in the share of domestic industry was notably higher than the decline in the volume of imports from the subject country.
 - (c) Dumped imports from the subject country are depressing the prices of the domestic industry. As, the domestic industry has tried to align its selling prices close to the landed prices, there has been a decline in prices whereas the cost of production has increased. It is noted that price depression being felt by the domestic industry is due to lower prices of dumped imports from the subject country and this depression has increased in the POI.
 - (d) The domestic industry was forced to reduce prices in the POI in spite of increase in cost, due to presence of dumped imports in the market. This has resulted in decline in profits and return on investment.
 - (e) Landed price of imports were undercutting and underselling the prices of the domestic industry. As a result of price undercutting, price underselling and significant volume of imports from the subject country, the market share and overall profitability of the domestic industry has declined.
 - (f) Decline in sales volumes and market share of the domestic industry resulted in decline in production of the domestic industry in the POI. Consequently, capacity utilization of the domestic industry also declined.

82. The Authority has determined non-injurious price for the domestic industry taking into consideration cost of production of the domestic industry. This non-injurious price of the domestic industry has been compared with the landed values of the subject imports of the responding producers and exporters to determine injury margin. The injury margins have been worked out as follows:

(US \$/ Kgs)

| Producer | Exporter | NIP | LP | IM | IM% | I.M. Range |
|--|---|-----|-----|-----|-----|---------------|
| Jiangsu Tianjiayi Chemical Co. Ltd. | Changshan Haicheng Chemical Co. Ltd. | *** | *** | *** | *** | 15-25 |
| Zhejiang Amino-Chem Co. Ltd. | Zhejiang Amino- Chem Co. Ltd. | *** | *** | *** | *** | 15-25 |
| Any Other producer/exp orter from China PR | Any other producer/e xp orter from China PR | *** | *** | *** | *** | 20-30 |

83. The level of dumping margins and injury margins as determined are considered significant.

E.5 Conclusion on Injury and Causation

- 84. There has been a significant increase in the volume of dumped imports from the subject country at the absolute level. The market share of dumped imports in total imports of subject goods has remained significantly high. It is also noted that the dumped imports were undercutting the prices of the domestic industry in the market. It is also determined that the dumped imports have had significant adverse price effect in terms of price depression and price underselling. Further, the dumping margins from responding producers and exporters from the subject country have been determined and are considered significant.
- 85. It is noted that dumped imports of subject goods from the subject country have adversely impacted the production and sales levels of the domestic industry. Further, it is also noted that the dumped imports have had significant adverse price effect in terms of price depression and price suppression, which in turn have led to significant deterioration in profits and return on investments. Therefore, the Authority concludes that the domestic industry has suffered material injury and such injury has been caused significantly by price and volume effects of dumped imports from the subject country. The Authority therefore, holds that material injury to the domestic industry has been caused by the dumped imports of subject goods from the subject country.

F. Indian industry's interest & other issues:

- F.1 Submissions by other interested parties
- 86. The other interested parties have made the following submissions in this regard:
 - (i) Exorbitant and unwarranted provisional duties imposed for a totally ineligible and undeserving case resulting in violation of Rule 12 due to inadequacy of reason and circumstances for such imposition.

(ii) Given the balance of convenience for single industry producer vis-a-vis the national interest and also the volatile prices of benzene, reference price based duty is most apt as also held by CESTAT in Kalyani Steel Ltd v. Designated Authority.

F.2 Submissions by domestic industry

- 87. The domestic industry has made the following submissions in this regard:
 - (i) The provisional duty is rightly imposed by the Authority as has been reasoned out in the preliminary finding. Such reasoned imposition cannot be held as unwarranted and arbitrary in light of the case set out by the applicant.
 - (ii) There is no legal basis for separate anti dumping duty for Changshan Haicheng Chemical Co., Ltd. as the same has not responded on one hand and also there is precedent of the Authority. The law does not warrant determination of separate dumping margin first for producers and thereafter for exporters.
 - (iii) In light of fluctuating benzene prices, fixation of reference price will be impracticable and error apparent resulting in continued dumping and injury to the domestic industry.
- 88. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to reestablish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the Country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject country in any way; and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.
- 89. It is recognized that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the product manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of this product. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the anti-dumping measures, particularly if the levy of the anti-dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline in the performance of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of the subject goods.

G. Recommendations

- 90. After examining the submissions made by the interested parties and issues raised therein; and considering the facts available on record, the Authority concludes that:
 - (a) The product under consideration has been exported to India from the subject country below normal value.
 - (b) The domestic industry has suffered material injury on account of subject imports from the subject country.
 - (c) The material injury has been caused by the dumped imports of subject goods from the subject country.
- 91. The Authority notes that the investigation was initiated and it was notified to all interested parties. Adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide information on the aspects of dumping, injury and causal link. Having initiated and conducted an investigation into dumping, injury and the causal link thereof in terms of the AD Rules and having established positive dumping margins as well as material injury to the domestic industry caused by such dumped imports as notified in the preliminary findings; the Authority is of the view that imposition of definitive duty is required to offset dumping and injury. Having regard to the lesser duty rule followed by the Authority, the Authority recommends imposition of definitive anti-dumping duty equal to

- the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. For the purpose of determining injury margin, the landed value of imports of product under consideration has been compared with the non-injurious price of the domestic like product produced by domestic industry determined for the period of investigation.
- 92. With regard to duty structure, keeping into account factual matrix of the case and having regard to contentions raised, information provided and submissions made by interested parties, it is deemed appropriate to recommend fixed form of anti-dumping duty in US\$.
- 93. Having regard to the lesser duty rule followed by the Authority, the Authority recommends imposition of anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, antidumping duty equal to the amount indicated in Col 7 of the table below is recommended to be imposed on all imports of subject goods originating in or exported from China PR.

Duty table

| Col. No. | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 |
|-------------|---------------------------|---|-------------------------------------|-------------------------------|--|---|-------------------|------|----------|
| SN | Heading/ subheading | Description of goods | Country of origin | Country of export | Producer | Exporter | Amount of duty | Unit | Currency |
| 1 | 29215120 & 29215190 | 'Meta Phenylene Diamine' (MPDA)* | China PR | China PR | Jiangsu Tianjiayi Chemical Co. Ltd | Changshan Haicheng Chemical Co. Ltd. | 0.574 | Kg | US\$ |
| 2 | 29215120 & 29215190 | 'Meta Phenylene Diamine' (MPDA)* | China PR | China PR | Zhejiang Amino-Chem Co. Ltd Ltd | Zhejiang Amino-Chem Co. Ltd | 0.615 | Kg | US\$ |
| 3 | 29215120 & 29215190 | 'Meta Phenylene Diamine' (MPDA)* | China PR | China PR | Any combination other than mentioned in Sr. no.1 &2 of above producer and exporter | | 0.780 | Kg | US\$ |
| 4 | 29215120 & 29215190 | 'Meta Phenylene Diamine' (MPDA)* | China PR | Any other than China PR | Any | Any | 0.780 | Kg | US\$ |
| 5 | 29215120 & 29215190 | 'Meta Phenylene Diamine' (MPDA)* | Any other than China PR | China PR | Any | Any | 0.780 | Kg | US\$ |

*Meta Phenylene Diamine' (MPDA), also known as m- Phenylene Diamine, 1,3- diaminobenzene, 1, 3- Benzenediamine, m- Aminoaniline, m- Benzenediamine, m- Diaminobenzene, 1,3-Phenylenediamine, 3- Aminoaniline, m- Fenylenediamine, Phenylenediamine, and m-Aminoaline, Phenylenediamine meta.

- 94. Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by the Customs under the Customs Act, 1962 and all duties of customs except duties under sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the Customs Tariff Act, 1975.
- 95. Subject to the above, the Authority confirms the preliminary findings dated 1st January, 2013.
- 96. An appeal against the findings after its acceptance by the Central Government shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal (CESTAT) in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and Customs Tariff Rules, 1995.

J. S. DEEPAK, Designated Authority